हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरियाली के ये योद्धा महान जिन्होंने लौटाए धरती के प्राण

जंगलों को काट कर कैसा गजब कर दिया, शहर जैसा एक आदमखोर पैदा कर लिया.... यह सच है, शहर बसते चले गए और जंगल कटते चले गए। अज्ञानियों के एक तबके ने धरती का सौंदर्य छीनने का सिलसिला जारी रखा है, पर इस देश, राज्य और समाज में ऐसे परोपकारी ज्ञानियों की भी कमी नहीं है, जिन्होंने विनाश को रोकने कठोर साधना की, तपस्या की। उन्होंने धरती के उजाड़ हिस्से को आबाद करने सब कुछ झोंक दिया। किसी ने खुद के बूते जंगल खड़ा कर लिया, किसी ने एक पेड़ बचाने जमीं से आसमां एक कर दिया। इन्हीं साधकों ने धरती के लिए नासूर बन चुके प्लास्टिक के जहर का तोड़ निकालने का मंत्र भी ढूंढा है। सामाजिक सरोकार से वास्ता रखने वाला हरिभूमि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमेशा की तरह ऐसे ही सिद्ध पुरूषों के पुरुषत्व की गाथा साझा कर रहा है, जिन्होंने अपने प्रयासों से धरती का संतुलन बनाने में जी तोड़ कोशिश की और सफल भी हुए।

विश्व पर्यावरण दिवस आज

पीपल को बचाने बदला घर का डिजाइन इंजीनियर ने सीढ़ियों की जगह बनाया पुल

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

शहर के आजाद चौक के समीप एक तीन मंजिला इमारत को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने परिवार ने अद्भुत और अकल्पनीय बना दिया। यहां लगभग 123 वर्ष पुराने एक पीपल के पेड़ को संरक्षित करने आज से लगभग 25 वर्ष पहले बनाए गए मकान का डिजाइन ही बदल दिया गया। पीपल के इस वृक्ष को बचाने के लिए परिवार के लोगों ने अपनी सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा।

शहर के सुशील गिड़िया का मकान आम घरों की तरह नहीं है। यहां घर के भीतर एक विशालकाय पीपल का वृक्ष है। यहां मकान निर्माण करते समय पीपल के वृक्ष को काटने की बजाय इसे जीव दया और पर्यावरण का संदेश देने के लिए वृक्ष के साथ ही मकान का निर्माण कर दिया गया। यह वृक्ष घर के भूतल से लेकर तीन मंजिला इमारत को पार करते हुए छत से निकालकर फैला हुआ है।

घर के कमरों और किचन में पेड़ का तना

सुशील गिड़िया के इस तीन मंजिला घर के कुछ कमरों में पीपल के विशालकाय वृक्ष के तने दिखाई देते हैं। जो काफी मोटे और आकार में भी बड़े हैं। वही किचन के भीतर वृक्ष का दो तना है, जो काफी बड़ा है।

पर्यावरण प्रेमियों के लिए अद्भुत है सुशील गिड़िया का मकान

अद्भुत दिखाई देता है घर

सुशील गिड़िया के मकान के भीतर इस पीपल के विशालकाय वृक्ष का तना यहां आने वाले लोगों के लिए काफी अद्भुत नजर होता है। लोगों को यकीन नहीं होता कि एक वृक्ष के साथ घर को अपने नहीं बल्कि वृक्ष की सहूलियत के हिसाब से बनाया जा सकता है।

सीढ़ियों की जगह बनाया पुल

आमतौर पर सभी घरों में ऊपर मंजिल में जाने सीढ़ियां रहती हैं लेकिन सुशील गिड़िया के इस मकान में ऊपर मंजिल में जाने सभी जगह सीढ़ियां नहीं है। जिसका कारण पीपल का यह वृक्ष है। यहां सीढ़ियां को घूमने के लिए जब जगह नहीं मिला तो सुशील ▶▶| शेष पेज 5 पर

घर के कमरों और किचन में पेड़ का तना

सुशील गिड़िया के इस तीन मंजिला घर के कुछ कमरों में पीपल के विशालकाय वृक्ष के तने दिखाई देते हैं। जो काफी मोटे और आकार में भी बड़े हैं। वही किचन के भीतर वृक्ष का दो तना है, जो काफी बड़ा है।

बारिश में होती है दिक्कत

सुशील गिड़िया कहते हैं कि वृक्ष में देवी देवताओं का वास होता है, वही वृक्ष एक जीव भी है। ऐसे में जब घर का निर्माण हो रहा था तो परिवार के सभी लोग इस वृक्ष को नहीं काटना चाहते थे, क्योंकि यह वृक्ष घर के आंगन में लगा हुआ था और काफी पुराना था, बाप-दादाओं की इस वृक्ष से आस्था जुड़ी हुई थी। इसके चलते इस वृक्ष के साथ ही मकान का निर्माण किया गया। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में पेड़ के तनों से घर के भीतर पानी का रिसाव होता है लेकिन 2 महीने ही दिक्कत होती है, इसे भी परिवार के लोग एडजस्ट कर लेते हैं।

पेड़ों से ऐसा लगाव...पीपल के नाम पर मोहल्ले का नाम, टहनी तक छुए बिना बनाए पक्के मकान

पीपरपारा का बना नाम

विनोद नामदेव ▶▶| गंडई पंडरिया

गंडई नगर से महज 5 से 7 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत खैरा में एक ऐसा मोहल्ला है, जिसका नामकरण वहां सदियों से खड़े एक पीपल वृक्ष के कारण हुआ है – पीपरपारा। यह मोहल्ला, जिसमें 20 से 22 घर हैं, अपनी गली में स्थित इस 100 वर्ष से भी अधिक पुराने पीपल पेड़ में गहरी आस्था रखता है। मोहल्ले वालों की दिनचर्या में इस पीपल वृक्ष की नित्य पूजा-अर्चना शामिल है। मोहल्ले के निवासी हिरामन सेन ने बताया कि यह पीपल वृक्ष इतना पुराना है कि जब से उन्होंने होश संभाला है, वे इसे विशालकाय रूप में देखते आ रहे हैं। उनके पिताजी के बचपन से पहले यह पेड़ यहां मौजूद है। हिरामन सेन ने एक और दिलचस्प ▶▶| शेष पेज 5 पर

भारत की जड़ें पर्यावरण को लेकर कितनी गहरी, इन वट वृक्षों से समझिए, जिन्हें जोड़ा गया धर्म और आस्था से

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ एक आस्था और धर्म का रिश्ता रहा है। पर्यावरण को पवित्रता से जोड़ा गया। पृथ्वी को मां कहा गया। वृक्षों, नदियों और पशुओं की पूजा की गई। भारतीय संस्कृति में गंगा,जुमना, सरस्वती और सिंधु नदियों को पूजा गया। वृक्षों को जीवन का प्रतीक माना जाता है। वेदों में वृक्षों को पृथ्वी की संतान कहा गया है. तुलसी और पीपल जैसे वृक्षों को विशेष रूप से पवित्र माना जाता है, और उनकी पूजा की जाती है। पर्यावरण दिवस पर हम ऐसे ही वट वृक्षों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें धर्म से जोड़कर सहेजा गया। जिनकी पूजा की गई। लालसा और लालच में उलझे वर्तमान समाज के लिए सबक की तरह हैं।

उज्जैन का सिद्ध वृक्ष

यह पांडवकालीन, मोक्ष प्राप्ति का द्वार

उज्जैन के ऋण मुक्तेश्वर धाम क्षिप्रा नदी के किनारे पर पांडव कालीन एक विशालकाय बरगद का वृक्ष है संभवतः यह वटवृक्ष भारत का सबसे पुराना वृक्ष है। माना जाता है कि इसके नीचे बैठकर ऋषि-मुनियों ने तपस्या की और सिद्धियां प्राप्त कीं। सिद्धवट वृक्ष को मोक्ष प्राप्ति का द्वार माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर ध्यान और पूजा करने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। सिद्धवट वृक्ष के नीचे पिंड दान और तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। इसलिए, कई लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहां आते हैं। सिद्धवट वृक्ष का संबंध भगवान शिव से है। ऐसा माना जाता है कि इस वृक्ष के नीचे भगवान शिव ने ध्यान लगाया था। इसलिए, यह वृक्ष शिव भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र है। मध्य प्रदेश का राजकीय वृक्ष बरगद है। इसे साल 1981 में मध्य प्रदेश का राजकीय वृक्ष घोषित किया गया था। बरगद का वैज्ञानिक नाम फ़ाइकस वेनगैलेंसिस है।

प्रयागराज का अक्षयवट

भगवान राम इसके नीचे रुके थे

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम से करीब 1 किमी की दूरी पर अकबर के किले में अक्षयवट खड़ा है। इस वट वृक्ष को औरंगजेब और अंग्रेजों ने नष्ट करने का प्रयास किया था। कहते हैं कि जब भगवान राम वनवास के लिए निकले तो सीता और लक्ष्मण के साथ अक्षयवट के नीचे एक रात रुककर विश्राम किया था। ब्रह्मा जी ने अक्षयवट के पास स्थित हवनकुंड में प्रथम यज्ञ और हवन किया था। इसमें 33 करोड़ देवी-देवताओं का आह्वान किया गया था।

मथुरा-वृंदावन का वंशीवट

भगवान शिव ने गोपी बनकर देखा था महारास

बंसी वट, जिसे बंसी वट महारास स्थली के नाम से भी जाना जाता है, वृंदावन में एक प्रसिद्ध और पवित्र स्थान है। यहीं पर भगवान कृष्ण ने गोपियों को बुलाने के लिए अपनी बांसुरी बजाई थी और रास लीला की थी। ऐसा कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा के दौरान, कृष्ण ने बंसी वट में अपनी बांसुरी बजाई, और मधुर ध्वनि पूरे वृंदावन में फैल गई। गोपियों ने जादुई संगीत सुना और सब कुछ छोड़कर कृष्ण के पास चली गईं। बंसी वट से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी भगवान शिव के बारे में है।

गया का गयावट

इस वटवृक्ष का रोपण स्वयं ब्रम्हा जी ने किया था

उज्जैन के सिद्ध वट के बाद यहां गया में गया वट के पास पितरों का पिंडदान किया जाता है। श्राद्ध, तर्पण एवं पिंडदान की नगरी गया में एक अति प्राचीन और विशाल वटवृक्ष हैं जिसे गयावृक्ष कहा जाता है। गया का नाम गयासुर नामक एक असुर पर रखा गया था। वर्तमान में इस वृक्ष को बोधिवृक्ष कहते हैं। गया का गयावट या अक्षयवट बिहार के गया शहर में मंगला गौरी मंदिर के समीप ही स्थित है।

नासिक (पंचवटी) का पंचवट

यहां राम परिवार ने बिताया था वनवास

नासिक का पंचवटी, जो महाराष्ट्र में नासिक शहर में गोदावरी नदी के किनारे स्थित है, एक पवित्र स्थान है, जो रामायण से जुड़ा हुआ है। यहां पांच वृक्षों का समूह है, जिनके नीचे भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने अपना वनवास बिताया था। इनमें पूरब दिशा में पीपल, दक्षिण दिशा में आंवला, उत्तर दिशा में बेल, पश्चिम दिशा में वट वृक्ष (बरगद) एवं अग्निकोण पर अशोक वृक्ष है। पंचवटी के नामकरण के पीछे एक कहानी है। यहाँ पहले पांच वट वृक्ष थे, इसलिए इस स्थान को पंचवटी कहा गया। साथ ही, यह भी माना जाता है कि हरिनाम बाबा नासिक के त्र्यंमबकेश्वर से यहां आए थे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज सबसे बड़ा बरगद

द ग्रेट बनियान ट्री

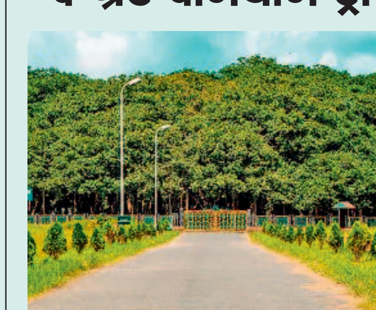

विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में स्थित है। 1787 में इस पेड़ को यही स्थापित किया गया था। उस दौरान इसकी उम्र करीबन 20 साल थी। पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं, जिसकी वजह से ये हर किसी को देखने में ऐसा लगता है, जैसे कोई जंगल में आ गया हो। यह पेड़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है 250 साल पुराना है। 14,500 वर्ग मीटर में फैला ये पेड़ करीबन 24 मीटर ऊंचा है। इसकी 3 हजार से अधिक जटाएं हैं। इसे वाकिंग ट्री भी कहा जाता है। इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं। साल 1987 में भारत सरकार ने इस विशालकाय बरगद के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। इसे बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिह्न भी माना जाता है। इस पेड़ की देखरेख 13 लोगों की एक टीम करती है, जिसमें बॉटनिस्ट (वनस्पति वैज्ञानिक) से लेकर माली तक सब हैं। समय-समय पर इसकी जांच की जाती है, ताकि इसे कोई नुकसान न पहुंचे।

'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम पर मनाया जाएगा यह पर्यावरण दिवस

जिस थीम पर 2025 का पर्यावरण दिवस वैसी जीवन शैली भारत के कई जिलों में

रुचि वर्मा/रायपुर। विश्व भले ही बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन थीम पर पर्यावरण दिवस मना रहा हो, लेकिन भारत के तीन जिले ऐसे हैं, जो पहले ही इस दिशा में काम कर चुके हैं। आज इन स्थानों में कचरा पहले की तुलना में 40 से 45 प्रतिशत तक कम हो चुका है। हरिभूमि ने इन स्थानों पर शोध करके जाना कि आखिरी किस तरह से यहां उस लक्ष्य को पाया गया, जो अन्य राज्यों के लिए अब भी चुनौती बना हुआ है।

नल्ला नाडु, नल्ला मन्नू : कन्नूर

केरल के अंतर्गत आने वाले जिले कन्नूर में 'नल्ला नाडु, नल्ला मन्नू' नारे के साथ वर्षों पहले एक अभियान शुरु किया गया। इस नारे का अर्थ है-अच्छी मिट्टी के साथ अच्छा गांव। इस अभियान के अंतर्गत लोगों को प्रेरित किया गया कि वे विभिन्न बुनकर सहकारी समितियों द्वारा बनाए गए थैलों का उपयोग करें। प्रशासनिक स्तर पर तो इस नारे को जमीनी हकिकत में बदलने के लिए प्रयास किए ही गए साथ ही आम लोगों ने भी इसमें खास दिलचस्पी दिखाई सड़क से लेकर हर उस स्थान पर जहां लोग कचरा डंप करते हैं, वहां की कड़ी निगरानी की गई। प्लास्टिक कैरी बैग की खरीदी और बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया। इन प्रयासों का नतीजा है कि यह एशिया का पहला प्लास्टिक मुक्त जिला बना।

ऊटी : यहां कदम रखते ही 'प्लास्टिक जांच'

तमिलनाडु का एक सुंदर शहर-ऊटी। अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाने जाना वाला यह शहर अब अपने प्लास्टिक मुक्त अभियान के लिए भी मिसाल बनते जा रहा है। टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े यहां के रहवासी किशोर गोलेचा बताते हैं कि दूसरे शहरों से आने वाली गाड़ियों की चेकपोस्ट पर ही जांच की जाती है। प्लास्टिक की पानी बोतल सहित हर तरह की प्लास्टिक सामग्री तुरंत ही जब्त कर ली जाती है। ऊटी में प्लास्टिक की पानी की बोतलें, प्लास्टिक कटलरी, स्ट्रॉ, सीलिंग फिल्म, थर्मोकोल आइटम और यहां तक कि ईयर बड्स जैसे प्लास्टिक आइटम भी प्रतिबंध हैं। पानी का पांच लीटर वाला केन ही आपको लेना पड़ेगा। यहां जगह-जगह वॉटर एटीएम लगे हुए हैं, जहां आप अपनी बोतल भर सकते हैं। इसका असर यह हुआ कि पिछले दस सालों में शहर का कचरा 40 से 45 प्रतिशत तक कम हो गया है।

लाचुंग व लासेन गांव, सिक्किम : यहां बांस की बोतलों का प्रयोग

सिक्किम का लाचुंग गांव प्लास्टिक मुक्त शहर घोषित है। इस गांव में प्लास्टिक की पानी की बोतलों के विकल्प के रूप में पर्यावरण-अनुकूल बांस की बोतलों का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त सिक्किम में एक अन्य गांव है- लासेन। यह एक छोटा सा गांव है जिसकी पूरी आजीविका, समृद्धि और अर्थव्यवस्था पर्यटन के जरिए चलती है। वहां के लोगों ने महसूस किया, प्रकृति है तो जीवन है। 2012 में पूरा गांव एक साथ खड़ा हो गया कि उनके यहां न तो बोतलबंद पानी की बोतल आएगी और न ही डिस्पोजेबल थर्मोकोल या प्लास्टिक के बर्तन। नतीजा अब ये दोनों ही गांव प्लास्टिक मुक्त हैं।

ऐसे होंगे प्लास्टिक मुक्त, कहीं लगता है उपद्रव शुल्क, तो कहीं बार्डर पर सख्ती

गिरीश केसरवानी ▶▶| रायपुर

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। इस बार की थीम है बीट प्लास्टिक पोल्यूशन, यानी प्लास्टिक प्रदूषण को मात दें। कहने को देशभर में प्लास्टिक बैन है। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी कागजों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती है। लेकिन हकीकत इससे अलग है। आदेश के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यावरण के प्रति दायित्व बोध की कमी चहुंओर दिखती है। हरिभूमि ने कुछ ऐसे राज्यों का अध्ययन किया जहां प्लास्टिक बैन किया गया है। वहां कैसे अमल में लाया गया। प्रस्तुत हैं उसकी कहानियां। महाराष्ट्र के टाइगर रिजर्व और नेशनल पार्क में प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर उपद्रव शुल्क लगता है। वहीं तमिलनाडू में प्लास्टिक की बोतल, थैलियां पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। दूसरे राज्यों से आने वाले यात्रियों और पर्यटकों की जांच की जाती है। हजार रुपए तक जुर्माना लगाया जाता ▶▶| शेष पेज 5 पर

कर्नाटकः प्लास्टिक से दूरी जीवन में शामिल

कर्नाटक के सेवानिवृत्त हेड ऑफ फॉरेस्ट बीके सिंह बताते हैं कि प्रतिबंध का असर होता है लेकिन उससे बेहतर है कि लोगों के जीवन में यह भाव शामिल हो जाए कि प्लास्टिक का उपयोग करना ही नहीं है। ऐसा कर्नाटक के कई शहरों मे है। कर्नाटक में वनक्षेत्र में प्लास्टिक सामान ले जाने पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सिंगर यूज प्लास्टिक के साथ पकड़े जाने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है। मैसूर जैसे शहर जहां पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं वहां प्लास्टिक बहुत कम नजर आता है।

लेते हैं उपद्रव शुल्क

महाराष्ट्र के सेवानिवृत्त पीसीसीएफ एके झा के अनुसार महाराष्ट्र के टाइगर रिजर्व तथा नेशनल पार्क में पूर्व लोग बड़े पैमाने पर सिंगल यूज प्लास्टिक ले जाते थे। इसके चलते वनों में हरियाली की जगह चारों तरफ प्लास्टिक देखने को मिलता था। वह देखने में विरक्ति भाव पैदा करता था साथ ही वह पर्यावरण के लिए घातक है। इससे निजात पाने के लिए महाराष्ट्र के टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क में सिंगल यूज प्लास्टिक ले जाने वालों से उपद्रव शुल्क वसूल किया जाता है।

मप्र-छत्तीसगढ़ में नाम का है प्रतिबंध

मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के पर्यावरण विद तथा प्रकृति प्रेमी उमाशंकर तिवारी तथा नितिन सिंघवी के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक पर केंद्र के साथ सभी राज्यों में रोक लगाई गई है। बावजूद इसके जंगल से लेकर आबादी वाले क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। श्री सिंघवी के अनुसार अफसरों से बात करने पर कहते हैं हमारे यहां प्रतिबंधित प्लास्टिक का निर्माण नहीं होता है।

तेलंगानाः टाइगर रिजर्व के एंट्री पाइंट में लेते हैं शुल्क

तेलंगाना के सेवानिवृत्त पीसीसीएफ पीके झा के अनुसार अमराबाद श्रीशेलम जाने के 65 किलोमीटर का हाईवे में मन्नानुर टाइगर रिजर्व पड़ता है। वर्ष 2017 में टाइगर सेंसेस के दौरान अफसरों ने पाया कि पूरे वनक्षेत्र में जहां वन्यजीवों के पग मार्क मिलने चाहिए वहां प्लास्टिक कचरा फैला है। इसके बाद पीसीसीएफ ने हाईवे के एंट्री से इंड पाइंट तक बेरियर लगाकर हर आने-जाने वालों की वाहन चेक कर प्लास्टिक की जांच की। जो पाया गया उसे फेंका जाता है। लोगों को एक थैला देना प्रारंभ किया। थैला के एवज में आने-जाने वालों से 50 रुपए लेते थे।

Agriculture & Industrial Needs

विश्व पर्यावरण दिवस

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन पर्यावरण के ज्वलंत मुद्दों के बारे में आम लोगों को जागरूक करने और इस दिशा में उचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख साधन है। देखा जाए तो ये दिन हमारे भविष्य के बारे में है। अगर हमारा पर्यावरण नहीं बचेगा तो हम भी नहीं बचेंगे। इसलिए Earth Day के साथ-साथ यह दिन बाकी सभी दिनों से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि बाकी दिन तभी मनाये जा सकते हैं जब उन्हें मनाने के लिए हम बचे रहें और विश्व पर्यावरण दिवस हमे बचाने की दिशा में एक बेहद ज़रूरी कदम है।

पेड़ लगाएं:- ये आप अच्छी तरह से जानते हैं, पर करते नहीं हैं। एक काम करिए इस बार जब आपका बर्थडे आये या आपके बच्चे का बर्थडे आये तो उस दिन एक पेड़ लगाइए और उसका कोई नाम रखियेआपके या आपके बच्चे के साथ उसे भी बड़ा होते देखिये।

प्लास्टिक बैग्स को ना कहें:- Shopping के लिए Polythene या plastic bags का प्रयोग बंद कर दें। और इसके लिए किसी क़ानून का इंतज़ार मत करें, खुद से ये कदम उठाएं. सब्जी के लिए, राशन के लिए, या कुछ भी बाज़ार से लाने के लिए पेपर बैग्स या कपड़ों के बने झोलों का प्रयोग करें।

बिजली बचाएं:- हम जितनी अधिक बिजली बचायेंगे उतनी कम बिजली प्रोड्यूस करनी पड़ेगी। भारत में कुल बिजली उत्पादन का लगभग 65% thermal power plants से होता है, जो कोयले का इस्तेमाल करते हैं और वातावरण में CO2, SO2 जैसी ज़हरीली गैस छोड़ते हैं.। हमारा बिजली बचाना हमारे वातावरण को बचाएगा।

पानी बचाएं:- Ground water level दिन प्रति दिन गिरता जा रहा है पर फिर भी लोग पानी की बर्बादी पर ध्यान नहीं देते। अगर हम छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें तो काफी पानी बचा सकते हैं।

Contact for ad
9340808313

हरिभूमि

विश्व पर्यावरण दिवस

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 5 जून 2025

यह तो सच है कि भगवान है...

पांच बीघे में फैले बरगद के नीचे 18 दिनों तक आस्था का मेला

नगर से करीब 30 किमी दूर आमखेड़ा कालू में स्थित विशाल बरगद का वृक्ष अपने आप मे नन्ही दुनिया समेटे हुए है। यहां रहने वाले वृद्ध ग्रामीणों का कहना है कि करीब 5 बीघा भूमि में फैले इस बरगद के पास लक्ष्मण जी का मंदिर बना हुआ है। इसके साथ पौराणिक मान्यता है कि त्रेता युग मे जब लक्ष्मण जी सीताजी को लेकर करीला धाम गए थे, तब उन्होंने इस वृक्ष को रोपा था। इसी कारण ग्रामीण भी इस बरगद को पूजते भी हैं और उसका संरक्षण भी करते हैं।

राजा छारी ▶▶| गंजबासौदा

इस बरगद को लोग हजारों वर्ष पुराना मानते हैं। इसीलिए यह अभी तक सुरक्षित है और उसका लगातार संवर्धन होता जा रहा है। ग्रामीण इस विशाल बरगद की अपनी पौराणिक मान्यताओं के चलते पूरी सुरक्षा करते हैं और लकडी काटना पूरी तरह प्रतिबंधित है। साथ ही इस विशाल बरगद के आश्रय में हजारों तरह के जीव जंतु अपना आशियाना बनाए हैं। वहीं कई प्रजातियों के वृक्ष, झाडियां, पौधे भी विकसित हो रहे हैं। अब यह बरगद अकेला नहीं है बल्कि उसकी शाखाओं के नीचे एक छोटी वानिकी ही तैयार हो गई है। बरगद के साथ ही उसके नीचे आश्रय पा रहे जीव जंतुओं, पक्षियों, विभिन्न तरह के पौधे, झाड़ियों को भी ग्रामीण अपने स्तर पर संरक्षित रखे हुए हैं। इस गांव के प्रेमसिंह मीणा बताते हैं कि बरगद के नीचे जन्माष्टमी से लेकर डोल ग्यारस तक भजन पूजन होती है और यहां 18 दिनों तक मेला भी लगता है। डोल ग्यारस को विधि विधान से विमान जी चल समारोह भी निकला जाता है।

बरगद के पास से बहती है कपूर्णा नदी

उधर, ग्राम के बुजुर्गों के अलावा क्षेत्र के युवा ग्रामीण ब्रजेश मीणा, हरि कुशवाह आदि का कहना था कि इलाके में पानी की कमी होने लगी है। इस बरगद के पास से होकर कपूर्णा नदी बहती है, जिसमे पहले साल भर पानी रहता था, लेकिन अब 4 से 5 माह ही पानी रहता है। इस कारण ग्रामीण चिंतित हैं कि कहीं पानी की कमी का असर उस बरगद पर न पड़े। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से इस विशाल और काफी प्राचीन बरगद वृक्ष का संरक्षण करने की मांग भी की है। ताकि, ऐसी पर्यावरणीय धरोहर को आगामी पीढ़ी के लिए सहेजकर रखा जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यह बरगद पौराणिक रूप से तो महत्व रखता ही है, साथ ही इतना विशाल बरगद पर्यावरण के लिए भी काफी लाभदायक है। यही नहीं इस बरगद के कारण आमखेडा कालू भी प्रसिद्ध हो रहा है। गांव पूरे प्रदेश और पर्यावरण प्रेमियों में खासा चर्चित हो गया है।

20 वर्ष पूर्व शुरु किया आंवला पौधों का रोपण

चटियल जमीन पर आंवला उगाया 20 बरस में बन गया 'जंगल'

पर्यावरण की रक्षा के लिए बीड़ा उठाने वाली वेदांत वृक्ष संगम नामक संस्था के मुखिया सहित सदस्यों ने पौधरोपण करने के अलावा उन्हें सहेजने और उनको आस्था से जोड़ने का जो सिलसिला शुरु किया है उसका प्रतिफल आज समाज को सुकून दे रहा है। एक समय कॉलोनी के समीप बेजान पड़ी बंजर जमीन में आज आंवले का विशाल जंगल नजर आता है। यह सिर्फ जंगल नहीं है। कार्तिक महीने में आंवला नवमीं के दिन यहां आस्था का विशाल संगम भी दिखाई देता है ।

नागेन्द्र श्रीवास ▶▶| कोरबा

बालको हाउसिंग बोर्ड में मौजूद है आंवला गार्डन

पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने के लिए रक्षाबंधन पर आंवला पेड़ों में रक्षासूत्र भी बांधा जाता है। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर भारत एल्युमिनियम कंपनी का पावर प्लांट जहां संचालित होता है उससे लगी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लगभग दो दशक पहले व्यासमुनि मिश्रा व उनके दोस्तों की टोली रोज कॉलोनी का भ्रमण किया करती थी। इस दौरान कॉलोनी के सामने चारों तरफ सिर्फ मैदान ही नजर आता था। ना तो बैठने के लिए सुकून भरा स्थल था ना ही पर्याप्त ऑक्सीजन। इसलिए श्री मिश्रा ने इस क्षेत्र को हरा भरा बनाने वेदांत वृक्ष संगम नाम से एक संस्था बनाकर प्रयास शुरू किया।हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की खाली पड़ी लगभग 50 डिसमिल जमीन पर पौधारोपण करना शुरू किया। यहां उन्होंने औषधीय गुणों से भरपूर आंवले के पेड़ लगाने की शुरुआत की।इस संस्था ने पौधा लगाने के बाद इसे यूं ही नहीं छोड़ दिया बल्कि अपने बच्चों की तरह पौधों का जतन किया। पिछले दो दशक की मेहनत का नतीजा है कि पौधे अब विशाल पेड़ का रूप ले चुके हैं।

रक्षाबंधन पर बांधते हैं राखी

पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से समिति की महिलाएं और पुरुष हर वर्ष रक्षाबंधन के दिन यहां पहुंचते हैं और पूजा अर्चना कर प्रत्येक आंवला के पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधते हैं। समिति के सदस्यों का कारवां यहां ही नहीं रुकता वर्षा ऋतु में हर वर्ष समिति के सदस्य आसपास के क्षेत्र में खाली पड़ी जमीनों और तालाबों के किनारे पहुंचकर पीपल, नीम, जामुन जैसेऔषधीय गुणों से भरपूर पौधों का रोपण करते हैं। इस समिति के पदाधिकारी अब तक बालको और उसके आसपास 3 सौ से अधिक पौधों का रोपण कर चुके हैं। उनके इस काम में शहर के विशिष्टजनों ने अपनी भागीदारी दी है।

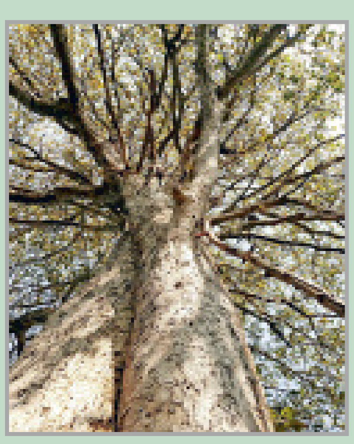

छत्तीसगढ़ का विशाल हल्दू वृक्ष, उदंती अभ्यारण्य की शान

हसन खान ▶▶| मैनपुर

छत्तीसगढ़ गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड अंतर्गत उंदंती अभ्यारण्य में छत्तीसगढ़ का विशालतम हल्दू वृक्ष पिछले लगभग 180 वर्ष से उदंती अभ्यारण्य का शान बना है। वन विभाग द्वारा इस हल्दू वृक्ष के चारों तरफ बकायदा चबूतरा निर्माण कर दिया है। उदंती अभ्यारण्य में जब कोई वन विभाग के बड़े अफसर या बड़े जनप्रतिनिधि पहुंचते हैं, तो इस हल्दू वृक्ष को देखने जरूरत जाते हैं।
ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ जो अपने 44 प्रतिशत जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां कुछ ऐसे वृक्ष भी हैं, जो सबसे पुराने और विशालकाय हैं। आज जहां कई जंगल काटे जा रहे हैं। ऐसे मे कुछ ऐसे वृक्ष भी हैं, जो आज भी वर्षो खड़े हैं। उदहारण के लिए उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के कोर एरिया उत्तर उदंती में स्थित यह सबसे पुराना हल्दू का पेड़। गरियाबंद से देवभोग वाले सड़क पर जब आप जुगाड़ गांव पहुंचते हैं, उदंती के अंदर जाने वाले गेट के समीप ही है। यह विशालकाय वृक्ष, इसका नाम है हल्दू (वैज्ञानिक नाम- एडीना कोर्डीफोलिया)। इसकी औसत गोलाई 622 सेंटीमीटर और उंचाई 34.05 मीटर है। कुछ अध्ययन की माने तो इसके जड़ और छाल अनेक बीमारियों, चर्म रोग, दस्त आदि में राहत प्रदान करते हैं।
मिली जानकारी के अनुसार पुरे उदंती अभ्यारण्य के जंगल में इस हल्दू वृक्ष को सबसे पुराना वृक्ष के रूप मे एक माना जाता है। हल्दू वृक्ष का उपयोग अनेक प्रकार के औषधीय बनाने में किया जाता है। खासकर इसका उपयाग त्वाचारोग, घाव, उल्टी, आंतों के कीड़े, अपच और जिगर के रोगों के उपचार के लिए जाता है। हल्दू का खांसी, पीलिया, पेट में दर्द, और पेट में सूजन के पारम्परिक उपचार के रूप में किया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार लगातार कटते जंगल के कारण हल्दू वृक्ष को खतरे वाली प्रजातियों की श्रेणी में शामिल कर दिया गया है, इसलिए इस वृक्ष को विल्पुत होने से बचाने की आवश्यकता है।

77 साल पुराना 'वट वृक्ष', सरगुजा रियासत की समृद्धि का प्रतीक ही नहीं, बना मप्र के राजकीय का हिस्सा

अजय नारायण पांडे ▶▶| अंबिकापुर

भारतीय संस्कृति में प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। यही कारण है कि हर धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठानों को पर्यावरण से जोड़ने की परम्परा आज भी कायम है। भारतीय जीवन पद्धति में पंचवटी का महत्व आज तक बना हुआ है। पंचवटी में शामिल बरगद, पीपल, आंवला, अशोक एवं बेल के अतिरिक्त आम एवं जामुन जैसे फलदार वृक्षों के बाग-बगीचे लगाने की परम्परा आज के आधुनिक युग में भी जीवित है। इसी परम्परा के अनुरूप आजादी के पूर्व सरगुजा रियासत में इस्टर्न स्टेट एजेंसी (ईएसए) के हाई कोर्ट का निर्माण किया था तथा हाईकोर्ट परिसर में पंचवटी के साथ ही विभिन्न प्रजाति के फलदार पौधे लगाए गए जो आज भी अपनी समृद्धि को बयां कर रहे हैं।

15 अगस्त 1947 के दिन भारत के आजाद होने के बाद देश की अन्य रियासतों के साथ सरगुजा रियासत का भी भारत संघ में शामिल हुई। इस दौरान कुछ रियासतों ने भारत संघ में शामिल होने का विरोध भी किया लेकिन सरगुजा रियासत के महाराज रामानुजशरण सिंहदेव ने सरगुजा रियासत को भारत संघ में शामिल होने के समय को बदलाव का अद्भूत तरीके से प्रदर्शित किया। जनवरी 1948 के दिन जब सरगुजा रियासत की सत्ता हस्तांतरित की गई तो महाराजा एमएस सिंहदेव ने इसकी स्मृति में भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में तत्कालीन कलेक्टर जीडी के रावाला को बरगद के पौधे का आदान-प्रदान किया तथा कोर्ट के प्रवेश द्वारा के समक्ष इसे सम्मिलित रूप से रोपित किया। 77 साल पूर्व सरगुजा महाराज रामानुजशरण सिंहदेव एवं तत्कालीन कलेक्टर श्री केरावाला रोपित बरगद का पौधा आज विशाल वृक्ष बन गया है। इसे संयोग ही कहेंगे कि यही वटवृक्ष वर्ष 1981 में मध्यप्रदेश सरकार ने राजकी वृक्ष का चिन्ह घोषित किया। इसके पूर्व मध्यप्रदेश सरकार का कोई संबल निर्धारित नहीं था। सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक यह बरगद 7 फीट से अधिक गोलाई का है।

सरगुजा रियासत के महाराजा एवं प्रथम कलेक्टर ने रोपा था पौधा

महाराजा करते थे मामलों की सुनवाई

इस्टर्न स्टेट एजेंसी के हाई कोर्ट का निर्माण सरगुजा रियासत के तत्कालीन महाराज रामानुजशरण सिंहदेव ने कराया था तथा इसका उद्घाटन 17 मई 1936 के दिन किया गया। महाराजा रामानुजशरण सिंहदेव को द्वितीय श्रेणी न्यायाधीश का दर्जा प्राप्त था। वे हाईकोर्ट में विभिन्न रियासतों के मामलों की सुनवाई करते थे साथ ही कोरिया, चांगभखार, रायगढ़ सहित आसपास की रियासतों द्वारा पारित न्यायालयीन आदेशों को भी पारित करते थे। महाराजा रामानुज शरण सिंहदेव का न केवल तत्कालीन कांग्रेस संगठन में दबदबा था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, सुभाष चन्द्र बोस सहित तत्कालीन अन्य केन्द्रीय मंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं से प्रगाढ़ संबंध थे। उनके बुलावे पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सरगुजा के भ्रमण पर भी आए थे तथा कुमार पैलेस में रात्रि विश्राम किया था। सरगुजा के इतिहासकार गोविन्द शर्मा बताते हैं कि तब महाराजा को भारत द्वारा पारित हर अध्यादेश को उनकी अनुशंसा के लिए भेजा जाता था।

अर्जुन सिंह सरकार ने बनाया सिंबल

वर्ष 1980 में अर्जुन सिंह सरकार में सरगुजा रियासत की महारानी देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव वन एवं पर्यावरण मंत्री थीं,वहीं महाराजा एमएस सिंहदेव सचिव थे तथा दोनों लोगों का काफी प्रभाव था। बताया जाता है कि सत्ता हस्तांतरण के यादगार पल को ऐतिहासिक बनाने की दृष्टि से महारानी देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव ने पहल की जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने स्वीकार कर लिया तथा वर्ष 1981 में सरगुजा रियासत के हाईकोर्ट के सामने रोपित बरगद वृक्ष को मध्यप्रदेश का सिंबल घोषित किया।

यहां के स्थानीय लोग इसे देव वृक्ष भी कहते हैं

- 410 साल से पर्यावरण बचाने का संकल्प लिए खडा है 'कल्प'

मुकेश कुमार शर्मा ▶▶| ब्यावरा

संपूर्ण विश्व में जहां प्र्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं राजगढ़ के सारंगपुर में 410 सालों से लोगों की आस्था व मन्नतें पूरी होने का प्रतीक रहा कल्पवृक्ष आज के दौर में पूर्यावरण बचाने का संदेश दे रहा है । ऐसी मान्यता है कि इस वृक्ष से जिस वस्तु की अभिलाषा की जाएं वह पूरी हो जाती है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि जहां इसके आस पास लगे पेड़ों की बलि दे दी गई वहीं सिर्फ आस्था का प्र्याय माने जाने के कारण यह कल्पवृक्ष सदियों से बचा रह पाया है। आज भी ईश्वर के निवास होने की मान्यता के साथ इसको पीढ़ियों से पूजा जाता रहा है जो आज भी जारी है। सारंगपुर हाइवे के किनारे बार्ड क्रमांक 01 के अंतर्गत खड़ा यह वृक्ष आसपास के लोगों की आस्था का प्रतीक है। यहां पर मांगी जाने वाली मन्नतें पूरी होने कल्पवृक्ष की पूजा अर्चना कर प्रसादी बांटी जाती है। यहां के स्थानीय लोग इसे देव वृक्ष भी कहते हैं। उनका मानना है कि यह देवताओं द्वारा लगाया गया कल्पवृक्ष है जो कल्पांत तक नष्ट नहीं होता है। 2022 में रेडियोमेट्रिक डेटिंग तकनीक द्धारा की गई आयु गणना में इस कल्पवृक्ष की आयु 410 साल मापी गई है। आश्चर्य की बात यह है कि उस कालखंड का कोई और दूसरा पेड़ इस समय वजूद में नहीं है इससे समझा जा सकता है कि इंसान ने लालच के चलते किस तरह प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है। जिसके चलते पर्यावरण असंतुलन एवं ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्या विश्व के सामने खड़ी हुई है।

जंगल है तो मंगल है...पेड़ों को बचाने की पहल काटा तो जुर्माना, सामाजिक बहिष्कार भी...

छत्तीसगढ़ झारखंड राज्य की सीमा पर बसा जशपुर अपनी प्राकृतिक छटा, हरियाली, घने जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। लेकिन इस पहचान को कायम रखने में यहां के समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां पेड़ काटने पर न केवल जुर्माना होता है बल्कि सामाजिक बहिष्कार भी किया जाता है।

एन.नवीन ओझा ▶▶| जशपुरनगर

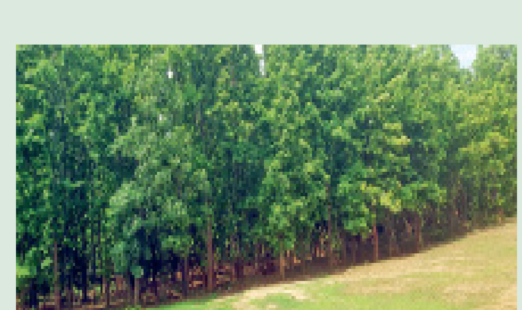

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम खरसोता के ग्रामीणों ने एक सराहनीय पहल की है। लगभग 15 वर्ष पूर्व, ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच श्याम लाल भगत की पहल पर जंगलों को आग से बचाने के लिए वन अग्नि सुरक्षा समिति एवं वनों को कटाई से बचने के लिए वन सुरक्षा समिति की स्थापना की गई, जो आज भी जंगलों की सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। समिति द्वारा बनाए गए नियमों के तहत यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर या अनजाने में पेड़ काटता है, तो उसे 1 हजार रुपए का जुर्माना देना होता है। अगर वह व्यक्ति दूसरी बार वही गलती दोहराता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाता है। इन नियमों का कड़ाई से पालन करने का ही परिणाम है कि खरसोता क्षेत्र में वनों का संरक्षण सुनियोजित ढंग से सुनिश्चित हुआ है। समिति की सतत निगरानी और ग्रामीणों की सहभागिता से न केवल वनों की कटाई रुकी, बल्कि वातावरण में शुद्धता आई और भूजल स्तर में भी सुधार देखा गया है। खरसोता के ग्रामीणों को शुद्ध ऑक्सीजन मिल रही है। स्थानीय निवासी जगदीश राम बताते हैं कि अब ग्रामीणों को मकान मरम्मत हेतु लकड़ी के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। समिति के नियमों के अंतर्गत तय राशि अदा कर समीप के जंगलों से ही आवश्यकता अनुसार लकड़ी ली जा सकती है।

पर्यावरण संरक्षकों को किया जाएगा सम्मानित

खरसोता जंगल के संरक्षण के प्रणेता एवं मुख्य भूमिका निभाने वाले श्याम लाल भगत ,पूर्व सरपंच, सचिव जगत पाल, अजीत पोद्दार स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य ग्रामीणों को विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान

वन मण्डलाधिकारी जशपुर,शशि कुमार ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई और जल संरक्षण जैसे विषयों पर जनजागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। इस वर्ष भी 5 जून को हम सभी पर्यावरण के संरक्षण हेतु संकल्पित हैं।

अभियान के जनक श्याम लाल

पूर्व सरपंच श्याम लाल बताते हैं वर्ष 2010 में शुरू किया गया यह प्रयास अब रंग दिखाने लगा है। ग्राम पंचायत के अंतर्गत लगभग 47 हेक्टेयर वन भूमि है, जिसके संरक्षण हेतु वर्षों पूर्व चलाया गया अभियान आज भी अनवरत जारी है। इस अभियान के चलते खरसोता और उसके आसपास का क्षेत्र आज हराभरा, स्वच्छ हवा और पर्यावरण से भरपूर है। इससे न केवल लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है, बल्कि बीमारियाँ भी पहले की अपेक्षा कम हुई हैं। जब यह मुहिम शुरू की गई थी, तब तत्कालीन डीएफओ ने इसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की थी। आज यह मुहिम एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। ग्रामीण इसे अपनी संपत्ति समझते हुए उसकी रक्षा के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस

संरक्षण के लिए संसाधन नहीं...संकल्प की जरूरत

पर्यावरण संरक्षण के लिए संसाधन नहीं चाहिए । पर्यावरण संरक्षण के लिए सुविधाएं भी नहीं चाहिए। संरक्षण के लिए चाहिए संकल्प और सृष्टि के प्रति संवेदनशीलता। बस्तर के बुजुर्ग आदिवासी ने दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनूठा काम किया है। दामोदर कश्यप ने ग्रामीणों के सहयोग से 400 एकड़ जमीन को विशाल जंगल में बदल दिया। बस्तर के करमरी गांव में रहने वाले दामोदर बताते हैं कि 400 एकड़ जमीन को जंगल में बदलना आसान नहीं था, दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत काम को अंजाम दिया।

बस्तर के दामोदर ने खड़ा किया 400 एकड़ में जंगल, बचाने के लिए ठेंगा पाली का नियम

महेंद्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

दामोदर वर्ष 1970 में 12 वीं की पढ़ाई के बाद गांव पहुंचे। उन्होंने देखा कि गांव के पीछे की हरी भरी जमीन पर एक भी पेड़ नहीं है, वन विभाग ने बहुत सारे पेड़ काट दिए थे, बाकि बचे पेड़ों को गांव वालों ने साफ कर दिया था। उन्होंने पेड़ों को बचाने और ग्रामीणों को जागरूक करने का फैसला किया। दामोदर ने बताया कि काम आसान नहीं था, शुरूआत में ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा, विरोध के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और वर्ष 1977 में सरपंच बनने के बाद मिशन से पीछे नहीं हटे। उन्होंने मौसम के अनुकूल पौधों को लगाने का काम शुरू किया, पौधे लगाने से ज्यादा बड़ी चुनौती संरक्षण की थी, इसलिए उन्होंने ग्रामीणों के लिए ठेंगा पाली का नियम बनाया।

जंगल बचेंगे तो हम भी बचेंगे

दामोदर आज देश भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्थाओं से चर्चा करते हैं। चर्चा का केंद्र बिंदु पेड़ों को बचाने के उपायों पर होता है, प्रकृति के लिए समर्पण भाव को देखते हुए स्विट्जरलैंड और फिलीपींस में दामोदर को सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने तेजी से काटे जा रहे जंगलों की कटाई पर चिंता जताई है। जंगल के बिना जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती, जंगल बचेंगे तो हम भी बचेंगे, इसलिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना जरूरी है।

सबकी होनी चाहिए दामोदर जैसी सोच

वन विभाग जगदलपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया कि दामोदर की सोच जैसे सभी लोगों की सोच होनी चाहिए, जिससे जंगल बचेंगे। साथ ही ज्यादातर बादाम के पौधों का रोपण करें।

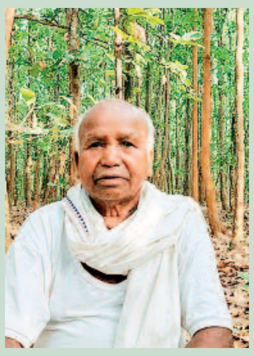

बुजुर्ग ने जमीन को बदला जंगल में

ठेंगा मतलब (डंडा) और पाली मतलब (पारी) नियम के तहत गांव के तीन सदस्य रोजाना जंगलों की सुरक्षा करने लगे। डंडे को कपड़े से लपेट कर देव का रूप दिया गया, जंगल की सुरक्षा में नहीं जाने वाले ग्रामीणों पर अर्थदंड भी लगाया जाने लगा। जंगलों को नुकसान पर पंचायत अर्थदंड देती, दामोदर के लगातार प्रयास से ग्रामीणों का भी हौसला बढ़ने लगा। बुलंद हौसले की बदौलत गांव के आसपास 400 एकड़ में घना जंगल तैयार हो गया। उन्होंने बताया कि जंगल को देखने वन विभाग के अधिकारी भी आते हैं, विशेषकर आज तक उनके जंगलों में कभी आग नहीं लगी है।

देखभाल के कारण अधिकतर पौधे अब पेड़ों में तब्दील हो गए

प्रदेश में दुर्ग एकमात्र जिला जहां 550 एकड़ में मानव निर्मित जंगल, नगपुरा बना रोल मॉडल

प्रदेश के एक मात्र जंगलविहीन जिले में भी अब जंगल तैयार हो गया है। 1 जनवरी 2012 के बाद बालोद और बेमेतरा के अलग जिला बनने से दुर्ग में जंगल खत्म हो गए थे। इसके बाद पिछले 13 सालों में वन विभाग, उद्यानिकी, जिला पंचायत और पर्यावरण प्रेमियों के अथक प्रयासों से जिले में एक बार फिर जंगल जैसी सुंदरता लौटने लगी है। जिले में 550 एकड़ से ज्यादा में मानव निर्मित जंगल तैयार हो गया है। इसमें नगपुरा में वर्ष 2010 में लगाए गए 1 लाख पौधे आज हरे-भरे पेड़ बन चुके हैं। जहां सागोन और सीसम के पेड़ आच्छादित हैं। वर्तमान में यह क्षेत्र पूरे प्रदेश में रोल मॉडल बनकर उभरा है।

अतुल अग्रवाल/ दिलीप साहू ▶▶| भिलाई/निकुम

नगपुरा और बोरई में 60 एकड़ से ज्यादा जगह पर वन विभाग की देखरेख में ये पौधे रोपे गए थे। इसी प्रकार ग्राम डुंडेरा और कोड़िया में पर्यावरण प्रेमियों के प्रयासों से 50 एकड़ का जंगल तैयार किया गया है। स्व. गेंदलाल देशमुख और डुंडेरा के युवाओं के प्रयासों से करीब साढ़े 8 लाख पौधों को बचाया गया है। हर साल यहां पेड़ों की संख्या बढ़ रही है। इसी प्रकार नंदिनी और मेड़ेसरा में भी 1-1 लाख पौधे लगाकर जंगल विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा टाउनशिप में पहले से 30 लाख से ज्यादा पेड़ 15 वर्गकिलोमीटर में फैला हुआ है, जिसे वर्ष 1956 से 1965 के बीच लगाया गया, जो आज आच्छादित हो रहे हैं। नगपुरा में साल, सागोन, सरई, टिसू, नीम, आवला, गंगा इमली, नीलगिरी, करंजा, कौहा, महुआ, अकेसिया, केसिया, समिया, छातिम, खमारा सहित अन्य 46 किस्म के पौधे रोपे गए थे, जो जंगल का रूप ले चुका है। दुर्ग के नगपुरा में एक लाख और धमधा के कोडिया और देऊरझाल में 75 हजार से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं। वर्ष 2016-17 में निकुम-विनायकपुर इलाके में नदी के किनारे पौधे रोपे गए हैं। देखभाल के कारण अधिकतर पौधे अब पेड़ों में तब्दील हो गए हैं। विनायकपुर में आम के पेड़ अब फल भी देने लगे हैं।

नंदिनी में 10 हजार से ज्यादा औषधियुक्त पौधों के साथ 1300 एकड़ में बनेगा जंगल

नंदिनी माइंस में हुए पौधरोपण और खनन कार्य के कारण यहां 885 एकड़ में जंगल तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 3.83 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई। बीएसपी के नंदिनी माइंस क्षेत्र में पूर्व में किए गए पौधरोपण एवं खनन कार्य के फलस्वरूप वनक्षेत्र विकसित हुआ है। तालाब का भी गहरीकरण कराया गया है। दावा किया जा रहा है, इसे देश के सबसे बड़े मानव निर्मित वन के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी की जा रही है। 1300 एकड़ में जंगल विकसित करने की तैयारी है, जहां आने वाले समय में लोमड़ी, खरगोश, अजगर सहित अन्य एनीमल्स यहां रखे जाएंगे। इतना ही नहीं 10 हजार से ज्यादा साल, सागौन, औषधियुक्त शतावर, अश्वगंधा, बड़, पीपल, बरगद, महुआ, हर्रा, बहेरा जैसे पौधे रोपे जाएंगे। पूरे क्षेत्र को आकर्षक जंगल का रूप दिया जाएगा। इसी प्रकार नेवई से लेकर जोरातराई तक करीब 2000 एकड़ में 18 करोड़ की लागत से 10 लाख पौधरोपण कराया गया था, जहां भी जंगल तैयार हो रहा है।

12 एकड़ जमीन में खेती करने के बजाए हरियाली बिखेर लगाए नीलगिरी, सागौन और पाम के पेड़

ग्राम निकुम में हरियाली बिखेरने के कारण धरमदास साहू ग्रीन मेन धरम दास के नाम से जाने जाते हैं। धरमदास ने 12एकड़ जमीन में धान की खेती नहीं की, बल्कि उस जमीन पर 40 हजार पौधे लगाए। उन्होंने जिसमें नीलगिरी, सागौन, पाम सहित 2 एकड़ में मालाबार नीम के पौधे लगाए। ये एक वर्ष में तकरीबन 7 फीट हो गए हैं। 48 वर्षीय धर्मदास बचपन से पेड़ पौधों से गहरा लगाव रखते हैं। भाटापारा और बालोद जिले के खुरसुल में नर्सरी बनाई है, जिसमें 40 हजार से ज्यादा पौधे तैयार किए हैं। उनके अलावा बालोद जिले के भाव सिंह देवांगन, यशवंत साहू सहित कई लोग अपनी जमीन पर पेड़ लगाकर अनूठी पहल कर रहे हैं।

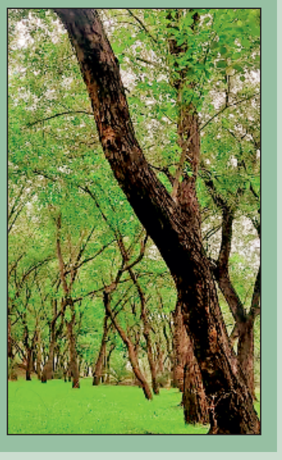

दुकान के बीचो-बीच खड़ा है श्रद्धारूपी पीपल का पेड़, रोज सुबह-शाम होती है पूजा

पीपल पेड़ से इतना मोह लाखों की जमीन छोड़ दी

एक पीपल पेड़ को बचाने के लिए व्यवसायी ने अपनी दुकान का नक्शा ही बदल दिया। अब दुकान के बीचोबीच यह पेड़ खड़ा है। दुकान के बीच में इस पेड़ के चलते खुली जगह है जिसके चलते बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था भी तगड़ी की गई है। पेड़ के नीचे सभी संप्रदाय के देवी-देवताओं की स्थापना की गई है। जहां पर सुबह शाम दुकान का स्टाफ और आने वाले ग्राहक पूजा करते हैं।

दीपनारायण शर्मा ▶▶| धमतरी

आज के जमाने में जहां पर हरियाली काटकर लोग कांक्रीट का जंगल खड़ा करने में तुले हैं, वहीं एक व्यवसायी भारत आहूजा ने गोल बाजार जैसे महंगे व्यावसायिक क्षेत्र में एक पेड़ को बचाने के लिए अपनी दुकान का नक्शा ही बदल दिया। पेड़ ने जितनी जगह घेर रखा है, उतनी जगह पर कोई भी निर्माण नहीं किया गया है। यह पेड़ ठीक दुकान के बीचोबीच है। रोजाना व्यवसायी और स्टाफ इस पीपल पेड़ की पूजा करते हैं। यही नहीं विधि विधान के साथ पीपल के पेड़ के नीचे बजरंग बली, भोलनाथ सहित अन्य देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई हैं जिसके चलते आने वाले हर दुकानदार इस पेड़ के नीचे श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

मिला आशीर्वाद, हुई बरकत

अजय आहूजा ने बताया कि पहले उनकी दुकान गोल बाजार के अंदर थी। इस दुकान को उन्होंने सात साल पहले यहां पर शिफ्ट करना शुरू किया। पीपल के पेड़ में देवी देवताओं का वास होता है। इस कारण इस पेड़ को संरक्षित किया। इससे सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद उन्हें मिला है। दुकान पहले से ज्यादा सफलतापूर्वक चल रही है। देवताओं की कृपा से बरकत ही बरकत मिल रही है।

जमीन मालिक ने नहीं लिया दाम

हरिओम वस्त्रालय के संचालक भारत आहूजा ने बताया कि वर्ष 2017 में उन्होंने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ मुकेश लुंकड़ से यह जमीन खरीदी। इस जमीन पर दो दीवार के बीच यह हरा भरा पीपल पेड़ का उगा हुआ था। इस पेड़ की जड़ जमीन तक धंसी हुई थी। हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल पेड़ के काटने की मनाही है। इस पर अमल करते हुए उन्होंने इस पेड़ को संरक्षित करने का निर्णय लिया। इस बात की जानकारी जब डॉ मुकेश लुंकड़ को हुई तो उन्होंने जितनी जमीन पर पेड़ उगा हुआ है, उस जमीन का दाम नहीं लिया और जमीन की रजिस्ट्री करवा दी।

भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के 600 साल पुराने पेड़ों की कहानी

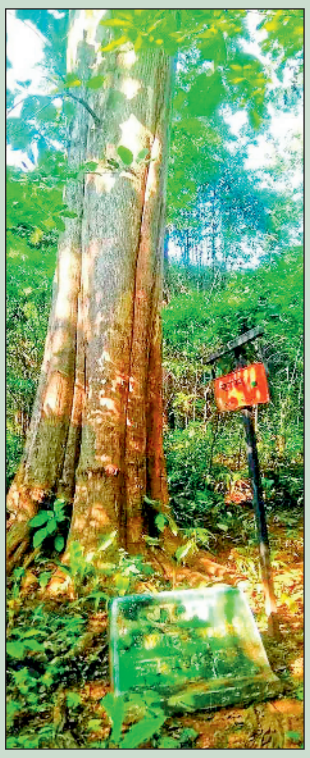

राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न पेड़ों की लोग कर रहे पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ का बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है, बस्तर को साल वनों का द्वीप भी कहा जाता है। घने जंगल, यहां के वाटरफॉल और नैसर्गिक गुफाएं पूरे देश और विदेशों में भी प्रसिद्ध है। बस्तर में ही भारत का सबसे प्राचीन सागौन का पेड़ है, बस्तर जिले के तिरिया माचकोट रेंज के जंगल में 600 वर्षों से भी अधिक समय से जीवंत खड़े राम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुध्न नाम के सागौन के विशालकाय पेड़ों को देखना रोमांच का अनुभव कराता है। इस पेड़ों का आसपास के ग्रामीण पूजा करते हैं। इन पेड़ों की वास्तविक आयु की गणना के हिसाब से देखा जाए तो ये अयोध्या में श्रीराम लला के जन्मस्थल निर्माण के पहले से अस्तित्व में हैं। इन धरोहरों तक पहुंचने 12 किमी घना जंगल का सफर तय किया। इसमें आखिरी के एक किमी का रास्ता पूरी तरह से वनाच्छादित था। बड़े-बड़े कीट-पतंगों व मच्छरों के जहरीले दंश को झेलते वहां पहुंचा जा सका।

बस्तर जिले के माचकोट जंगल में 600 वर्षों से विराजमान

संभागीय मुख्यालय से 60 किमी दूर

बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से 60 किलोमीटर दूर है, तिरिया वन ग्राम यहां से माचकोट रेंज का घना जंगल शुरू हो जाता है। यहां कच्चे रास्ते और पहाड़ी नाला पार करके 12 किलोमीटर जंगल के भीतर जाना होता है। इसके बाद वह जगह आती है जहां कंटीली तार से इन्हें संरक्षित किया गया है। यह पूरा क्षेत्र वीरान व मानव दखलंदाजी से कोसों दूर है।

वन विभाग कर रहा संरक्षित

वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि चारों पेड़ों को संरक्षित किया जा रहा है। साथ पेड़ों के आसपास सौंदर्यीरण किया जा रहा है, क्योंकि लोग पेड़ों की पूजा करने आते हैं।

त्रेतायुग के चारों भाई एक साथ खड़े

इसलिए पड़ा इन वृक्षों का नाम सबसे विशालकाय सागौन के पेड़ों को वन विभाग ने राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन का नाम दिया हुआ है। खास बात यह है कि सिर्फ 20 मीटर के दायरे में यह चारों पेड़ एक सीधी कतार में खड़े हुए हैं, इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो त्रेतायुग के यह चारों भाई एक साथ खड़े हों। इसमें सबसे ऊंचे सागौन के वृक्ष जिसकी ऊंचाई 389 मीटर एवं तने की गोलाई 352 सेमी मापी गई है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में जुटे थे क्रिकेट प्रेमी, हादसे में 24 घायल

हादसा उस वक्त हुआ जब स्टेडियम में टीम का सम्मान हो रहा था

मातम में बदला जीत का जश्न, स्टेडियम के पास भगदड़, 11 की मौत

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेटप्रेमियों के जुटने के उपरांत मची अफरातफरी में कम से कम ग्यारह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। हालांकि, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि बेंगलुरु में आरसीबी के जश्न में हुई मौतों की उन्हें कोई जानकारी नहीं है, ब्योरा मिलने पर इस बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, यह युवा और जोश से भरी भीड़ थी, हम लाठी का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे।

32 हजार की क्षमता थी स्टेडियम की

02 लाख प्रशंसक आने का था अनुमान

01 लाख प्रशंसक भीतर पहुंचे

06लाख प्रशंसक बाहर में जुटे

भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को करना पड़ा हल्का लाठीचार्ज

ऊंची चीज पर चढ़ गए प्रशंसक

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर फैंस को कोई भी ऊंची चीज दिखी, उस पर चढ़ गए। प्रशंसक पेड़ और बस पर चढ़कर अपनी टीम की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें फैंस के एक कार को क्षति पहुंचाने की तस्वीर दिखाई गई है। कार पचक गई है और उसके शीशे टूट गए हैं। भीड़ को काबू में करने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने लाठी चार्ज भी किया।

कैसे मची भगदड़?

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब स्टेडियम में आरसीबी टीम के सम्मान समारोह की शुरुआत होने वाली थी, तब एक साथ बड़ी संख्या में लोग अंदर जाने की कोशिश करने लगे। इससे भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

डिप्टी सीएम बोले- मौतों का आंकड़ा मालूम नहीं

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि लाखों की भीड़ मौजूद थी। हम अभी स्थिति को सामान्य करने में जुटे हैं। कितनी मौतें हुईं, अभी यह कन्फर्म नहीं है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक, कई अहम फैसले

सरकारी सेवकों को बड़ी राहत, तीन साल बाद खुला रास्ता, 14 से 25 जून तक होंगे तबादले

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के शासकीय सेवकों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। तीन साल बाद राज्य की तबादला नीति जारी की गई है। कैबिनेट ने नीति का अनुमोदन किया है। जिलास्तर पर स्थानांतरण 14 जून से 25 जून तक प्रभारी मंत्री और राज्य स्तर पर विभागीय मंत्री की मंजूरी से होंगे, आवेदन 6 जून से 13 जून तक स्वीकार किए जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

तबादला नीति के तहत न्यूनतम दो वर्ष सेवा अनिवार्य है, गंभीर बीमारी, मानसिक, शारीरिक अक्षमता और सेवानिवृत्ति से पूर्व एक वर्ष के मामलों में विशेष सुविधा मिलेगी। अनुसूचित क्षेत्रों से स्थानांतरण हेतु एवजीदार अनिवार्य है, साथ ही सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जैसे जिलों में रिक्त पदों को भरने का विशेष प्रयास रहेगा। तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के मामलों में उनके संवर्ग की कुल संख्या का अधिकतम 10 प्रतिशत एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में अधिकतम 15 प्रतिशत स्थानांतरण किए जा सकेंगे। परिवीक्षाधीन अधिकारी-कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। पति-पत्नी की एक स्थान ▶▶|शेष पेज 5 पर

जिला स्तर पर अटैचमेंट आज से खत्म, तबादले का आवेदन कल से

जिला स्तरीय अटैचमेंट 5 जून से समाप्त

सभी जिला स्तरीय कर्मचारियों का संलग्नीकरण (अटैचमेंट) 5 जून 2025 से समाप्त माना जाएगा और जहां किसी कर्मचारी की आवश्यकता होगी, स्थानांतरण नीति के अनुरूप स्थानांतरण किया जा सकेगा। स्थानांतरण के विरुद्ध 15 दिन में राज्य स्तरीय समिति को अभ्यावेदन किया जा सकेगा। 25 जून के बाद स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, अत्यंत आवश्यक होने पर समन्वय में अनुमोदन उपरांत स्थानांतरण किया जा सकेगा।

ग्राम पंचायतों के नाम बदले

बैठक में ग्राम पंचायत दामाखेड़ा का नाम 'कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा' किए जाने का अनुमोदन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 23 फरवरी 2024 को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा तहसील अंतर्गत दामाखेड़ा में आयोजित संत समागम समारोह 'माघी मेला' में सम्मिलित होकर दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा नाम किए जाने की घोषणा की थी। कबीरधाम जिले के कवर्धा तहसील के ग्राम पंचायत गदहाभाठा का ▶▶|शेष पेज 5 पर

गरीबों को अब सस्ती जमीन

राज्य के निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को शहरों में किफायती एवं सस्ते भूखण्ड उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ किफायती जन आवास नियम 2025 का अनुमोदन किया गया। इससे लोगों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उचित दर पर भूखंड उपलब्ध कराकर पानी, बिजली, सड़क, सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी। अवैध प्लाटिंग की रोकथाम के साथ ही लोगों को सुव्यवस्थित कॉलोनियों का विकल्प मिलेगा और राज्य में रीयल एस्टेट व इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान

प्रदेश में युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों व्यक्ति एवं संगठनों को सम्मानित करने के लिए युवा रत्न सम्मान योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत युवा कल्याण के क्षेत्र में असाधारण और विशिष्ट सेवा कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा स्वैच्छिक संगठनों को 'छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान हर वर्ष राज्य के एक युवा और एक स्वैच्छिक संस्था को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जाएगा। इसमें युवा को पदक, प्रमाणपत्र, शॉल और अधिकतम 2.50 लाख रुपए, जबकि संस्था को अधिकतम 5 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। साथ ही सामाजिक, साहित्य, नवाचार, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला-संगीत तथा लोककला के क्षेत्र में 'युवा रत्न ▶▶|शेष पेज 5 पर

सरकार ने की कार्यक्रम की घोषणा

1 मार्च 2027 से जाति जनगणना पहाड़ी राज्यों में अक्टूबर 2026 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जातिगत गणना के साथ जनगणना की शुरुआत एक अक्टूबर, 2026 को होगी जबकि बाकी देश में इस प्रक्रिया की शुरुआत एक मार्च, 2027 से होगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया, जातिगत गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 2026 के पहले अक्टूबर की आधी रात बारह बजे होगी। विज्ञप्ति में कहा गया, जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ ▶▶|शेष पेज 5 पर

इन राज्यों से होगी शुरुआत

हिमालयी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में यह जनगणना प्रक्रिया अन्य राज्यों से पहले, अक्टूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। वहां मौसम की कठिनाइयों और दुर्गम क्षेत्रों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

दो चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

जाति जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहला चरण 1 फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 के अंत तक संपन्न होगा। 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि को संदर्भ तिथि माना जाएगा।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि इन सिफारिशों को राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। रीजीजू ने मानसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है जब विपक्षी दलों के नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए हर सत्र विशेष सत्र है। रीजीजू ने कहा कि मानसून सत्र में नियमों के तहत सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति उन मुद्दों पर निर्णय लेगी जिन पर चर्चा होनी है।

युक्तियुक्त काउंसिलिंग पर जमकर हंगामा, सूची रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- आज फिर बुलाए गए शिक्षक

रायपुर जिले में तीन स्थानों में काउंसिलिंग रखी गई। प्राथमिक शाला के 283 शिक्षकों की काउंसिलिंग पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में रखी गई। माध्यमिक कक्षा के 245 शिक्षकों की काउंसिलिंग मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हुई। जबकि हाईस्कूल और हायर सेकंडरी के

101 शिक्षकों की काउंसिलिंग रायपुरा स्थित शासकीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में रखी गई। राजधानी में केवल प्राथमिक शिक्षकों की काउंसिलिंग ही शांतिपूर्वक हुई। ▶▶|शेष पेज 5 पर

आईएएस सौरभ कुमार बने केंद्र में राजस्व विभाग के निदेशक

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2009 बैच के आईएएस अधिकारी सौरभ कुमार को केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली स्थित वित्त मंत्रालय के

राजस्व विभाग में निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति भारत सरकार की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति योजना के तहत की गई है। उन्हें इस पद पर पांच वर्षों की अवधि ▶▶|शेष पेज 5 पर

भरतपुर-सोनहत के अब 83 गांवों को मिलेगी 4जी सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- छत्तीसगढ़ को डिजिटल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती व आदिवासी बहुल भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के 83 गांवों को अब हाई-स्पीड 4जी इंटरनेट सेवाओं से जोड़ा जाएगा। यह ऐतिहासिक

निर्णय केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा लिया गया। इस कदम से डिजिटल इंडिया मिशन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की दिशा ▶▶|शेष पेज 5 पर

चिंतन

गरीब कैदियों को वित्तीय मदद में तेजी लाएं राज्य

देश के जेलों में बंद गरीब कैदियों को जमानत के लिए कानूनी सहायता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारतीय जेलों में हजारों विचाराधीन कैदी हैं, जिन्हें अपने लिए इंसाफ का इंतजार है। भारतीय अदालतों में मुकदमों की इतनी भीड़ है और न्याय व्यवस्था इतनी सुस्त है कि जेलों में बंद आरोपी गरीब कैदियों की न्याय की आस ही पथरा जाती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गरीब कैदियों की जमानत में मदद के लिए राज्यों से केंद्रीय कोष का इस्तेमाल करने के लिए कहा है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया है कि वे केंद्रीय कोष से उन गरीब कैदियों को वित्तीय सहायता प्रदान करें, जो आर्थिक तंगी के कारण जुर्माना अदा न कर पाने से जमानत या जेल से रिहाई पाने में असमर्थ हैं। सरकार के इस फैसले से गरीब कैदियों को जमानत में और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में मदद मिलेगी। सरकार की पहल पात्र कैदियों को लाभ पहुंचाने की है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) के माध्यम से राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो सीएनए के रूप में नामित है। मोदी सरकार ने वर्ष 2023 के मई में गरीब कैदियों को सहायता योजना शुरू की थी। इसके तहत केंद्र सरकार राज्यों को वित्तीय मदद करती है और राज्य इस फंड का इस्तेमाल गरीब कैदियों की कानूनी मदद में करते हैं। दिक्कत यह है कि राज्य व केंद्र शासित सरकारें गरीब कैदियों की मदद के लिए इस योजना के क्रियान्वयन में उदासीन रहती हैं। इससे केंद्र को बार-बार राज्यों को याद दिलाना पड़ता है, यह स्थिति चिंताजनक है। देश की जेलों में कैदियों की संख्या क्षमता से अधिक है। राज्यों को अपने यहां की जेलों का ऑडिट करना चाहिए, पात्र कैदियों की पहचान कर उन्हें केंद्रीय मदद का लाभ पहुंचाना चाहिए। इसके लिए राज्यों के जेलमंत्री को अपने स्तर पर पहल कर आधिकारी को लगाना चाहिए। जिन राज्यों ने सीमित मात्रा में गरीब कैदियों की मदद की केंद्रीय योजना का उपयोग भी किया है, उनका भी समग्र कार्यान्वयन उत्साहजनक नहीं है। गृहमंत्रालय की ओर से पूर्व में ही योजना के कार्यान्वयन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तय कर दी गई है, जिसमें राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्येक जिले में एक 'अधिकार प्राप्त समिति' और राज्य मुख्यालय स्तर पर एक 'निगरानी समिति' गठित की जानी चाहिए। इन समितियों को ही पात्र गरीब कैदियों के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत करने का अधिकार है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ये समितियां मानवीयता व जिम्मेदारी के भाव से अपना काम नहीं कर रही हैं। इससे योजना का लाभ गरीब कैदियों को नहीं मिल रहा है। हाल ही में जारी 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025' के अनुसार, जेलों में कैदियों की राष्ट्रीय औसत कुल क्षमता का 131 प्रतिशत से अधिक है। वहीं कुल कैदियों में विचाराधीन कैदियों की संख्या 76 प्रतिशत होने का अनुमान है। वर्ष 2030 तक कारागारों में कैदियों की संख्या 6.8 लाख तक पहुंच जाएगी, जबकि इनकी क्षमता केवल 5.15 लाख तक होगी। देश में एक बड़े जेल सुधार की आवश्यकता है। इसी के साथ पुलिस के काम करने के तरीके में भी सुधार की आवश्यकता है। जेल में विचाराधीन कैदियों की संख्या बढ़ते रहने के पीछे पुलिस का ही दोषपूर्ण व गैरजिम्मेदाराना कामकाज है। हजारों विचाराधीन कैदी अपने ऊपर लगे आरोप में होने वाली सजा की अवधि से अधिक वक्त तक केस खुलने के इंतजार में जेल में बंद हैं। राज्यों को जेल की दशा में सुधार व गरीब कैदियों की मदद के लिए गंभीरता से काम करना चाहिए।

दिवस विशेष

राजकुमार सिन्हा

प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी प्रतिबंध लगाना आवश्यक

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। वर्ष 1972 में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की थी। हर साल 5 जून को मनाया जाने वाला यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ आता है। यह दिन सरकारों, व्यवसायियों और लोगों के लिए प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ़ कार्रवाई करने और स्वच्छ, स्वस्थ ग्रह को बढ़ावा देने वाली नीतियों का समर्थन करने का एक अवसर है। इस बार 5 जून, 2025 को कोरिया गणराज्य विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी करेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। प्लास्टिक प्रदूषण एक व्यापक पर्यावरणीय समस्या है जो दुनियाभर में पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। साल 1950 में दुनिया में प्लास्टिक उत्पादन 2 मिलियन टन था, जो साल 2021 में बढ़कर 390 मिलियन टन हो गया है। एक अध्ययन के मुताबिक 2.2 करोड़ टन प्लास्टिक पर्यावरण में मिल गया है जिसमें से 60 लाख टन नदियों, तालाबों और सागरों में गया है। 'डाउन टू अर्थ' पत्रिका में रोहिणी कृष्णमूर्ति की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक बन गया है। यहां सालाना 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक निकलता है जो वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा है। प्लास्टिक के बेहद महीन कण, माइक्रो प्लास्टिक के रूप में आज पूरी दुनिया में हावी हो चुके हैं। पृथ्वी पर मौजूद पानी का केवल कुछ हिस्सा लगभग 0.3 प्रतिशत ही पीने लायक है। भारत में जल प्रदूषण पहले से ही एक चिंता का विषय है, प्लास्टिक और कचरे के लीक होने से दुनिया का पानी खतरे में है। भूजल और जलाशय का पानी विषाक्त पदार्थों के रिसाव के कारण अतिसंवेदनशील है। यह न केवल पर्यावरण बल्कि इंसानी स्वास्थ्य और जैवविविधता के लिए बड़ा संकट है। समुद्री जीवन, मिट्टी की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य को खतरे में डालने के अलावा प्लास्टिक कचरा वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 3 से 4 प्रतिशत का योगदान देता है। प्लास्टिक प्रदूषण अब नए चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। 'टॉक्सिओलॉजिकल साइंसेज' में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण अब माता के गर्भाशय तक पहुंच गए हैं। यह अध्ययन अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको हेल्थ साइंसेज के वैज्ञानिकों ने किया है। साइंस पत्रिका में प्रकाशित शोध के प्रमुख लेखक सैमुअल पोटींगर के अनुसार यदि विश्व में प्लास्टिक उत्पादन पर प्रतिबंध नहीं लगाए गए तो 2050 तक प्लास्टिक प्रणाली से होने वाले वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 37 फीसदी की वृद्धि होगी। एक नए वैश्विक अध्ययन से पता चला है कि 2018 में दुनियाभर में दिल की बीमारी से हुई 3,56,000 से ज्यादा मौतों का संबंध प्लास्टिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले एक विशेष रसायन 'डाइ-2-एथाइलहेक्सिल फ्थेलेट (डीईएचपी)' से था। यह रसायन प्लास्टिक को लचीला बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसे मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में भारत की स्थिति सबसे ज्यादा खराब थी, जहां हृदय रोग से होने वाली 1,03,587 मौतों के लिए कहीं न कहीं यह केमिकल भी जिम्मेवार था। भारत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 देश में पर्यावरण की दृष्टि से स्वस्थ प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैधानिक ढांचा प्रदान करता है। नियम शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को प्लास्टिक कचरे के संग्रह सहित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन करने का आदेश देता है। नियमों के तहत, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है कि प्लास्टिक कचरे को खुले में न जलाया जाए। विश्व के लगभग 90 फीसदी समुद्री मछली भंडार का पूर्णतः दोहन हो चुका है, या उनका अत्यधिक दोहन हो चुका है। भारत के ऋषि - मुनि जानते थे कि पृथ्वी का आधार जल और जंगल है। इसलिए उन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए वृक्ष और जल को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है- 'वृक्षाद् वर्षति पर्जन्यः पर्जन्यादन्न सम्भवः ' अर्थात वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। भारत में पेड़-पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गई है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। परन्तु हमने इस सीख को भुलाकर विनाश का रास्ता पकड़ लिया है।

(लेखक होम्योपैथिक चिकित्सक एवं जनस्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व पर्यावरण दिवस

डा.ए.के. अरुण

पर्यावरण की अनदेखी पड़ रही भारी

पहाड़ों में प्लास्टिक प्रदूषण को मानव जीवन एवं हिमालय पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता के लिए बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। उत्तराखंड एवं अन्य पर्वतीय प्रदेशों में प्लास्टिक प्रदूषण की वजह से पर्यावरण की दुर्गति की बात करें तो विगत वर्षों के आंकड़े डरावने लगते हैं। उत्तराखंड में प्रदूषण फैलाने वाले तत्व में मल्टी लेयर प्लास्टिक प्रमुख हैं, जिसमें स्नैक्स के पैकेट, पानी की बोतलें आदि शामिल हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में वर्ष 2018 से प्लास्टिक पूरी तरह प्रतिबंधित है। अगर पहाड़ और वहां के पर्यावरण को बचाने की पहल तेज नहीं हुई तो वह दिन दूर नहीं, जब धरती पर वन्य जीव और मानव नहीं, केवल कंक्रीट के घर और प्लास्टिक ही रह जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के बहाने हम इस बार उत्तराखंड सहित देश के लगभग सभी पर्वतीय प्रदेशों में पर्यावरण की स्थिति की चर्चा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में यह दिवस पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच बन गया है। वर्ष 2025 विश्व पर्यावरण दिवस के समारोह के आयोजन की मेज़बानी इस वर्ष कोरिया गणराज्य कर रहा है। इसका थीम है "वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना।" पृथ्वी को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करना सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में उपभोग को कम करना, पहाड़, समुद्र और महासागरों की सुरक्षा तथा पारिस्थितिकी तंत्र की मरम्मत और जैव विविधता को बनाए रखना शामिल है। उत्तराखंड एवं अन्य पर्वतीय प्रदेशों में प्लास्टिक प्रदूषण की वजह से पर्यावरण की दुर्गति की बात करें तो विगत वर्षों के आंकड़े डरावने लगते हैं। उत्तराखंड में प्रदूषण फैलाने वाले तत्व में मल्टी लेयर प्लास्टिक प्रमुख हैं, जिसमें स्नैक्स के पैकेट, पानी की बोतलें आदि शामिल हैं।

कोरोना महामारी के दौरान के वर्षों में जब लॉकडाउन लगाया गया था, तब वर्ष 2021-22 में उत्तराखण्ड में लगभग 25 हजार टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ था। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 45 हजार टन को पार कर चुका था। उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक प्रदूषण में यह वृद्धि पर्यावरणविदों के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए चिंता का विषय है। पहाड़ों में प्लास्टिक प्रदूषण को मानव जीवन एवं हिमालय पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता के लिए बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में वर्ष 2018 से प्लास्टिक पूरी तरह प्रतिबंधित है। राज्यभर में प्लास्टिक की थैलियों में सामान लेने देने वाले दुकानदारों और ग्राहकों पर छापेमारी की कार्रवाई की जाती रही है, लेकिन इस प्रतिबंध का कोई ख़ास असर तो दिखाई नही दिया। लोग पूछते हैं कि प्लास्टिक का विकल्प क्या है? क्या प्लास्टिक प्रदूषण के लिए सिर्फ़ दुकानों पर बिकने वाली प्लास्टिक थैलियां ही ज़िम्मेवार हैं।प्लास्टिक पैकेजिंग करने वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां क्या अपने प्लास्टिक कचरे का ईमानदारी से निस्तारण करती हैं? हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून बद्रीनाथ, केदारनाथ आदि स्थान पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। इन जगहों पर प्लास्टिक प्रदूषण की स्थिति बहुत चिंताजनक पाई गई है। प्लास्टिक को पर्वतीय परिपेक्ष्य में भी देखने की ज़रूरत है। प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट-2016 की "एक्सटेंडेड प्रोडूसर रिस्पांसिबिलिटी" नियम के तहत कंपनियों पर ज़िम्मेदारी होती है कि वे अपने द्वारा पैदा किए गए कचरे का निस्तारण करें लेकिन उत्तराखंड सहित किसी भी पर्वतीय प्रदेश में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों के मुताबिक़ यदि हम प्लास्टिक का ऐसे ही अंधाधुंध इस्तेमाल करते रहे तो अगले 20 वर्षों में प्लास्टिक कचरा बढ़कर दोगुना हो जाएगा। प्लास्टिक कचरे के मामले में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहले नंबर पर है। दूसरे स्थान पर हरिद्वार आता है। वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर जो चिंता जतायी जा रही है उसके मद्देनज़र पहाड़ों और उसके आस पास के इलाकों को प्लास्टिक मुक्त करने की सख़्त ज़रूरत है। भले ही प्लास्टिक ने हमारी

ज़िंदगी आसान कर दी हो लेकिन स्वास्थ्य और पर्यावरण को प्लास्टिक से होते नुक़सान के रूप में दुनिया को इसकी भारी क़ीमत चुकानी पड़ रही है। अभी हाल के एक वैश्विक अध्ययन से पता चला है कि प्लास्टिक में उपयोग होने वाले कुछ केमिकल मनुष्य और जीव जन्तुओं की सेहत पर भारी पड़ रहे हैं।

अध्ययन के अनुसार वर्ष 2018 में दुनिया भर में दिल की बीमारी से हुई 3,56,000 से ज़्यादा मौतों का संबंध प्लास्टिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले एक विशेष रसायन "डाई-2ऐथाइलहेक्सिल फ़्थेलेट"(डीईएचपी) से था। यह रसायन प्लास्टिक को लचीला बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह तो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर ख़तरा है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में भारत की स्थिति सबसे ज़्यादा ख़राब है। यहां हृदय रोग से होने वाली 1,03,587 मौतों के लिए कहीं न कहीं यह केमिकल ज़िम्मेवार है। इस अध्ययन का नेतृत्व न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन हेल्थ के वैज्ञानिकों ने किया है। इस अध्ययन के नतीजे एक विश्व प्रसिद्ध जर्नल "लैंसेट ई बायोमेडिसिन" में प्रकाशित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक में उपयोग होने वाले इन केमिकल्स को फ़ेथेलेट्स कहा जाता है। ये प्लास्टिक के डब्बों, कॉस्मेटिक उत्पादों, डिटर्जेंट सालवेंट, कीटनाशकों, पाइपों और मेडिकल उपकरणों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। ये केमिकल सूक्ष्म कणों में बदल कर हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और शोधकर्ताओं के मुताबिक़ ये मोटापा, डायबिटीज, कैंसर तथा प्रजनन से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा देते हैं। वर्ष 2022 के दौरान दुनियाभर में जितना प्लास्टिक तैयार हुआ उसमें 10 फ़ीसद से भी कम रीसाइकल मैटीरियल से बनाया गया था। आंकड़ों पर नज़र डालें तो सन् 2022 में चालीस करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हुआ लेकिन उसमें से महज़ 3.8 करोड़ टन यानी 9.5 फ़ीसद ही रीसाइकल करके बनाया गया, जबकि बाक़ी 36.2 करोड़ टन प्लास्टिक में से 98 फ़ीसद का उत्पादन जीवाश्म ईंधन (मुख्य रूप से कोयला और तेल) से किया गया। यह जानकारी प्लास्टिक के जीवन चक्र पर किए गए पहले व्यापक वैश्विक अध्ययन से सामने आई है। भारत के पारिस्थितिकी संवेदनशील हिमालय क्षेत्र में प्लास्टिक प्रदूषण का संकट दिन प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। नाज़ुक और संवेदी पहाड़ों पर 80 फ़ीसद से अधिक प्लास्टिक कचरा सिंगल यूज खाद्य और पेय पैकिंग से उत्पन्न हो रहा है। चिंताजनक यह है कि इस कचरे में 70 फीसद तो वह प्लास्टिक है जिसे न तो रीसाइकल किया जा सकता है और न ही इसका कोई बाज़ार मूल्य है। कुल कचरे में पीईटी जैसे रीसाइकल योग्य प्लास्टिक की मात्रा मात्र 18.5 फ़ीसद है। द हिमालयन क्लीनअप (टीएचसी) 2024 रिपोर्ट ने 2018 से जम्मू और कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश का व्यापक प्लास्टिक कचरा और ब्रांड ऑडिट के दौरान यह निष्कर्ष दिया है। रिपोर्ट में पाया गया है कि अधिकांश प्रदूषण फैलाने वाले ब्रांड्स जैसे इंस्टेंट नूडल्स और ऊर्जा पेय पदार्थों की पैकिंग कचरे में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आज समाज में पर्यावरण संरक्षण की समझ पैदा करने की आवश्यकता है। यह प्लास्टिक मानव जीवन के लिए ख़तरा बन गया है। संवेदनशील पहाड़ों में प्लास्टिक के जमा होते ढेर जानलेवा हैं। यह वन्य जीवों और वनस्पति तथा पर्यावरण के लिए ख़तरा हैं।

इस ख़तरे के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करना होगा। ईको सिस्टम को जानने और इसके संरक्षण के लिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल करना तथा इससे आम नागरिकों को भी जोड़ना होगा। अगर पहाड़ और वहां के पर्यावरण को बचाने की पहल तेज नहीं हुई तो वह दिन दूर नहीं, जब धरती पर वन्य जीव और मानव नहीं, केवल कंक्रीट के घर और प्लास्टिक ही रह जाएंगे।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

शिवत्व की साधना

संकलित

दर्शन

हर कर्म का आरंभ संकल्प से होता है। बातों को बनाने, बिगाड़ने व संभालने का आधार भी हमारा सोच रूपी कर्म है। अच्छे या बुरे सोच के कारण हमारे कर्म और कर्मफल सुखदायी व दुखदायी होते हैं। इसलिए कहते हैं, परमात्मा शिव अपनी शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्पों से सोच को परिष्कृत कर दुनिया को परिवर्तित कर देते हैं। उनका प्रत्येक संकल्प मानवता का कल्याण व सद्ज्ञान है, जिसकी वर्षा से प्रकृति में शांति, संतुलन, सद्भावना व प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होता है। मानव जीवन व संसार से विकार, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, पापाचार, दुख, कष्ट व हिंसा के ताप समाप्त होते हैं। परमात्मा के इस सृष्टि परिवर्तन या उद्धार कार्य से कृतज्ञ होकर हम श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करते हैं। शिव की महिमा स्मरण, गायन, पूजन व श्रवण से श्रावण मास शिवमय हो जाता है। कहते हैं, चातुर्मास के आरंभ में भगवान विष्णु जब शयन में चले जाते हैं, तब परमात्मा शिव संसार की बागडोर संभालते हैं। शिव निराकार ज्योति स्वरूप हैं। वे शिव ज्ञान व योग सिखाकर मनुष्यों में सतयुगी दिव्य गुण व दैवी संस्कारों को पुनः विकसित करते हैं। जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब सृष्टि को बचाने एवं भक्तों की शुद्ध भावनाओं और कामनाओं का फल देने हेतु शिव अदृश्य रूप में संसार का कार्यभार संभालते हैं। ज्ञान सूर्य ज्योति स्वरूप शिव अपने ईश्वरीय ज्ञान व शिक्षा के प्रकाश द्वारा मनुष्यों के आसुरी अवगुणों को सद्गुण, दैवी चरित्र व दैवी संस्कारों में बदलते हैं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित

प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

अंतर्मन

आज की पाती

फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएं

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं, जैसे मोटापा, टाइप-2 मधुमेह और हृदय संबंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण संबंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है।

- महेश साहू, बसना

करंट अफेयर

पोलैंड के पीएम 11 जून को करेंगे विश्वासमत साबित

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि उनकी सरकार संसद में 11 जून को विश्वास मत साबित करेगी। बीते सप्ताहांत में राष्ट्रपति चुनाव में उनके राजनीतिक सहयोगी और उदारवादी नेता के वारसॉ के मेयर करोल नवरोकी से हारने के बाद टस्क ने विश्वास मत का आह्वान किया। पोलैंड की राजनीतिक व्यवस्था में अधिकांश शक्ति संसद द्वारा चुने गए प्रधानमंत्री के पास होती है। यह राष्ट्रपति पद से अलग है, लेकिन राष्ट्रपति के पास कानूनों को वीटो करने की शक्ति है और नवरोकी की जीत से टस्क के लिए अपने यूरोपीय समर्थक एजेंडे को आगे बढ़ाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। टस्क ने वारसॉ में कैबिनेट बैठक की शुरुआत में विश्वास मत साबित करने की तारीख की घोषणा की। टस्क ने कहा, 'नए राजनीतिक परिदृश्य में हम सत्र शुरू करने जा रहे हैं। नई राजनीतिक सच्चाई है। हमारे पास एक नए राष्ट्रपति हैं। लेकिन संविधान, हमारे दायित्व और नागरिकों की अपेक्षाएं नहीं बदली हैं। पोलैंड में, सरकार शासन करती है जो एक बड़ा दायित्व और सम्मान है।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समर्थित नवरोकी को बेहद करीबी मुकाबले में 50 .89 फीसदी मत हासिल हुए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी वारसॉ के मेयर रफाल त्राज्स्कोव्स्की को 49 .11 प्रतिशत वोट मिले।

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ – और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफ़ी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है।

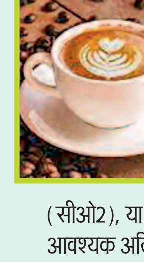

ट्रेंड

रक्षा साझेदारी की समीक्षा

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी की समीक्षा की। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने में उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता हमारी रणनीतिक साझेदारी के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है।

-राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षामंत्री

अग्निवीरों का सम्मान

चार वर्ष की सेवा के उपरांत अग्निवीरों के ससम्मान समायोजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व अग्निवीरों को राज्य की पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने एवं आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सुरक्षित आश्रय बनाए

दिल्ली में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। चौक-चौराहों पर कैमरा नेटवर्क को दुरुस्त किया जा रहा है। 'सखी निवास' जैसे सुरक्षित आश्रय बनाए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं वहां ठहर सकें।

-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

बिहार कब बदलेगा

जिला मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग के साथ दुष्कर्म व उसके इलाज में देरी/लापरवाही से हुई मौत की ताजा घटना राज्य की भी बदहाल कानून व स्वास्थ्य व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण, जो अति-निन्दनीय एवं चिन्तनीय। बिहार कब बदलेगा?

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भारतीय मुस्लिम पर पत्रकार ने पकड़ा झूठ तो यूएन में झेंपे बिलावल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बडबोले बिलावल भुट्टो की गलतबयानी को एक पत्रकार ने तुरंत फैक्ट चेक कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। वे बंगले झांकने लगे। बिलावल भुट्टो अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बिना सबूत, बिना तथ्यों के कहा कि भारत में मुसलमानों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी निगेटिव छवि बनाई जा रही है। भुट्टो इस वक्त पाकिस्तान की कूटनीतिक टीम को लीड कर रहे हैं। ये टीम अभी अमेरिका में है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष रख रही है। पीसी में भुट्टो ने भारत पर यह आरोप लगाया कि पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, का राजनीतिकरण भारतीय मुसलमानों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है।

यह कहा पत्रकार ने : इस दौरान एक पत्रकार ने कहा कि उन्होंने भारत में सेना के मुस्लिम अफसरों को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए देखा। इस पत्रकार ने कहा कि भारत में एक मुस्लिम अफसर (कर्नल सोफिया कुरैशी) ही ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दे रही थी। पत्रकार ने आगे कहा, 'सर मैंने दोनों तरफ के ब्रीफिंग देखे हैं, और जहां तक मुझे याद है भारत के मुस्लिम मिलिट्री ऑफिसर्स प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।'

ये है मामला : 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जिसमें पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को दोनों परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुई।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को होना पड़ा शर्मिंदा

बीच में ही टोक दिया विचलित भुट्टो ने

इस पत्रकार की बातें सुनकर बिलावल इतने विचलित हुए कि उन्होंने उस पत्रकार को उनका सवाल भी पूरा नहीं करने दिया और बीच में ही टोक दिया। अपना झूठ पकड़े जाने के बाद बिलावल ने तुरंत कहा, 'जहां तक इस ऑपरेशन का सवाल है तो आप पूरी तरह से सच बोल रहे हैं।' लेकिन 'सामान्य तौर पर आतंकवाद को भारत अपने क्षेत्र में मुसलमानों को निगेटिव रूप में पेश करने के लिए इस्तेमाल करता है। इसे में सिर्फ इस अटैक तक सीमित नहीं कर रहा हूं, लेकिन भारत का राजनीतिक वातावरण ऐसा हो गया है कि आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल मुसलमानों के खिलाफ भावनाएं भड़काने के लिए किया जाता है, वैसे कश्मीरियों को जो भारत की नीति से सहमत नहीं होते हैं उन्हें गलत रूप में पेश किया जाता है।'

सिसोदिया-सत्येंद्र को एसीबी का फिर समन

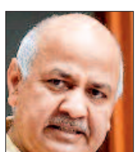

नई दिल्ली। क्लासरूम कंस्ट्रक्शन घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेताओं की मुश्किल कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। अब एसीबी ने सत्येंद्र जैन को 6 तो मनीष सिसोदिया को 9 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन पर इसी मामले में एसीबी ने FIR दर्ज की थीं. एसीबी ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया था. यह मामला करीब 2000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़ा है, जो 12,748 क्लासरूम और इमारतों के निर्माण में सामने आया है।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ से जुड़े 18 साल पुराने मामले में कहा

नक्सल प्रभावितों का पुनर्वास राज्य और केंद्र का कर्तव्य

कार्यकर्ता नंदिनी सुंदर द्वारा दायर मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों और अवमानना सहित अन्य याचिकाओं को कर दिया बंद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि नक्सली हिंसा से प्रभावित छत्तीसगढ़ के निवासियों के पुनर्वास और शांति स्थापित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाना राज्य और केंद्र का कर्तव्य है। इसी के साथ शीर्ष अदालत ने राज्य में सुरक्षा बलों और सलवा जुडूम कार्यकर्ताओं द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप वाले 18 वर्ष पुराने मामलों को बंद कर दिया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कार्यकर्ता नंदिनी सुंदर द्वारा दायर मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों और अवमानना सहित अन्य याचिकाओं को बंद कर दिया। इसमें न्यायालय के 2011 के आदेश का पालन न करने का दावा किया गया था, जिसमें राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया था।

दोनों सरकारें दें ध्यान

पीठ ने कहा, 'हम पाते हैं कि छत्तीसगढ़ राज्य में दशकों से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए, यह आवश्यक है कि क्षेत्रों में शांति और पुनर्वास के लिए विशेष कदम उठाए जाएं, जिन पर राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी ध्यान देने की जरूरत है, और उन्हें समन्वित तरीके से कार्य करना होगा।' इसने कहा, 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 को ध्यान में रखते हुए, यह छत्तीसगढ़ राज्य और भारत संघ दोनों का कर्तव्य है कि वे राज्य के ऐसे निवासियों के लिए शांति और पुनर्वास सुनिश्चित करने के वास्ते उपयुक्त कदम उठाएं जो किसी भी पक्ष से उत्पन्न हिंसा से प्रभावित हुए हैं।'

अधिनियम आदेश की अवमानना नहीं

छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 के अधिनियमन का उल्लेख करते हुए पीठ ने 15 मई के आदेश में कहा कि उसके विचार में इसे इस न्यायालय द्वारा पारित 2011 के आदेश की अवमानना नहीं कहा जा सकता। इस कानून के तहत राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा बलों की सहायता के लिए एक प्रशिक्षित बल का गठन किया गया था। पीठ ने कहा कि संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी भी कानून को केवल कानून बनाने के आधार पर अदालत की अवमानना नहीं माना जा सकता। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली रिट याचिकाओं के संबंध में पीठ ने कहा कि इन प्रार्थनाओं पर इस न्यायालय द्वारा विचार किया गया है तथा इन्हें 2011 के आदेश के रूप में स्पष्ट किया गया है। शीर्ष अदालत ने पांच जुलाई 2011 को सलवा जुडूम पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में कई निर्देश पारित किए थे। सलवा जुडूम शब्द का प्रयोग भाकपा (माओवादियों) से लड़ने वाले सशस्त्र और प्रशिक्षित आदिवासी लोगों के समूह के लिए किया जाता है। साथ ही, इसके पुनर्वास के लिए भी निर्देश दिए गए थे।

पंजाब से एक और यूट्यूबर जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

ज्योति मल्होत्रा से निकला कनेक्शन; तीन बार गया पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶| मोहाली

पंजाब पुलिस ने बुधवार को 1.1 मिलियन से ज़्यादा सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ़्तार किया। यह गिरफ़्तारी उस व्यापक जांच का हिस्सा है जिसमें पहले हरियाणा की प्रभावशाली महिला ज्योति मल्होत्रा को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ़्तार किया गया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि जान महल नाम का यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले एवं रूपनगर जिले के महलां गांव निवासी जसबीर सिंह का संबंध एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट (पीआईओ) से पाया गया है।

आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' 'जान महल' नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले जसबीर सिंह का संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है, जो आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। डीजीपी ने बताया कि उसका दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के उस अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी संपर्क था, जिसे भारत ने निष्कासित कर दिया गया था।

भाजपा अध्यक्ष का राहुल पर पलटवार

कांग्रेस के डीएनए में आत्मसमर्पण भारत कभी नहीं झुकता : नड्डा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक 'पोस्ट' में कहा, 'राहुल गांधी आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा, आपके नेताओं ने आत्मसमर्पण किया होगा क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है, लेकिन भारत कभी आत्मसमर्पण नहीं करता। आत्मसमर्पण आपकी कांग्रेस पार्टी के शब्दकोष में है, आपके डीएनए में है।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी, आपको अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह आपने इतिहास में 'आत्मसमर्पण' किया।' भाजपा प्रमुख ने कहा, आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पीर दर्रा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने आत्मसमर्पण किया।

यह कहा था राहुल ने

राहुल गांधी ने अपने भोपाल में एक कार्यक्रम में भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नरेंदर सरेंडर' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने भोपाल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर प्रधानमंत्री मोदी झुक गए। उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पर थोड़ा दबाव डालो तो ये डरकर भाग जाते हैं। ट्रंप ने एक इशारा किया और नरेंद्र मोदी ने झुककर बात मान ली। उनके इस बयान पर अब भाजपा हमलावर हो गई है।

अयोध्या में रामदरबार की होगी विधिवत प्राण प्रतिष्ठा

रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा आज वैदिक मंत्रों से गूंजेगा राम मंदिर

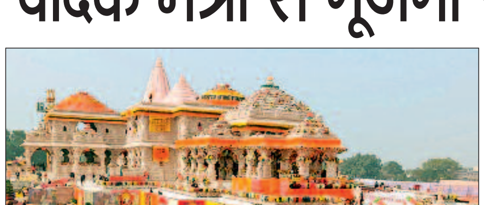

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या। यूपी के अयोध्या की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊंचाई मिलने जा रही है। गुरुवार को अभिजीत मुहूर्त और स्थिर लग्न में विधिवत प्राण प्रतिष्ठा होगी। रामलला से रामदरबार तक अब भक्ति का विस्तार होगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पहले तल पर बने रामदरबार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यह अनुष्ठान अभिजीत मुहूर्त के दौरान होगा, जब दिन का सबसे शुभ और पवित्र समय होता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अभी मंदिर में श्रीराम रामलला के रूप में विरामजान हैं।

अब श्रीराम रामदरबार में होंगे विराजमान

प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला से आगे बढ़कर अब रामभक्तों की आस्था रामदरबार तक विस्तारित होगी। पहले तल पर स्थित भव्य रामदरबार और गर्भगृह के चारों कोनों में बने परकोटे के सात अन्य मंदिरों में भी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यह आयोजन अयोध्या और काशी से आए 101 वैदिक आचार्यों द्वारा संपन्न होगा, जिनके मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर वैदिक ऊर्जा से गूंजेगा। इसके बाद श्रीराम स्वयं रामदरबार में विराजमान होंगे।

17 मिनट का अभिजीत मुहूर्त

प्राण प्रतिष्ठा अभिजीत मुहूर्त के 17 मिनट के विशेष कालखंड में होगी, जो दिन के मध्य 11:45 बजे से 12:45 बजे के बीच होता है। धार्मिक मान्यता है कि यह कालखंड अत्यंत शुभ होता है और इसी समय श्रीरामदरबार में दिव्य ऊर्जा का आह्वान किया जाएगा।

सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट मोड में

अयोध्या जिला प्रशासन, राम मंदिर ट्रस्ट और अन्य एजेंसियों ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के अनुसार, कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद कर दी गई है। मीडिया समन्वय से लेकर श्रद्धालुओं की आवाजाही तक, हर पहलू पर प्रशासनिक सतर्कता बरती जा रही है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, **भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा, रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019.** (RO-074)

आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी सिक्योरिटी गार्ड की तत्काल आवश्यकता है। अनुभव:- 5 से 10वर्ष योग्यता: 10वी पास वेतन: 15000 से 20000 केवल अनुभवी उम्मीदवार ही **संपर्क करें:- 9109972720.** (RO-091)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ जिसमें जी.एन. एम. व बी.एस.सी. नर्सिंग फिजियोथेरेपी डॉक्टर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर व वार्ड बॉय एवं स्वीपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर (छ.ग.) मों नंबर 9691631006, 9926115911, 9617952445.** (RO-6860)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आयश्यकता है- *कम्प्युटर आपरेटर (टैली) - (अनुभव एक साल), दुकान में कार्य करने हेतू लड़के चाहिए, काउंटर सेल्समेन, कार्य समय 11AM to 9PM, **राधा इंटरप्राइजेस, स्टेशन रोड, रायपुर, 9425504853.*** (RO-511)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ऑफिस बॉय/सहायक

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक स्टाफ ऑफिस बॉय एवं गर्ल सहायक हेतु समय सुबह 10:30 से 8 बजे तक इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। **श्री श्याम डेंटल क्लिनिक अशोका प्लाजा अशोका रतन शंकर नगर रायपुर मोबाइल - 8435533000.** (RO-6879)

आवश्यकता

आवश्यकता है- ट्रस्ट में काम करने के लिए ईमानदार एंव मेहनती युवक-युवतियों एंव दिव्यांग की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार दिया जाएगा। पुरे छत्तीसगढ राज्य के हर तहसील कस्बा। एंव जिला के लिए - **संपर्क- 9770131293.** (RO-6883)

सेल्समैन

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है **संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो , 7469980000, 0771 4075490.** (RO-6882)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑफिस बंगलो एवं ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभव: 5 से 10 वर्ष योग्यता:- लग्जरी कार चलाने का अनुभव वेतन: 15000 से 20000 केवल अनुभवी उम्मीदवार ही **संपर्क करें:- 9109972720.** (RO-092)

आवश्यकता है-आशीर्वाद किराया भंडार में ड्रायविंग + लेबर कार्य हेतु वेतन 11,000, लेबर कार्य हेतु वेतन 9000 की आवश्यकता हैं। समय 9 से 8.30 बजे तक, **मो. 9826182338, पता- ब्राम्हणपारा, रायपुर** (RO-6981)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222.** (RO-08)

घरेलु/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य बाई 1 एवं टेली कालिंग कार्य हेतु 2 फीमेल एवं घर बैठे मार्केटिंग हेतु मेल - फीमेल चाहिए पार्ट टाइम/ फुल टाइम रहना खाना सुविधा अच्छे रिश्ता हेतु कास्ट नो बार कन्याएं बायोडाटा भेजिए मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो **भारतमाता चौक गुड़ियारी रायपुर 9039321951, 7772868308.** (RO-670)

आवश्यकता

आवश्यकता है- हमारी कंपनी में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है! लोकेशन - भनपुरी रायपुर **कंपनी:- ख्याति पेट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड शिफ्ट - 12 घंटे *संपर्क करे- 9301777359, 9009623959* रहने की सुविधा दी जाएगी!** (RO-512)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री। **सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.** (RO-37886)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अकाउन्टेंट/सर्वेयर

Requirment- DRAFTING/DIPLOMA/BE.CIVIL DRAWING DESIGN WORK AUTOCAD COMPULSORY SURVEYOR TS AND ACCOUNTANT EXPERIENCE/FRESHERS BOTH Time 9amto7pm INFRONT OF SINGAPORECITY MOHABAZAR RAIPUR C.G. vivekagr100@gmail.com WHATSUP 9131883997. (RO-8895)

ऑपरेटर/लेबर/कीपर

आवश्यकता है- सी एंड एफ में कार्य हेतु 1 कंप्यूटर (SAP) ऑपरेटर, 1 गोडाउन कीपर और 1 लेबर की । **सोना ट्रेडिंग कंपनी, शांता स्वीट्स के पास, भनपुरी बाजार चौक, भनपुरी, रायपुर। संपर्क- 6266694683.(समय- 10 से 6)** (RO-922)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन । Co- 9630773028 **9691233111.** (RO-355)

अन्य

आयश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-725 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे **(धीरेंद्र कुमार)- 7392890179.** (RO-925)

क्लासीफाईड

आवश्यकता है- सीधी भर्ती नौकरी बैंक, एयरपोर्ट पोस्टमैन जिलानुसार लड़के-लड़कियां 8वी- ग्रेजुएट (30500- 70500) फीस- 600/- (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) आवेदन करें:- **7434907376.** (RO-089)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS **इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603.** (RO-080)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - 2025 - 2026 पूर्णतः निःशुल्क संस्कृत माध्यम, देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय, पहली से बारहवीं तक संस्कृत साहित्य, ज्योतिष व्याकरण वेद साहित्य, संस्कृत,आधुनिक समस्त विषय, समस्त बच्चों को सभी शासकीय सुविधाएं उपलब्ध **आदर्श समिति संस्कृत विद्यालय रामनगर भिलाई मो. 74891-79859, 96919-67023.** (आरो न.- 7184)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - जनधन लोन आधारकार्ड से पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, प्रॉपर्टी लोन, लेबर कार्ड लोन, इश्रम कार्ड लोन, मार्कशीट, कृषि पर 50000/- से 500000/- तक 2% ब्याज, 50% छूट **संपर्क मोबाइल: - 7042858951.** (RO-088)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

लगभग एक जैसे होते हैं कोरोना-फ्लू के लक्षण

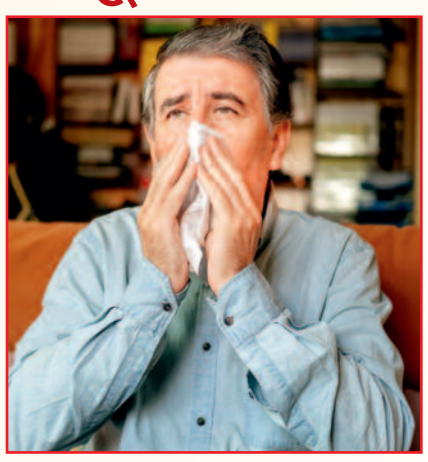

पिछले कुछ समय से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कृपया बताएं कि ऐसे में हम सामान्य फ्लू और कोविड के बीच अंतर कैसे पहचानें? कोविड से बचे रहने के लिए हम क्या सावधानियां बरतें?
-जीतन, रोहतक

आप कोरोना को लेकर अवेयर हैं, यह अच्छी बात है। लेकिन कोरोना और फ्लू के लक्षण लगभग एक ही जैसे होते हैं, इसलिए कोरोना की जांच करने के बाद ही इसकी पहचान हो पाती है। इससे बचने के लिए आप रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं यानी, विटामिन-सी वाले फल अधिक खाएं। इसके साथ ही भीड़-भाड़ वाले स्थान में जाएं तो मास्क लगाकर जाएं। हालांकि कई एक्सपर्ट डॉक्टर्स के अनुसार इस बार कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है। फिर भी जरूरी सावधानियां आपको बरतनी चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरा गला हमेशा सूखता रहता है, जबकि मैं पर्याप्त मात्रा में पानी पीता हूं। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और मेरी ये प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?
-सार्थक, रायपुर

आपका गला धूप में निकलने पर सूखता है या घर में ठंडे में रहने में भी सूखता है? धूप में रहने पर गला सूखना कोई चिंता की बात नहीं है। हालांकि कई लोगों को प्यास अधिक लगती है इसलिए जैसे ही शरीर में पानी की कमी होती है तो गला सूखने लगता है। अगर इसके साथ और भी कोई समस्या नहीं है तो आप चिंता ना करें, बस पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। मैं स्मोकिंग की लत से परेशान हूं। कई बार कोशिश की, लेकिन मेरी यह लत पूरी तरह से छूट नहीं पा रही है। प्लीज बताएं कि मैं इस आदत से कैसे छुटकारा पाऊं?
-सिद्धांत, बिलासपुर

स्मोकिंग की लत अपने आप छोड़ पाना मुश्किल है, इसीलिए आपको किसी ऐसे सेंटर से संपर्क करना चाहिए, जहां नशा छुड़ाया जाता हो। यह काम डॉक्टरों की देख-रेख में हो सकता है। क्योंकि स्मोकिंग से बॉडी में एक तरह का केमिकल बनता है और जब आप नहीं पीते तो वह परेशानी शुरू हो जाती है। लेकिन ऐसे सेंटरों में इस तरह की दवाई दी जाती है, जिससे स्मोकिंग किए बगैर स्मोकिंग जैसा केमिकल बॉडी को मिलता है और इस दवा की डोज धीरे-धीरे कम कर दी जाती है, जिससे वह आदत छूट जाती है।

मेरी उम्र 58 वर्ष है। हर रोज सुबह सोकर उठने पर मेरे बदन और खासकर ज्वाइंट्स में जकड़न महसूस होती है। थोड़ी देर मूवमेंट करने के बाद यह अपने-आप ठीक हो जाता है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।
-हरीश, भोपाल

उम्र बढ़ने के साथ इस तरह की समस्या शुरू हो जाती है। क्योंकि आप जब सोकर उठते हैं तो आपकी मांसपेशियां पूरी तरह से रेस्ट में होती हैं, इसलिए अकड़न जैसा महसूस होता है। लेकिन जब आप एक्टिव होना शुरू होते हैं तो परेशानी दूर हो जाती है। इसके लिए एक उपाय जरूर करें कि आप नियमित रूप में सुबह और शाम एक्सरसाइज करें। इससे आपको स्थायी राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मेरी नाक पर ब्लैक हेड्स हो गए हैं, जो दिखने में बहुत खराब लगते हैं। मार्केट में मिलने वाले कई तरह के प्रोडक्ट्स यूज करने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रहा। कृपया ब्लैक हेड्स दूर करने का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।
-मयंक, दुर्ग

ब्लैक हेड्स के लिए आप बाजार में उपलब्ध क्रीम का प्रयोग ना करें। यह आपकी स्किन के लिए और नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप एक बार स्किन स्पेशलिस्ट से मिल लें। वह आपको कुछ ट्रीटमेंट सजेस्ट करेंगे, जिसके अनुसार आप ट्रीटमेंट शुरू करें। उससे राहत मिलेगी। बगैर डॉक्टर के संपर्क के किसी तरह की क्रीम का इस्तेमाल न करें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. श्रेय जैन
न्यूरो सर्जन
सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्पेशलः वर्ल्ड ब्रेन ट्यूमर डे, 8 जून

यह बेहद चिंता का विषय है कि 40 हजार से अधिक ब्रेन ट्यूमर के नए मामले प्रतिवर्ष भारत में दर्ज हो रहे हैं। इसके होने के कारणों को पूरी तरह रोकना तो अभी संभव नहीं है। लेकिन अगर समय रहते इसकी डायग्नोसिस कर ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए तो इसे रिमूव किया जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

ब्रेन ट्यूमर सही समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण मस्तिष्क या ब्रेन ट्यूमर के संदर्भ में अब घबराने की नहीं बल्कि जागरूक होने की जरूरत है। ऐसे ट्यूमर से ग्रस्त लोगों और उनके परिजनों को यह बात याद रखनी चाहिए कि समय रहते ब्रेन ट्यूमर का अब समुचित उपचार संभव है।

ऐसे पनपता है ब्रेन ट्यूमरः जैसे शरीर के अन्य भागों में कोशिकाओं की असामान्य-अनियंत्रित वृद्धि के कारण कैंसर पनपता है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क की कोशिकाओं (जिन्हें न्यूरॉन्स कहा जाता है) में अनियंत्रित वृद्धि होने से जो गांठ बन जाती है, उसे ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन कैंसर का एक स्वरूप है ब्रेन ट्यूमर। अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में कैंसर के संदर्भ में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि समस्त प्रकार के ब्रेन कैंसर, ट्यूमर होते हैं, किंतु सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर नहीं होते। कैंसर युक्त ब्रेन ट्यूमर तमाम प्रकार के होते हैं, जो मस्तिष्क के किसी भी भाग में हो सकते हैं।

दो प्रकार के ब्रेन ट्यूमरः मस्तिष्क स्थित जो ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, उन्हें बिनाइन ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जिन ट्यूमर्स में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से गांठ पड़ जाती है, उन्हें मैलिग्नेंट या 'कैंसरस' ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन ट्यूमर में मस्तिष्क के टिश्यूज असामान्य रूप से तेजी से बढ़ते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क के आंतरिक भाग में दबाव बढ़ता है। नतीजतन सिरदर्द आदि समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

प्राइमरी और मेटास्टेटिक ट्यूमरः जो ब्रेन ट्यूमर, मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जो ट्यूमर मस्तिष्क से परे शरीर के दूसरे अंगों जैसे किडनी, लिवर और फेफड़ों आदि के जरिए मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, उन्हें सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं।

क्या हैं कारण

ब्रेन ट्यूमर होने का कोई एक निश्चित कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो सका है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार व्यक्ति की जेनेटिक प्रोग्रामिंग की सीक्वेंसिंग में होने वाली गड़बड़ी या जींस से संबंधित गड़बड़ियों के कारण ज्यादातर ट्यूमर उत्पन्न होते हैं। बावजूद इसके कुछ ऐसी स्थितियां हैं, जिनके परिणामस्वरूप इसके होने का जोखिम बढ़ सकता है। जैसे-विकिरण (रेडिएशन) युक्त माहौल में रहना। अगर किसी वस्तु या स्थान से रेडिएशन हो रहा है तो कालांतर में ऐसे माहौल में रहने से ब्रेन ट्यूमर का जोखिम बढ़ सकता है।

प्रमुख लक्षण

सिरदर्दः सिर में लगातार दर्द रहना, लेकिन कालांतर में तेज सिरदर्द होना। ब्रेन ट्यूमर का दर्द आमतौर पर सुबह के वक्त ज्यादा होता है। सिरदर्द के साथ उल्टी होना। उल्टी के बाद सिरदर्द में तात्कालिक तौर पर राहत मिल जाती है। शरीर के किसी भाग जैसे दाएं हाथ, पैर या बाएं हाथ और पैर में कमजोरी महसूस करना।

बोलने में दिक्कतः किसी बात को समझने या फिर भाषा को समझने में दिक्कत।

दौरे पड़नाः ट्यूमर दिमाग की कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) को दबाते हैं, जिसके कारण मिर्गी रोग जैसे दौरे पड़ते हैं।

नजर कमजोर होनाः नेत्र ज्योति का कम होते जाना या धुंधला दिखाई पड़ना। इनके अलावा याददाश्त कमजोर होना, पढ़ने या लिखने में परेशानी महसूस करना, हर वस्तु का दोहरा (डबल) स्वरूप दिखाई पड़ना, शारीरिक संतुलन खोना या चक्कर आना, स्वाद व सूंघने की शक्ति का कमजोर होना शामिल हैं।

ऐसी होती है डायग्नोसिस

सीटी स्कैन (ब्रेन): इसकी सहायता से मस्तिष्क के आंतरिक भागों की फोटो देखकर मर्ज की स्थिति का आकलन किया जाता है।

एमआरआई (ब्रेन): इसके अंतर्गत रेडियो सिग्नल की मदद से मस्तिष्क की संरचना से संबंधित जानकारियां ली जाती हैं।

फंक्शनल एमआरआई (ब्रेन): यह आधुनिक और विशिष्ट एमआरआई है। फंक्शनल एमआरआई (ब्रेन) की जांच से ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी अब कहीं ज्यादा बेहतर हो चुकी है। इसका कारण यह है कि इस विशिष्ट एमआरआई से मस्तिष्क के आंतरिक भाग की गतिविधियों और ट्यूमर के कारण मस्तिष्क के अमुक भाग में हुई क्षति का सटीक आकलन किया जा सकता है।

इलाज के तरीके

सर्जरीः जांचों के आधार पर न्यूरो सर्जन यह बात सुनिश्चित करते हैं कि ब्रेन ट्यूमर का आकार और उसकी स्थिति क्या है। इसके बाद ही ट्यूमर की सर्जरी का निर्णय लिया जाता है। ट्यूमर हटाने के इस ऑपरेशन को क्रेनियोटॉमी कहा जाता है।

एंडोस्कोपिक सर्जिकल प्रक्रियाः ब्रेन ट्यूमर को हटाने में इस प्रक्रिया का भी सहारा लिया जाता है।

विकिरण (रेडिएशन) थेरेपीः इन दिनों प्रचलन में जारी लगभग सभी रेडिएशन थेरेपीज (फोकस्ड या टारगेटेड) होती हैं। फोकस्ड या टारगेटेड यानी ऐसी रेडिएशन थेरेपी, जिससे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं या ट्यूमर के अलावा आस-पास स्थित अन्य स्वस्थ टिश्यूज और कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

गामा नाइफः एडवांस रेडियोथेरेपी प्रोसीजर गामा नाइफ से ट्यूमर को खत्म करते हैं।

साइबर नाइफ रेडिएशन थेरेपीः अगर ट्यूमर का आकार टेढ़ा है या फिर अंडाकार है, तो ऐसे मामलों में साइबर नाइफ बेहतर साबित होता है।

प्रोटॉन बीम थेरेपीः कैंसर के इलाज में यह सबसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। प्रोटॉन बीम रेडिएशन थेरेपी के अंतर्गत ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए प्रोटॉन की किरणों का उपयोग करते हैं, जबकि ज्यादातर रेडिएशन थेरेपी में एक्स-रे का उपयोग होता है।

कीमोथेरेपीः इसके अंतर्गत ट्यूमर को समाप्त करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है।

क्या संभव है बचाव

फिलहाल किसी वैक्सीन या दवा से ब्रेन ट्यूमर से बचाव संभव नहीं है। हालांकि स्वास्थ्यकर जीवनशैली- जैसे नियमित व्यायाम और उचित, पौष्टिक खान-पान, जीवन के प्रति सकारात्मक सोच से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखा जा सकता है। ये सब बातें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर्स से बचाव के संदर्भ में लागू नहीं होती हैं। हां लेकिन सेकेंडरी ब्रेन ट्यूमर्स को परोक्ष रूप से हेल्दी जीवनशैली अपनाकर रोका जा सकता है। जैसे लंग्स के कैंसर का एक प्रमुख कारण धूम्रपान है। अब अगर कोई शख्स धूम्रपान की लत से दूर है, तो उसे लंग्स कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। इसी तरह अल्कोहल से परहेज कर लिवर कैंसर से बचाव किया जा सकता है। सेकेंडरी ब्रेन ट्यूमर्स वे होते हैं, जो शरीर के अन्य भागों में होने वाले कैंसरों- जैसे फेफड़ों, लिवर, किडनी और ब्रेस्ट आदि के जरिए कालांतर में मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर के रूप में पनपते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

ब्रेन ट्यूमरः मिथ और फैक्ट

मिथः तमाम लोगों का मानना है कि सेल फोन या मोबाइल फोन का इस्तेमाल कालांतर में ब्रेन ट्यूमर का कारण बनता है।
तथ्यः यूके के यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में हुए एक अध्ययन के अनुसार अभी तक दुनिया भर में जो शोध, अध्ययन हुए हैं, उनसे यह बात प्रमाणित नहीं होती कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर होता है। बावजूद इसके तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि लंबे समय तक विकिरण (रेडिएशन) के प्रभाव में रहने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए विकिरण रहित स्वच्छ पर्यावरण और वातावरण में रहना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।
मिथः तनावग्रस्त रहने से ब्रेन ट्यूमर होता है।
तथ्यः इस तरह की धारणा बेबुनियाद है। ऐसे किसी शोध, अध्ययन से फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि तनावग्रस्त रहने से व्यक्ति ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त होता है।
मिथः युवाओं को ब्रेन ट्यूमर नहीं होता है।
तथ्यः ब्रेन ट्यूमर सभी आयु वर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में ले सकता है। चाहे वे युवा हों, वयस्क या फिर बुजुर्ग। यहां तक कि नवजात शिशु या छोटे बच्चों में भी ब्रेन ट्यूमर के मामले सामने आते हैं।
मिथः उम्र बढ़ने पर ब्रेन ट्यूमर के मामले बढ़ते हैं।
तथ्यः ऐसा कुछ भी नहीं है। किसी भी व्यक्ति के जीवनकाल में मैलिग्नेंट ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा 1% से कम होता है।

फिटनेस फंडा / विपिन हीरो

फिटनेस से कॉन्फिडेंस बढ़ता है

हाल ही में एंड टीवी पर टेलिकास्ट हो रहे शो 'भाभीजी घर पर हैं' में मलखान सिंह के रोल में विपिन हीरो ने एंट्री की है। वे एक्टिंग पर फोकस करने के साथ अपनी फिटनेस का भी ध्यान रखते हैं। विपिन का फिटनेस फंडा, जानिए उन्हीं की जुबानी।

फिटनेस का महत्वः मेरे लिए फिटनेस सिर्फ अच्छा दिखने का जरिया नहीं है, बल्कि यह एनर्जी, कॉन्फिडेंस और पॉजिटिव सोच का एक मजबूत स्रोत है। जब आप फिट होते हैं तो आपके शरीर में एनर्जी का एक अलग ही लेवल होता है, जिससे दिनभर की जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। फिटनेस से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब आप खुद को शारीरिक रूप से अच्छा महसूस करते हैं, तो वह आत्मविश्वास आपके काम, रिश्तों और हर पहलू में झलकता है।

मेरा डाइट प्लानः मैं सादा, संतुलित और पौष्टिक खाना पसंद करता हूं। मेरी सुबह की शुरुआत गुनगुने नीबू पानी से होती है, जिससे शरीर डिटॉक्स होता है और दिनभर फ्रेशनेस बनी रहती है। इसके बाद नाश्ते में ओट्स या अंडे लेता हूं। कुछ हल्का लेकिन एनर्जेटिक फूड, ताकि शूटिंग के लिए ऊर्जा बनी रहे। चूंकि शो की शूटिंग कई घंटों तक चलती है, इसलिए मैं अपना लंच साथ लेकर ही सेट पर जाता हूं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि मैं जंक फूड से दूर रहूं और अपनी डाइट में कोई समझौता न करूं। लंच में दाल, चावल, सब्जी और सलाद शामिल होता है। ये शरीर को जरूरी पोषण देते हैं। रात का खाना मैं हल्का ही लेता हूं- जैसे सूप, ग्रिल्ड वेजिटेबल्स या चिकन, ताकि नींद अच्छी आए और अगला दिन एनर्जेटिक शुरू हो। मैं चीनी और जंक फूड से दूरी बनाकर रखता हूं, क्योंकि ये इंस्टेंट एनर्जी तो देते हैं, लेकिन बाद में शरीर को थका देते हैं।

मेरा वर्कआउट रूटीनः फिलहाल शूटिंग में मेरा काफी समय निकल जाता है फिर भी मैं हफ्ते में कम से कम 5 दिन जिम जरूर जाता हूं। कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और कभी-कभी योगा भी करता हूं। जब शूटिंग बहुत लंबी चलती है, तो सेट पर ही ब्रेक में स्ट्रेचिंग या वॉक कर लेता हूं। मेरे लिए वर्कआउट किसी टास्क की तरह नहीं बल्कि रिचार्ज होने का जरिया है। चाहे शूट कितना भी लंबा हो, मैं 30-45 मिनट का समय निकाल ही लेता हूं।

मेंटल हेल्थः मेंटली हेल्दी रहने के लिए मैं मेडिटेशन करता हूं, किताबें पढ़ता हूं और म्यूजिक सुनता हूं। कभी-कभी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताकर खुद को रिचार्ज करता हूं। मानसिक शांति उतनी ही जरूरी है, जितनी फिजिकल फिटनेस।

पाठकों को सलाहः कंसिसटेंसी इज द की- यह सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि एक जीवन मंत्र है। किसी भी अच्छी आदत को अपनाने और उसे बनाए रखने के लिए निरंतरता सबसे जरूरी है। शुरुआत में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती, बस छोटे-छोटे कदम काफी होते हैं। जैसे लिफ्ट की जगह सीढ़ियां चढ़ना और खाने में तली-भुनी चीजों की जगह हेल्दी विकल्प चुनना। ये छोटे स्टेप्स धीरे-धीरे आपकी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन जाते हैं और बड़ा बदलाव लाते हैं। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

प्रिकॉशन
ललिता गोयल

आज वर्ल्ड एंवॉयनर्मेंट डे है। इस वर्ष की थीम 'एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन' रखी गई है। ऐसे में आपको जरूर पता होना चाहिए कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना हमारी हेल्थ के लिए कितना हार्मफुल हो सकता है?

हेल्थ के लिए हार्मफुल प्लास्टिक के बर्तन में खाना

आजकल लगभग हर घर में प्लास्टिक के बर्तन इस्तेमाल हो रहे हैं। चाय पीने से लेकर खाना खाने तक में प्लास्टिक के बर्तनों का प्रयोग किया जा रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक का यूज हमारी सेहत पर कितना खराब असर डाल सकता है?

क्या कहती है स्टडीः हाल ही में साइंस डायरेक्ट डॉट कॉम में प्रकाशित एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि प्लास्टिक के डिब्बे में खाना खाने से हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार प्लास्टिक के बर्तन पेट के लिए जहर की तरह होते हैं। प्लास्टिक के डिब्बों में रखा खाना खाने से छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण खाने में मिल जाते हैं और हमारे पाचक अंगों तक पहुंच जाते हैं। पेट में रहने वाले अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाते हैं और दिल की बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

किस तरह है खतरनाकः प्लास्टिक को बनाने के लिए बीपीए का इस्तेमाल किया जाता है। बीपीए से बने कंटेनरों में खाना गर्म करके खाने से भोजन में बीपीए का स्तर बढ़ जाता है और यह बड़ी मात्रा में शरीर के लिए जहरीला हो सकता है। बीपीए से शरीर में एस्ट्रोजेन हार्मोन असंतुलित हो सकता है, जिसके कारण मूड में बदलाव, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, ऑयली स्किन, नींद न आना, तनाव, चिड़चिड़ापन, चिंता, कैंसर डिजीज होने का खतरा भी रहता है। इसकी वजह से महिलाओं को इंफर्टिलिटी की शिकायत हो सकती है। लंबे समय तक बच्चों को प्लास्टिक प्लेट में खाना खिलाने से बच्चों की इम्यूनिटी भी वीक हो सकती है। इसके अलावा अगर गर्भवती महिलाएं प्लास्टिक बर्तनों का लंबे समय तक इस्तेमाल करती हैं तो इससे होने वाले बच्चे के जन्म में भी विकार हो सकता है।

रखें ध्यानः माइक्रोवेव में प्लास्टिक के बर्तन में खाना गरम करने से कैंसर पैदा करने वाले केमिकल्स खाने में मिल जाते हैं। इसलिए माइक्रोवेव में प्लास्टिक के बर्तन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इसी तरह पानी की बोतल को भी गर्म होने से बचाएं। प्लास्टिक की बोतलों में पानी ना पीएं इससे भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही प्लास्टिक की बोतल का बार-बार इस्तेमाल भी ना करें। खाने के सामान रखने के लिए केवल कांच या स्टेनलेस स्टील के कंटेनर ही चुनें। प्लास्टिक के बर्तनों में खाना गर्म करने से बचें। यह बहुत हार्मफुल हो सकता है। *

(सीनियर फिजिशियन डॉ. जे. के. गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

हृदय रोग का खतरा

प्लास्टिक के बर्तनों में गरम खाना रखने से माइक्रोप्लास्टिक निकलता है, जो खाए जाने वाले भोजन में मिल जाता है और फिर आंतों में पहुंच जाता है। इससे आंतों की परत को नुकसान पहुंचता है, जिससे आंतों में समस्या हो सकती है।
हानिकारक कोशिकाओं के रक्त में प्रवेश करने से डिहाइड्रेशन हो सकता है, जो शरीर के सर्कुलेशन सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है और हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।

इन दिनों गर्मी के मौसम में अधिकांश लोग आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक या कोई और ठंडी डिशेज खाते-पीते हैं। लेकिन कुछ लोगों को इससे सिर या कनपटी में दर्द होने लगता है। ऐसा क्यों होता है और इसका समाधान क्या है, जानिए।

ठंडा खाने या पीने से हो सकता है ब्रेन फ्रीज

सजेशन
शिखर चंद जैन

कई लोगों को ठंडी चीजें खाने या पीने से सिर या कनपटी में दर्द होता है। इसे ब्रेन फ्रीज कहते हैं। ब्रेन फ्रीज सिर के अगले हिस्से में होने वाला एक अल्पकालिक लेकिन तीव्र दर्द है। यह तब होता है, जब आप कुछ बहुत ठंडा खाते-पीते हैं या तीव्र ठंडक के वातावरण में सांस लेते हैं। इसे 'आइसक्रीम हेडेक' भी कहा जाता है क्योंकि यह अत्यधिक ठंडे खाद्य पदार्थों, जैसे जमे हुए खाद्य पदार्थों के कारण होता है।

क्या है ब्रेन फ्रीजः डॉक्टर्स ने ब्रेन फ्रीज को कोल्ड स्टीम्युलेटेड सिरदर्द के रूप में वर्गीकृत किया है। इसे मेडिकल भाषा में स्फेनोपैलेटिन गैंग्लियोन्यूरलगिया कहा जाता है। इसमें आपके माथे और कनपटियों में अचानक दर्द होता है। यह इसलिए होता है क्योंकि आपके मुंह में तालू पर अत्यधिक तापमान परिवर्तन के कारण आपकी रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं और तेजी से फिर से खुल जाती हैं। यह तीव्र परिवर्तन मस्तिष्क को दर्द का संकेत भेजता है। बहुत ठंडा कुछ खाने के बाद अचानक, तीव्र सिरदर्द अकसर मस्तिष्क में रुक जाने जैसा होता है। इसीलिए ब्रेन फ्रीज शब्द का उपयोग किया जाता है।

ब्रेन फ्रीज कुछ समय तक रहता है, अकसर ठंडी चीज खाना बंद करने के 10 मिनट के भीतर यह स्वतः ठीक हो जाता है। बर्फीली हवा के तापमान में रहना अपने सिर को बहुत ठंडे पानी में डुबाना इसके अलावा, माइग्रेन से पीड़ित लोगों में ब्रेन फ्रीज होने की संभावना अधिक होती है। किशोरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 55.2% माइग्रेन पेशेंट्स में ब्रेन फ्रीज की समस्या हो सकती है, जबकि अन्य 39.6% लोगों में यह समस्या देखी गई।

ब्रेन फ्रीज के लक्षणः ब्रेन फ्रीज के लक्षणों में शामिल हैं, माथे या कनपटियों में तेज दर्द। यह किसी ठंडी चीज के तालू (मुंह की छत) पर लगने के तुरंत बाद होता। हर किसी को इस तरह का सिरदर्द नहीं होता है। 618 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 51% ने ब्रेन फ्रीज महसूस किया।

निदानः ज्यादातर मामलों में ब्रेन फ्रीज के लिए चिकित्सा की जरूरत नहीं होती, क्योंकि इसके लक्षण थोड़े समय के लिए ही रहते हैं। आप आइसक्रीम या स्मूदी को धीरे-धीरे खाने, निगलने से पहले अपने मुंह में इन्हें रखकर गर्म करने और कुछ गर्म पीने से इसके लक्षणों को रोक सकते हैं या कम कर सकते हैं। अपने मुंह के तालू को गर्म करने के लिए अपने अंगूठे को उस पर दबाएं। अंतरराष्ट्रीय सिरदर्द सोसायटी के अनुसार अगर आपको कुछ ठंडा खाने के बाद अचानक तेज सिरदर्द होता है और यह कुछ समय में ठीक नहीं होता है, तो डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सावधानीः अगर अचानक तेज सिरदर्द, ठंडी हवा, पानी या भोजन के कारण नहीं होता है, तो डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि यह कभी-कभी मेडिकल इमरजेंसी का संकेत हो सकता है। आपको हर अचानक, तीव्र सिरदर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये कभी-कभी स्ट्रोक, मस्तिष्क संक्रमण या ट्यूमर जैसी चिकित्सा आपात स्थिति के चेतावनी संकेत हो सकते हैं। *

(जनरल फिजिशियन डॉ. एल.सी. राठी और डॉ. माधव अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

जैकेट के शेष

सीढ़ियों की जगह ....

के भाई भागचंद गिडिया जो पुल निर्माण में इंजीनियर है उन्होंने देखा कि पेड़ की वजह से सीढ़ियां नहीं घूम रही है तो उन्होंने घर के कुछ कमरों में जाने सीढ़ियों से सीधा पुल बना दिया

पेड़ों से ऐसा ....

बात बताई कि पहले पूरा मोहल्ला कच्चे घरों वाला था, लेकिन धीरे-धीरे मोहल्ले वालों ने अपने घर पक्के करवाए। जिन घरों के नीचे पीपल वृक्ष की शाखाएं थीं, उन्होंने भी घर बनवाते समय वृक्ष की किसी भी शाखा को नुकसान नहीं पहुंचाया। बल्कि, उन्होंने शाखाओं के अनुरूप ही अपने घरों का निर्माण कराया, जो इस वृक्ष के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इस पीपल पेड़ के कारण आज तक किसी भी प्रकार की कोई परेशानी मोहल्ले वालों को नही हुई है। मोहल्ले के बच्चे भी इस पीपल वृक्ष से बेहद लगाव रखते हैं और इसी पर खेलते हैं। मोहल्ले वालों की इस पीपल के पेड़ पर इतनी गहरी आस्था है कि इसके पास ही एक शिवलिंग भी स्थापित किया गया है। मोहल्ले के इतवारी निषाद, विजय राम निषाद, दीपक निषाद, संजय जंघेल, बीरबल नेताम, कार्तिक नेताम, पकलू नेताम, सेवक जंघेल, श्यामलाल जंघेल, सुमन जंघेल, बुधराम नेताम, जीवराखन जंघेल और अन्य सभी परिवारों का मानना है कि यह पीपल पेड़ एक ब्रह्मचारी पेड़ है। वे न तो स्वयं इसे नुकसान पहुँचाने की सोचते हैं और न ही दूसरों को ऐसा करने देते हैं। यह पीपल वृक्ष न केवल इस मोहल्ले की शान है, बल्कि उसकी पहचान भी बन गया है।

ऐसे होंगे प्लास्टिक ....

है। उसका असर है कि ऊटी-कुन्नूर जैसे सबसे व्यस्ततम पर्यटक शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक नजर नहीं आता। कर्नाटक का मैसूर शहर भी सख्ती का उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में हर साल 11 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में रिसता है, जबकि कृषि उत्पादों में प्लास्टिक के उपयोग के कारण सीवेज और लैंडफिल से मिट्टी में माइक्रोप्लास्टिक जमा होते हैं। सालाना सामाजिक और पर्यावरणीय लागत 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच है। इससे बचने के लिए प्लास्टिक पर बैन जरूरी है।

अब छत्तीसगढ़ की बारी : राज्य के पीसीसीएफ तथा हेड ऑफ फॉरेस्ट वी. श्रीनिवास राव के अनुसार राज्य के वनों को प्लास्टिक कचरा से बचाने बोयोडिग्रेबल प्लास्टिक के इस्तेमाल किए जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए नर्सरी में काम भी किया जा रहा है। बायोडिग्रेबल प्लास्टिक की लागत सामान्य प्लास्टिक की तुलना में कीमत चार गुना ज्यादा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए लागत राशि कैसे कम की जा सकती है इस पर कार्य किया जा रहा है।

पेज एक के शेष

सरकारी सेवकों को ...

पर पदस्थापना, ग्रामीण-शहरी संतुलन और पारदर्शिता के लिए राज्य स्तर के सभी स्थानांतरण आदेश ई-ऑफिस के माध्यम से जारी होंगे। जिला स्तर पर निर्धारित समयावधि में स्थानांतरण जारी कर उसी तिथि को आदेश की प्रति सामान्य प्रशासन विभाग को ई-मेल से भेजनी होगी।

नवा रायपुर में संस्कृति विभाग को 10 एकड़ जमीन : छत्तीसगढ़ राज्य की कला, संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राज्य में कलाग्राम की स्थापना के लिए नवा रायपुर अटलनगर में संस्कृति विभाग को 10 एकड़ भूमि निशुल्क आवंटित करने तथा उक्त भूमि के विरुद्ध प्रतिपूर्ति राशि नवा रायपुर अटलनगर विकास प्राधिकरण को भुगतान करने का निर्णय लिया गया। यह कलाग्राम शिल्पकारों, लोक कलाकारों और परंपरागत कारीगरों के लिए एक समर्पित केंद्र होगा, जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा, साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि को सुदृढ़ करेगा और स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला को प्रदर्शित करने का एक स्थायी मंच भी प्रदान करेगा।

तीरंदाजी अकादमी के लिए 13.45 एकड़ जमीन : नवा रायपुर अटलनगर में राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की स्थापना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 13.47 एकड़ भूमि निशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस अकादमी में आउटडोर व इंडोर (एसी) तीरंदाजी रेंज, उच्च प्रदर्शन केंद्र, छात्रावास एवं आवासीय सुविधा का निर्माण किया जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक मजबूती से उभरेगा।

ग्राम पंचायतों के ...

नाम परिवर्तन कर ग्राम पंचायत सोनपुर तथा बोड़ला तहसील के ग्राम पंचायत चण्डालपुर का नाम परिवर्तन कर ग्राम पंचायत चंदनपुर किया गया।

छत्तीसगढ़ युवा ...

सम्मान' प्रदान किया जाएगा। युवा रत्न सम्मान प्रत्येक वर्ष उपरोक्त क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित एक-एक युवाओं को प्रदान किया जाएगा, जिसमें पदक, पदक प्रमाणपत्र, शॉल और अधिकतम एक लाख रुपए शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह सम्मान केवल महिलाओं और बालिकाओं को दिया जाएगा। आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए और उसकी उम्र 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सरकारी कर्मचारी, सरकारी उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत व्यक्ति पात्र नहीं होंगे। एक व्यक्ति या संस्था को एक ही साल में एक ही श्रेणी का पुरस्कार मिल सकता है और एक श्रेणी का पुरस्कार किसी को दोबारा नहीं दिया जाएगा। 8 मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत प्रशिक्षक (कोच) के पद पर भर्ती के लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्था पटियाला से प्रशिक्षक के डिप्लोमा के मापदण्ड को एक वित्तीय वर्ष के लिए शिथिलीकरण करने का निर्णय लिया गया।

1 मार्च 2027 से जाति ...

जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी। पहला चरण एक अप्रैल से 30 सितंबर 2020 के बीच चला था जिसमें मकानों की गिनती की गई थी अऔर दूसरा चरण नौ फरवरी से 28 फरवरी 2011 के बीच तक चला था जिसमें लोगों की गिनती की गई थी। मंत्रालय ने बताया कि जनगणना 2021 को भी इसी तरह दो चरणों में आयोजित करने का प्रस्ताव था। पहला चरण अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान और दूसरा चरण फरवरी 2021 में आयोजित किया जाना था। इसमें कहा गया कि 2021 में आयोजित की जाने वाली जनगणना के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई थीं और एक अप्रैल, 2020 से कुछ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में क्षेत्रीय कार्य शुरू होने वाला था। हालांकि, देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित करना पड़ा। सरकार ने हाल में फैसला किया था कि जनगणना के साथ-साथ जातिगत गणना भी की जाएगी।

युक्तियुक्त काउंसिलिंग...

शेष स्थानों पर जमकर हंगामा हुआ। यहां शिक्षकों ने सूची में नाम ना होने, विसंगतिपूर्ण सूची तैयार करने, अपने सगे-संबंधियों को बचाने के लिए अधिकारियों द्वारा जानकारी छिपाने जैसे आरोप लगाए गए। मेडिकल कॉलेज में स्थिति हाथापाई तक आ पहुंची। यहां पूरी सूची ही रद्द कर दी गई है। अब गुरुवार को यहां नए सिरे से काउंसिलिंग होगी। शिक्षकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद कलेक्टर ने जिला शिक्षा कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए पूरी सूची पुनः तैयार करने निर्देश दिए हैं। देर शाम सूची निरस्त करते हुए अधिकारी और कर्मचारी रात तक नवीन सूची बनाते रहे। अब इस नवीन सूची के आधार पर गुरुवार को काउंसिलिंग होगी। दूसरी ओर हाईस्कूल और हायरसेकंडरी के लिए जारी काउंसिलिंग में जीव विज्ञान शिक्षक के रिक्त पदों की जानकारी छिपाने के आरोप शिक्षकों ने लगाए। हालांकि यहां काउंसिलिंग स्थगित नहीं की गई। जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल निजी कार्यों के चलते छुट्टी पर हैं। ऐसे में उनके स्थान पर अन्य अधिकारी जिम्मा संभाले रहे।

आईएएस सौरभ कुमार ...

के लिए नियुक्त किया गया है या जब तक कोई अन्य आदेश न आ जाए, जो भी पहले हो। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उन्हें तत्काल प्रभाव से वर्तमान दायित्वों से मुक्त कर दिल्ली में अपने नए पद का कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

भरतपुर-सोनहत के अब ...

में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विधायक रेणुका सिंह द्वारा अपने क्षेत्र में नेटवर्क की गंभीर समस्याओं को उठाए जाने के बाद केंद्रीय संचार मंत्री ने तत्काल दूरसंचार विभाग को सर्वेक्षण के निर्देश दिए। सर्वेक्षण के आधार पर भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के 83 गांवों को 4जी सैचुरेशन योजना और एलडब्ल्यूई-फेस-1 अपग्रेडेशन परियोजना में शामिल कर लिया गया है। इस कनेक्टिविटी विस्तार से क्षेत्र के ग्रामीणों को अनेक लाभ मिलेंगे। विद्यार्थियों को जहां ऑनलाइन शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं किसानों को सरकारी योजनाओं और कृषि संबंधी जानकारियों तक त्वरित पहुंच प्राप्त होगी। इसके साथ ही स्थानीय व्यापारियों को डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा। यह डिजिटल सशक्तिकरण न केवल सूचना तक पहुंच को सरल बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगा।

जल्द जुड़ेंगे और भी गांव : अगली सूची में आनंदपुर, घटमा, भुमका, नारायणपुर, कछाड़ी, मेंड्रा और पटपरटोला जैसे गांवों को शामिल किए जाने की संभावनाएं हैं। क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार भविष्य में और भी गांवों को इस परियोजना से जोड़ा जाएगा।

संचार मंत्रालय कर रहा मिशन मोड में कार्य : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में संचार मंत्रालय देश के हर कोने में डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए मिशन मोड में कार्यरत है। यह निर्णय उसी निरंतर प्रयास का प्रमाण है, जो ग्रामीण भारत को डिजिटल भारत से जोड़ने की दिशा में किया जा रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ जंग में भारत को मिला ऑस्ट्रेलिया का साथ

पीएम मोदी ने मार्लेस से मुलाकात में पीएम अल्बानीस को क्वाड सम्मेलन के लिए किया आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से लगी हुई पश्चिमी सीमाओं पर जारी तनाव के बीच बुधवार को राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों ने आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई में एक साथ कार्य करने को लेकर सहमति जताई। ऑस्ट्रेलिया ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं जताई और हमले के जवाब में की गई भारत की ऑपरेशन सिंदूर की रक्षात्मक कार्रवाई को स्पष्ट रूप से अपना समर्थन प्रदान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष रिचर्ड मार्लेस को आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया में की गई भारत की सैन्य कार्रवाई के बारे में अवगत कराया।

यहां बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस के नेतृत्व में संसदीय चुनावों में जीत हासिल कर पिछले महीने दूसरी बार गठित की गई लेबर पार्टी की सरकार के वरिष्ठ मंत्री की ये पहली भारत यात्रा है। जिसके पीछे दोनों देशों की व्यापक सामरिक भागीदारी की पांचवीं वर्षगांठ भी एक वजह है। 2 से 5 जून तक रिचर्ड मार्लेस भारत, मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया जैसे दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की यात्रा पर थे।

बातचीत में शामिल हुए यह मुद्दे

राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्लेस (जो ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री भी हैं) की बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सामरिक सहयोग, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। आतंकवाद से मुकाबला, पाकिस्तान सीमा पर बने हुए चुनौतीपूर्ण हालात, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने, समुद्री सुरक्षा, साइबर, उभरती हुई प्रौद्योगिकी और साझा हितों से जुड़े हुए विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

शेख मुजीबुर्रहमान अब बांग्लादेश के 'राष्ट्रपिता' नहीं : ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान को दिए गए 'राष्ट्रपिता' के दर्जे को खत्म कर दिया है। स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े कानून में संशोधन करके यह बदलाव किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

जेएनयू में 'कुलपति' की जगह अब 'कुलगुरु'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यलयों में एक जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने भी वाइस चांसलर (वीसी) के हिंदी कुलपति की जगह कुलगुरु शब्द को अपना लिया है। जेएनयू ने कुलपति पद के लिए 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' शब्द का इस्तेमाल किया गया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने कुलपति पद के लिए 'कुलपति' के स्थान पर आधिकारिक रूप से 'कुलगुरु' शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। हाल ही में हुई कार्य परिषद की बैठक में वीसी शांतिश्री धुलीपुडी पंडित ने इस निर्णय का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य संस्थागत उपाधियों में समावेशिता को बढ़ावा देना है। एक प्रतीकात्मक बदलाव के तहत, जेएनयू ने कुलपति पद के लिए हिंदी शब्द 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' शब्द का इस्तेमाल किया है, जो जेंडर न्यूट्रल शब्द है। इसका अर्थ है 'शिक्षक। जेएनयू की पहली महिला कुलगुरु शांतिश्री धुलीपुडी पंडित ने इस बदलाव का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि 'कुलगुरु' शब्द समावेशी शैक्षणिक नेतृत्व को बेहतर ढंग से दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'मैं बॉस या पति नहीं हूं, बल्कि एक शिक्षक हूं - बराबरी वालों में प्रथम. महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में पहले से ही इस्तेमाल हो रहे इस शब्द को जेएनयू की कार्यकारी परिषद ने छह महीने पहले अपनाया था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

मोतीबाग कार्यशाला, नागपुर में विभिन्न कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, एमआईबी-डब्ल्यू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

■ **निविदा सूचना सं.:** एमआईबीडब्ल्यू-2025-19-06-09-01 दिनांक: 28.05.2025
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार POH/SS-II/SS-III गतिविधियों के दौरान एसी और नॉन-एसी ICF/LHB कोचों की फर्निशिंग, ट्रिमिंग, वॉटर टैंक और प्लंबिंग एवं बफिंग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 4,65,53,046/- (रु. चार करोड़ पैंसठ लाख तिरपन हजार छियालीस मात्र), GST @ 18% सहित,
बयाना राशि: ₹ 3,82,800/- (रु. तीन लाख बयासी हजार आठ सौ मात्र)
अनुबंध की अवधि: 12 महीने,
निविदा प्रपत्र मूल्य: ₹ 0 (शून्य)।

■ **निविदा सूचना सं.:** एमआईबीडब्ल्यू-2024-19-06-03-17R1 दिनांक: 28.05.2025
कार्य का विवरण: CNC सरफेस, व्हील लेथ (BG & NG), मॉडल क्रमांक SWL (BG/NG) - 54 एसेट संख्या 126 (A) LW के लिए संशोधन सहित एक बार की मरम्मत, उसके बाद 03 (तीन) वर्षों की CAMC, खुली निविदा के आधार पर।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,85,95,798/- (रु. एक करोड़ पचासी लाख पंच्यानबे हजार सात सौ अट्ठानबे मात्र) GST @ 18% सहित,
बयाना राशि: ₹ 2,43,000/- (रु. दो लाख तैंतालीस हजार मात्र)
अनुबंध की अवधि: 38 महीने,
निविदा प्रपत्र मूल्य: ₹ 0 (शून्य)।

निविदा जमा करना: निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल दिनांक **19.06.2025** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकते है।
इन निविदाओं के अंतर्गत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। ऐसे प्रस्तुत किए गए सभी मैनुअल प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
उपरोक्त निविदा सम्बंधित विवरण हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिकी अभियंता-MIBW,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर

FL/08-38

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर

Email - sepwadkanker.2010@rediffmail.com/ se.kanker@nic.in, Fax No. 07868-224040

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित भवन / सड़क कार्य हेतु दिनॉक 24.06.2025 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	एन.आई.टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
01	24	169237	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के कर्मचारियों हेतु 04 नग "जी" टाईप आवास गृह का निर्माण कार्य ।	75.23 लाख
02	25	169238	जिला कोण्डागांव के ग्राम तमरावण्ड में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य ।	70.11 लाख
03	26	169239	बाबूकोहका (ब्लॉक चारामा) में आई.टी.आई. भवन का नवीनीकरण का कार्य ।	28.17 लाख
04	27	169588	पखांजूर अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो का विशेष मरम्मत कार्य ।	20.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है। ठेकेदार का हॉट मिक्स प्लांट होना अनिवार्य है । (स.क्र.04 हेतु)

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि – 24.06.2025 है ।
नोटः- प्रथम आमंत्रण

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर
मण्डल कांकेर

G-252601358/1

JAN SHIKSHAN SANSTHAN KANKER C.G.
SPONSORED BY MiNISTRY OF SKILL DEVELOPMENT

Skill India

REQUIRES DIRECTOR

The director would be in charge of providing the organization with leadership direction and drive. He/she Would also be fully in charge of all the day to day activities. The director is expected to Have proven capabilities of motivating and leading a team of professionals. He/she should Have good management skills and be a team-builider.

QUALIFICATION

Essential:
1. Graduation from recognized University/ institution or equivalent
2. seven Years experience in a supervisory capacity
3. working knowledge of the Local language both written and spoken

Desirable:
1.Vocational Degree/Diploma. 2.Experience in Administration Management/ Accounts. 3. Experience in Leading a Team. 4. Experience in heading an organization.

Age – Maximum 55 Years as on the last date of Application

Terms And conditions – (The position shall be filled purely on contractual basis for a period of ordinarily not exceeding five years out of which the first year of the first term will be the probation period.)

Emoluments - (30000-40000)

Interested persons may send their application through Email- chairmanjsskanker@gmail.com (with complete biodata photocopies of experience certificat and all the marksheets digree diploma) the last date of sending Apllication will be one month from the date of Publication of this Advertisment

" Eligible candidates will be shortlisted and called for interview by the board of Management outstation candidates will be reimbursed to and pay for scond A.C. Rail fare

कार्यालय कलेक्टर, जिला - नारायणपुर (छत्तीसगढ़)
(आदिवासी विकास शाखा)
दूरभाष (कार्यालय) 07781-252881, (फैक्स) 252920
Email-collector.assttw.narayanpur@gmail.com

क्रमांक/1503/आ.वि. / निर्माण / 2025-26 नारायणपुर दिनांक 28.05.2025

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यो के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला नारायणपुर के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत डी श्रेणी एवं इसमें उपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्वति ई-टेंडरिंग के माध्यम से विकासखण्ड ओरछा के निम्नानुसार 06 ग्रामों में बहु-उद्देशीय केन्द्र (एम. पी. सी.) भवन निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

1. ई निविदा प्रारंभ तिथि - 30.05.2025 प्रातः 10:00 बजे से
2. ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 24.06.2025 सायं 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ. डी. आर .) प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 26.06.2025 सायं 5:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 30.06.2025 प्रातः 11:00 बजे से

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	बहु-उद्देशीय केन्द्र (एम.पी.सी.) भवन निर्माण कार्य हेतु स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाखो में)	अमानत राशि (रू. में)
169336, 169355, 169356, 169358, 169359, 169404	तुमेरादि, ग्राम पंचायत गारपा । हिकपाड़, ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा । मेटानार, ग्राम पंचायत मेटानार । कोडलियर, ग्राम पंचायत कुतुल । कटुलनार, ग्राम पंचायत कलमानार । हतलानार, ग्राम पंचायत झारावाही	57.88 (प्रत्येक हेतु)	43413.00 (प्रत्येक हेतु)

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर में देखे जा सकते हैं ।

टीप :- उपरोक्त कार्यों हेतु निविदा प्रपत्र का मूल्य 3000.00 एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि 6 माह की होगी ।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास नारायणपुर

G-252601348/3

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department,
Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002
e-mail— eercdapfsdran-jhr@nic.in
e-Procurement very Short Notice
e-Tender Reference No .-RCD/FSD /AP/ RAN/05/25-26 Dated **03.06.2025**

1-	Name of Work	Consultancy services for preparation of complete Land Acquisition Proposal with ownership details and computation of cost of acquired land, Resettlement and Rehabilitation Proposal & Forest Diversion Proposal including clearance of all stages as required as per latest guidelines for Ghaghri (on Hunterganj-Chatra, NH-99) to Kauleshwari Mandir (on RCD Road) via Dantar road at Chatra in the state of Jharkhand from Consultants empanelled in Category-I with the Road Construction Department, Government of Jharkhand vide letter no -3063(S) W.E dated 22-08-2022 are allowed to bid.
2-	Tentative Length	10.935 KM
3-	Work completion time	60 Days
4-	Cost of Tender Document & Earnest Money Deposit (EMD)	**Cost of Tender Document** Rs 5,000/- (Rupees Five Thousand) (Non-Refundable) through online mode only. **EMD :-** Rs 20,000/- (Rupees Twenty Thousand) through online mode only. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in) by Internet banking/ NEFT/ RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5-	Date and Time of Publishing of Tender on official website	06.06.2025, 05.00 PM
6-	Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD)	16.06.2025, 12.30 PM
7-	Date and Timing of Bid opening	17.06.2025, 12.30 PM
8-	Tender Inviting Authority	Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi, Nirupan Bhavan, 56 set Chowk, Doranda, Ranchi- 834002, Mobile No-8051090751
9-	Mode of Bid Submission	e-Tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)

For further information please go through the website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Field Survey Division,A.P
Road Construction Department,Ranchi

PR 354253 Road(25-26)D

राशिफल

मेष दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 5888

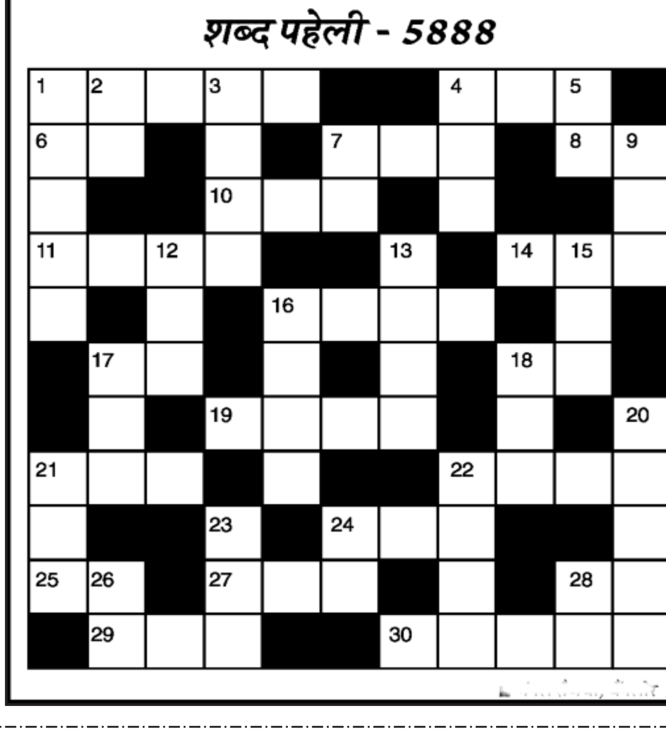

बाएँ से दाए
1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह.शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी -2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र- 3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 5887 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
ब	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	ब
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	त्रा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

सूडोकु नवताल - 5898

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5897 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

ये फिल्में देती हैं 'प्रकृति को हल्के में न लें' का संदेश

मुंबई। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों ने आज हमारे ध्यान में लाया है कि इन मुद्दों पर ध्यान देने, जागरूकता पैदा करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। भारत में, बॉलीवुड के पास लोगों तक पहुंचने और इसके बारे में जागरूकता पैदा करने की अपार क्षमता है। इसमें लोगों के कार्यों को प्रभावित करने और इस प्रकार बदलाव लाने की शक्ति है। फिल्में पर्यावरण संबंधी मुद्दों और सामुदायिक समस्याओं को कुशलतापूर्वक प्रस्तुत कर सकती हैं और लोगों को उनके वर्तमान कार्यों के परिणाम बता सकती हैं। पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर बॉलीवुड की कुछ फिल्में निम्नलिखित हैं जो एक मूल्यवान संदेश देती हैं- प्रकृति को हल्के में न लें!

कड़वी हवा (2017)

यह फिल्म सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म में, महुआ गांव कम बारिश, बंजर भूमि, फसल की विफलता और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित है। ये सभी कारक किसानों को कर्ज में डुबो देते हैं। किसान आत्महत्या एक आम बात बन गई है, क्योंकि वे कर्ज चुकाने में असमर्थ हैं। इस सेटिंग में, एक अंधा बूढ़ा किसान अपने बेटे को कर्ज के जाल से बचाने के लिए कर्ज वसूली एजेंट के साथ समझौता करता है। यह फिल्म इस बात का सटीक चित्रण है कि कैसे जलवायु परिवर्तन लोगों और उनकी नैतिकता को खत्म कर रहा है। नीला माधब पांडा की यह दिलचस्प फिल्म जरूर देखनी चाहिए।

भोपाल एक्सप्रेस (1999)

यह फिल्म 1984 की भोपाल त्रासदी को करीब से दिखाती है। त्रासदी की रात, यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से निकलने वाली जहरीली गैस ने 20 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और 8000 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली। फैक्ट्री का सुरक्षा सायरन बंद कर दिया जाता है, जिससे उस समय की तबाही और भी बढ़ जाती है। कहानी एक नवविवाहित जोड़े और उनके दोस्तों के नजरिए से सामने आती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इंसानों और सहयोग की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें आम लोगों की जिंदगी को खराब कर सकती हैं और हमेशा के लिए निशान छोड़ सकती हैं। महेश मिठाई की 1999 में बनी यह फिल्म वाकई आंखें खोलने वाली है।

इरादा (2017)

इस फिल्म की पृष्ठभूमि बठिंडा और उसके थर्मल पावर प्लांट और कारखानों की है। एक पूर्व सेना अधिकारी की बेटी को जानलेवा बीमारी का पता चलता है। कहानी आगे बढ़ती है और उन्हें पता चलता है कि यह भूजल में मिले रासायनिक तत्वों की वजह से है। कई ग्रामीण इसी बीमारी से पीड़ित हैं। इस बीच, एक पत्रकार को मामले की जानकारी मिल जाती है और इस तरह उसका अपहरण कर लिया जाता है। पूर्व सेना अधिकारी, पत्रकार की प्रेमिका और एक एनआईए अधिकारी मामले को सुलझाने और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। फिल्म स्वार्थी उद्देश्यों के पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाती है। यह फिल्म पर्यावरण के मुद्दों पर बनी सबसे अच्छी बॉलीवुड फिल्मों में से एक है और इसे जरूर देखना चाहिए।

कौन कितने पानी में (2015)

यह फिल्म पानी की कमी के मुद्दे को छूती है। उपरी और बैरी के दो गांव एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत हैं। बैरी के लोग निचली जाति के हैं, मजदूरी करते हैं और कुशल हैं। उपरी के लोग ऊँची जाति के हैं, आलसी हैं और उनमें कौशल की कमी है। इसी वजह से उपरी गाँव में पानी की कमी है। उपरी के लोग बैरी से पानी लाने की योजना बनाते हैं। यह फिल्म इस बात पर केंद्रित है कि कैसे कौशल की कमी से पानी की कमी हो सकती है और लोगों के जीवन पर इसका असर पड़ सकता है। यह फिल्म नीला माधब पांडा की एक और व्यंग्य है और प्रयोगात्मक दर्शकों के लिए ज़रूर देखनी चाहिए।

जल (2013)

फिल्म कच्छ के रण में दो गांवों और पानी की तलाश की उनकी खोज की कहानी बताती है। बक्का नाम के एक युवक के पास बंजर भूमि में पानी के स्थानों का पता लगाने का हुनर है। एक रूसी महिला कच्छ के मूल निवासी फ्लेमिंगो की तलाश में यहां आती है। उसे निराशा होती है कि पानी की कमी के कारण फ्लेमिंगो की संख्या कम हो गई है। इसलिए, वह, बक्का और पारिस्थितिकीविदों की एक टीम पानी की तलाश में निकल पड़ती है। इस पृष्ठभूमि के साथ, फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि पानी की कमी से किस तरह से वर्ग बनते हैं और लोग शारीरिक और मानसिक रूप से तनाव में रहते हैं। यह फिल्म एक और विचारोत्तेजक बॉलीवुड ड्रामा है।

संसाधनों का संरक्षण करना है जरूरी

ये सभी फ़िल्में ज़ोर-शोर से कहती हैं कि संसाधनों का संरक्षण करना और उनका कुशलतापूर्वक उपयोग करना ज़रूरी है। साथ ही, बॉलीवुड के पास मुख्यधारा के सिनेमा में पर्यावरण संबंधी मुद्दों को दिखाने और ज़्यादा लोगों तक पहुंचने का अवसर है। फ़िल्मों के जरिए जागरूकता ज़्यादा प्रभावशाली होगी और लोगों को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। बहरहाल, बॉलीवुड द्वारा ऐसी विवेकपूर्ण फ़िल्में बनाना जश्न मनाने का एक कारण है।

13 की उम्र में बनी 43 साल के कोरियोग्राफर की पत्नी
इस डांसिंग क्वीन ने बॉलीवुड को दिए 2000 से ज्यादा गाना

नई दिल्ली। बॉलीवुड में जब भी किसी कोरियोग्राफर की बात होती है तो सबसे पहले सभी की जुबान पर एक ही शख्स का नाम आता है और वो है सरोज खान। सरोज खान अब इस दुनिया में नहीं रहीं, मगर लोग उन्हें आज भी याद करते हैं। बहुत ही कम लोगों को पता है कि सरोज खान ने अपने कॅरियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। उन्होंने फिल्म बाजूबंद में काम किया था। उनकी बचपन की फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। सरोज खान की अगर आप बचपन की फोटो देख लेंगे तो पहचान पाना बहुत मुश्किल होगा।

वायरल हुई बचपन की फोटो

सरोज खान की बचपन की फोटो वायरल हो रही है। ये फोटो 1954 में आई फिल्म बाजूबंद के सेट की है। इसमें वो बलराज साहनी, सुलोचना चटर्जी और रमेश कपूर के साथ नजर आ रही हैं। यह फोटो इस बात की एक खूबसूरत याद दिलाती है कि कैसे दिग्गज सिर्फ पैदा नहीं होते। वो स्टेप बाय स्टेप खुद को डेवलेप करते हैं। एक ऐसी विरासत छोड़ते हैं जिसे समय केवल सराह सकता है, कभी मिटा नहीं सकता। सरोज खान की ये फोटो देखकर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा- बहुत प्यारी फोटो है। वहीं, दूसरे ने लिखा- पहचान में ही नहीं आ रही हैं। सरोज खान की बचपन की इस फोटो को खूब लाइफ किया जा रहा है। बता दें सरोज खान ने अपने कॅरियर में दो हजार से ज्यादा गाने कोरियोग्राफ किए हैं। उन्होंने 'धक-धक', 'चने के खेत में' और 'डोला रे' जैसे शानदार गानों को भी कोरियोग्राफ किया है।

बिजनेसमैन से की दूसरी शादी

सरोज खान ने पहली शादी डांस डायरेक्टर बी सोहनलाल से की थी। उस वक्त सरोज 13 साल की थीं और सोहनलाल 43 साल के थे।सोहनलाल पहले से शादीशुदा थे और 4 बच्चों के पिता भी थे। सरोज उनसे डांस सीखा करती थीं और बाद में दोनों ने शादी कर ली। सोहनलाल के साथ सरोज के दो बच्चे राजू खान और कुकू खान हुए। पहले पति से अलग होने के बाद सरोज खान ने बिजनेसमैन सरदार रोशन खान से शादी की।

सामने आया आंखों की गुस्ताखियां का पहला पोस्टर

मुंबई। फिल्म आंखों की गुस्ताखिया में विक्रांत और शनाया की नई जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएगी। फिल्म के पहले पोस्टर में दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। जो दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री को दर्शाता है।

पोस्टर में शनाया लाल, थाई-हाई स्लिट, चमकदार स्कर्ट और इसी रंग के क्रॉप टॉप में नजर आ रही हैं। जबकि विक्रांत मैसी कोट और जींस में काफी हैंडसम लग रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के सामने एक हिंडोले पर बैठे हैं और आसपास काफी रोशनी और चमक दिख रही है। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स बना रहे हैं। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें दर्शकों को प्यार और इमोशंस के साथ दोनों सितारों की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। इस फिल्म का संगीत विशाल मिश्रा ने तैयार किया है। 'आंखों की गुस्ताखियां' का निर्देशन संतोष सिंह करेंगे। फिल्म को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने लिखा है।

अलग-अलग कहानियां बताता मेट्रो इन...

मुंबई। अनुराग बसु की मल्टीस्टारर फिल्म 'मेट्रो इन दिनों'का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में सारा अली खान, आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, नीना गुप्ता, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा और अनुपम खेर समेत एक लंबी स्टारकास्ट नजर आ रही है। ये फिल्म 2007 में आई अनुराग बसु की ही फिल्म 'लाइफ इन अ मेट्रो'का अगला भाग है। हालांकि, दोनों ही फिल्मों की कहानी अलग-अलग है। 'मेट्रो इन दिनों'में भी 'लाइफ इन अ मेट्रो'की तरह ही अलग-अलग कपल्स की कहानी दिखाई गई हैं। भारी भरकम स्टारकास्ट से सजी 'मेट्रो इन दिनों'4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 3 मिनट 17 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत अरिजित सिंह की आवाज में एक रोमांटिक गाने से होती है।

टीवी मसाला

पति-पत्नी और पंगा में रिश्तों का होगा रियलिटी चेक...

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री में रियलिटी शोज का दौर तो चलता ही रहता है, लेकिन अब कलर्स टीवी एक नया एक्सपेरिमेंट लेकर आ रहा है जिसमें रियल कपल्स की परख होगी. इस शो का नाम है 'पति पत्नी और पंगाः जोड़ियों का रियलिटी चेक'और इसका फॉर्मेट बाकी शोज से काफी अलग और दिलचस्प माना जा रहा है।पहले इस रियलिटी शो का नाम 'शोला शबनम' रखा गया था, लेकिन अब इसे बदलकर 'पति पत्नी और पंगाः जोड़ियों का रियलिटी चेक' कर दिया गया है। इस शो में टीवी और रियल लाइफ कपल्स को साथ लाकर उनकी बॉन्डिंग, समझदारी और केमिस्ट्री को टेस्ट किया जाएगा। ये शो न केवल एंटरटेनमेंट देगा बल्कि रिश्तों की गहराई भी उजागर करेगा। अब तक शो में कुछ सेलेब्रिटी जोड़ियों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें से कुछ ने पुष्टि की है, तो कुछ से बातचीत जारी है। गुरमीत चौधरी और देबीना बनर्जी ने खुद इस शो में भाग लेने की बात मानी है।ते जस्वी प्रकाश-करण कुंद्रा, जैस्मिन भसीन-अली गोनी, अंकिता लोखंडे- विक्की जैन, सुदेश लहरी और उनकी पत्नी, अविका गोर-मिलिंद चंदवानी जैसे कपल्स को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है। शो को होस्ट करने जा रही हैं बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे, जो पहली बार इस तरह के रियलिटी फॉर्मेट से जुड़ेंगी. उनके शांत और समझदार व्यक्तित्व की वजह से शो को एक अलग ही ग्रेस मिलने की उम्मीद है।

14 घंटे चली कैंसर सर्जरी, आईसीयू में हैं दीपिका

नई दिल्ली। टेलीविजन एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ को पिछले महीने ही पता चला कि उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर हैं। एक्ट्रेस के लिवर में एक टेनिस बॉल जैसा ट्यूमर निकला था, जिसकी सफल सर्जरी 3 जून को हो गई। टीवी एक्टर और दीपिका कक्कड़ के पति शोएब इब्राहिम ने अपनी पत्नी के हेल्थ अपडेट दिया है। शोएब ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि 14 घंटे लंबी सर्जरी के बाद अभी सब कुछ ठीक रहा। उन्होंने बताया कि दीपिका फिलहाल आईसीयू में हैं और कुछ दर्द में हैं, लेकिन उनकी स्थिति स्थिर है। शोएब ने इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा- 'सभी को नमस्ते, कल रात अपडेट नहीं दे पाया क्योंकि सर्जरी लंबी चली। वह 14 घंटे ऑपरेशन थिएटर में रहीं। लेकिन, अल्हम्दुलिल्लाह, सब कुछ ठीक रहा। दीप्पी अभी आईसीयू में हैं। उसे दर्द हो रहा है, लेकिन वह स्थिर हैं और ठीक हो रही हैं। आप सभी के प्यार, दुआओं और सपोर्ट का दिल से शुक्रिया।

पीके 2 में आमिर फिर बनेंगे एलियन, साथ होंगे रणबीर

मुंबई। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान 'लाल सिंह चड्ढा' के तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी 'सितारे जमीन पर' इसी महीने 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पर कहानी सिर्फ इतनी नहीं है। लगता है कि आमिर एक के बाद एक धमाकेदार फिल्मों की बाढ़ लाने वाले हैं। बीते दिनों खबर आई कि इसके बाद वह राजकुमार हिरानी के डायरेक्शन में दादासाहेब फाल्के की बायोपिक की तैयारी में जुट जाएंगे। अब, एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि आमिर खान 'पीके 2' में एलियन बनकर लौटने वाले हैं। यही नहीं, इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर भी हो सकते हैं। इसके अलावा आमिर गुलशन कुमार की बायोपिक और एक सुपरहीरो फिल्म करने पर भी जोर लगा रहे हैं। इन फिल्मों के अलावा, आमिर खान, राजकुमार हिरानी और अभिजीत जोशी के बीच 'पीके' के सीक्वल यानी 'पीके2' को लेकर भी चर्चा हुई है।

हैरी पॉटर रिबूट होगी अब तक की सबसे महंगी सीरीज

लॉस एंजिल्स। फिल्म और सीरीज की दुनिया में बजट अब खबर का हिस्सा बन चुका है। जहां पहले 200-300 करोड़ रुपए की लागत चौंका देती थी, अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के जमाने में करोड़ों का आंकड़ा आम हो गया है। लेकिन हैरी पॉटर रिबूट नाम की ये सीरीज एचबीओ के तहत बनाई जा रही है और इसके हर एपिसोड पर करीब 100 मिलियन डॉलर (लगभग 856 करोड़ रुपए) खर्च किए जा रहे हैं।

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 8103128515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

:: आम सूचना ::

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम अपने पक्षकार हुकुम चंद जैन आ. स्व. धनराज जैन निवासी सुभाष चौक भिलाई - 03 तह भिलाई -03 जिला दुर्ग (छ.ग.) की ओर से अधिकृत होकर एवं उनके बताये गये अनुसार आम सूचना प्रकाशित करते है कि भूमिस्वामी नोहर सिंह आ. भीखम सिंह निवासी ग्राम जरवाय, भिलाई-03 तह. भिलाई-03 जिला दुर्ग (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो वाके ग्राम-जरवाय, प.ह.न. - 48, रा.नि.म. - भिलाई -03 तह भिलाई- 03 जिला दुर्ग (छ.ग.) में भूमि स्थित खसरा नं.- 559/1, रकबा 0.460 हेक्टेयर भूमि जिसकी सीमा - उत्तर- खसरा नं. 516, दक्षिण- खसरा नं. 559 / 2, पूर्व-खसरा नं. 562 / 3 एवं 563 पश्चिम-खसरा नं. 558/1 है, जिसे भूमि स्वामी नोहर से खरीद कर दिनांक 05/05/2015 को उपपंजीयक कार्यालय दुर्ग में पंजीकृत विक्रय पत्र के निष्पादन हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया जा चुका है उपपंजीयक महोदय के द्वारा भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 47 क के तहत कलेक्टर ऑफ स्टाम्प को प्रेषित किया गया है जिसका राजस्व रा.प्र. कं. 196 / बी-103 / 2014-15 है जिसमें स्टाम्प शुल्क में कमी होने के कारण पंजीयन लंबित है जो प्रकरण विचाराधीन है। भूमिस्वामी नोहर सिंह की मृत्यु हो जाने से वर्तमान में उनके विधिक वारिसानो विनय कुमार, सुधीर कुमार, सुशील कुमार, अरविन्द कुमार पिसरान स्व. नोहर कमला ब.प. स्व. नोहर के नाम से दर्ज होने के कारण उक्त भूमि खसरा नं. 559 / 1 रकबा 0.460 हे. को किसी अन्य के पास विक्रय हस्तांतरण करने का प्रयास किया जा रहा है, उक्त भूमि को भूमिस्वामी नोहर के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र हुकुमचंद के पक्ष में निष्पादित किया जा चुका है।

अतः आम जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा- ग्राम- जरवाय, प.ह.न. - 48, रा.नि.म. - भिलाई- ई-03 तह भिलाई- 03 जिला दुर्ग (छ.ग.) में भूमि स्थित खसरा नं.- 559 / 1, रकबा 0.460 हेक्टेयर भूमि का सौदा क्रय-विक्रय हस्तांतरण, ना करे यदि कोई व्यक्ति संस्था, साहूकार, या अन्य द्वारा क्रय किया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी स्वयं की होगी।

सो सूचना जाने

स्थान- दुर्ग दिनांक-04/06/2025

गैंदलाल यादव/ डी. आर. यादव
अधिवक्ता
ओम् सांई नमन् एसो.
जीवन प्लाजा काम्पलेक्स शॉप नं. 17
जी.ई. रोड़ गंजपारा दुर्ग (छ.ग.)
मो. नं. 9827108870, 97558 27301

::आम सूचना::

(पटवारी हल्का नम्बर 103/54 ग्राम टाटीबंध, तहसील एवम जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नम्बर 222/1, एवम 221/1,2 की सीमा निर्धारण के संबंध में) एतद द्वारा आम जनता / संस्था को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार श्री सुनील अग्रवाल आत्मज स्व. ओम प्रकाश गुप्ता के द्वारा स्वयं के स्वामित्व एवम आधिपत्य की पटवारी हल्का नम्बर 103/54 ग्राम टाटीबंध, तहसील एवम जिला रायपुर(छ. ग.) में खसरा नम्बर 222/1 ,रकबा 2.71 एकड़ भूमि धारित की जाती है। उपरोक्त वर्णित भूमि की सीमा से लगी हुई खसरा नम्बर 221/1 एवम 221/2 की भूमि पश्चिम दिशा में स्थित है। उक्त वर्णित भूमि खसरा नम्बर 222/1 का सीमांकन कार्य न्यायालय नायब तहसीलदार, रायपुर के आदेश के द्वारा आगामी दिनों में किया जाना है। हमें जानकारी में आया है की खसरा नम्बर 221/1 एवम 221/2 ग्राम टाटीबंध तहसील एवम जिला रायपुर(छ. ग.) की भूमि का क्रय विक्रय सौदा/ हस्तांतरण/ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया निकट भविष्य में क्रियान्वित की जाने वाली है। मैं अपने मुवकिल से प्राप्त अधिकार के आधार पर आम जनता / संस्था को आगाह करता हूं की विधिवत सीमांकन के द्वारा उपरोक्त वर्णित खसरा नम्बर 221/1, 221/2 एवम खसरा नम्बर 222/1 की सीमाएं विधिवत चिन्हांकित होने एवम सीमांकन रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात ही भविष्य में खसरा नम्बर 221/1 एवम 221/2 की भूमि की क्रय विक्रय सौदा / हस्तांतरण/ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया संपन्न की जाए। मेरे पक्षकार सुनील अग्रवाल की जानकारी के बिना पूर्व में किए गए अन्य किसी भी सीमांकन रिपोर्ट के आधार पर किए गए खसरा नम्बर 221/1 एवम 221/2 की भूमि की क्रय विक्रय सौदा/हस्तांतरण/ रजिस्ट्रेशन कार्य की वजह से मेरे पक्षकार सुनील अग्रवाल को होने वाली नुकसानी के लिए खसरा नम्बर 221/1 एवम 221/2 की भूमि के क्रय विक्रय सौदा/ हस्तांतरण/ रजिस्ट्रेशन संपादित करने वाले सभी पक्ष पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

सो सूचना जानें।

दिनांक: 03/06/2025

हेमंत कुमार अग्रवाल (एडवोकेट)
उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ मो.: 9425542258

मोदी ने दिया ऑपरेशन सिंदूर का विस्तृत प्रेजेंटेशन

मंत्रिपरिषद की बैठक में बोले- स्वदेशी हथियारों ने दिखाया दम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों ने अपनी ताकत दिखा दी है और यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि 'मेक इन इंडिया' के तहत बने रक्षा उपकरण और प्लेटफॉर्म आने वाले दिनों में सरकार की प्राथमिकता रहेंगे। इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दिया गया। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान यह भी बताया गया कि पाकिस्तान ने खुद यह स्वीकार किया है कि उसे इस ऑपरेशन में भारी नुकसान झेलना पड़ा।

उपलब्धियों पर भी प्रस्तुति

इसके साथ ही, विभिन्न मंत्रालयों की उपलब्धियों पर भी एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें हर मंत्रालय से कहा गया कि वे मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ (9 जून) पर अपनी पांच प्रमुख उपलब्धियों को जनता के सामने रखें। यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार आयोजित की गई थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक की शुरुआत में बेंगलुरु भगदड़ हादसे के पीड़ितों के लिए शोक व्यक्त किया गया।

गौरीकुंड-केदार पैदल मार्ग पर गिरे पत्थर, रोकी गई यात्रा

एजेंसी ▶▶| रूद्रप्रयाग/ देहरादून

■ केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी

चारधाम यात्रा के बीच उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं को बारिश और खराब मौसम का सामना करना पड़ा रहा है। केदार घाटी में दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी से केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों को काफी मुसीबत उठानी पड़ रही है। कड़ाके की ठंड के साथ ही जगह-जगह लैंडस्लाइड भी हो रहा है। गौरीकुंड-केदारनाथ के लगभग 19 किलोमीटर पैदल मार्ग पर जगह-जगह पहाड़ी से पत्थर गिर रहे हैं, जिसकी वजह से श्रद्धालुओं को फिलहाल आगे जाने से रोक दिया गया है। डीडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान यात्रा मार्ग पर तैनात हैं। वहीं पहाड़ी से गिरे बड़े-बड़े बोल्डरों को मार्ग से हटाने के कार्रवाई भी की जा रही है। उत्तराखंड में प्री मानसून की बारिश ने मौसम का मिजाज एकदम बदल दिया है। पिछले दिनों भीषण गर्मी झेलने के बाद जून के महीने में हो रही बारिश से लोग ठंड का महसूस कर रहे हैं।

कोर्ट ने खारिज की दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर दावे से जुड़ी याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका खारिज कर दी, जिसमें बोर्ड ने दावा किया था कि राजधानी के शाहदरा इलाके में एक संपत्ति 'वक्फ संपत्ति' है और वहां लंबे समय से एक गुरुद्वारा चल रहा है। जस्टिस संजय करोल और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के वकील से कहा, वहां गुरुद्वारा है, तो उसे रहने दीजिए।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि मानसून पूर्व विद्युत लाईनों में रखरखाव / सुधार कार्य हेतु नीचे दिये गये तिथि में समय सुबह 9.30 बजे से शाम 4:30 बजे तक निम्न क्षेत्रों में बिजली बन्द रहेगी।

दिनांक/ दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
05.06.2025 गुरुवार	11 के.व्ही. हाउसिंग बोर्ड फीडर	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दीनदयाल पुरम, एम आई जी एच आई जी, ईडब्लूएस कालोनी, विवेकानंद कॉलोनी गली नं.2,3,4,5, पीडी विहार, झूलेलाल नगर आसपास का क्षेत्र।
06.06.2025 शुक्रवार	11 के. व्ही. शांति कालोनी फीडर	शांति कॉलोनी, श्रीनाथ कॉलोनी, परमहंस कॉलोनी, अर्जुन रेसीडेंसी, नंदी चौक, कोष्टापारा, कुम्हार पारा, खोरिया तालाब इत्यादि क्षेत्र।
07.06.2025 शनिवार	11 के.व्ही. महालक्ष्मी फीडर	इतवारी बाजार एरिया सेंचुरी गार्डन एरिया, बनियापारा, दुर्गा चौक, सदर बाजार, साई मंदिर गली इत्यादि क्षेत्र।
09.06.2025 सोमवार	11 के.व्ही. भटगांव रोड फीडर	अमलतासपुरम, मराठापारा, बांसपारा, नाचन, एकतानगर, आस्था नगर, रामपुर वार्ड, भटगांव चौक, इत्यादि क्षेत्र।
10.06.2025 मंगलवार	11 के.व्ही. महालक्ष्मी फीडर	सदरबाजार, महालक्ष्मी इनक्लेव, स्वीपर कालोनी, बड़ा चौक, अंबा चौक, रोकडिया चौक चमेली चौक, बालाजी कालोनी, बनिया तालाब, नूरानी चौक, इत्यादि क्षेत्र।
11.06.2025 बुधवार	11 के.व्ही. सोरिद फीडर	बस्तर रोड, सोरिद वार्ड, कालीमंदिर के पीछे कालोनी, रोकड़िया ट्रांसफार्मर, कचरा गोदाम, शीतलामंदिर बागतराई रोड इत्यादि।
12.06.2025 गुरूवार	11 के.व्ही. अंबेडकर चौक फीडर	रूद्री रोड, आकाश गंगा फेस 1,2 ओजस्वी नर्सिग होम, कमल बिहार, इन्द्रप्रस्थ कालोनी, शिव नगर इत्यादि क्षेत्र।
13.06.2025 शुक्रवार	11 के.व्ही. दानीटोला फीडर	बालाजी कालोनी, कंडरा पारा, शीतला मंदिर, महिमासागर वार्ड, दानी टोला, शीतलापारा, स्कूल चौक, नहर नाका चौक, रतन कालोनी, इत्यादि।
14.06.2025 शनिवार	11 के. व्ही. कॉलेज फीडर	राजीव नगर, सिनेट सिटी, रोहरा कालोनी, वंदना बिहार, सोरिद कालेज रोड, पंचमुखी हनुमान नगर, रत्नाबांधा चौक इत्यादि।

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है, "असुविधा के लिए खेद हैं।"

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग, छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., धमतरी

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.DYCEGSUWATENGG 2025006, दिनांक :24.05.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के नौपाडा-कोटबोम्माली स्टेशन के बीच कि.मी.714/4-6 एवं कि.मी.714/3-5 UP में मौजूदा स्पेशल क्लास (मानवयुक्त एवं इंटर-लॉक्ड) लेवल क्रॉसिंग-400 के पहुंच एवं (1x72 मीटर बो स्ट्रिंग गर्डर + 2x24 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 10x24.0 मीटर T- बीम गर्डर) के साथ रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 53,04,09,346/-, EMD (रुपये में) : 28,02,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

बोली-पूर्व सम्मेलन की तिथि व समय: दिनांक 04.06.2025 को 1100 बजे, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** दिनांक 24.06.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारो के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता(GSU)/ वाल्टियर

PR-37/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.16/ET/SBP/ENGG/ 2025-26, दिनांक : 28.05.2025

(1)ई-निविदा सं.22-eT-DENE-SBP-25

कार्य का नाम: सम्बलपुर मण्डल के मण्डल अभियन्ता/ ईस्ट के अधिकार क्षेत्र के अधीन TRR(P)-22.563 TKM का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में): 1,81,66,373.93, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,04,900/-।

(2)ई-निविदा सं.23-eT-DENE-SBP-25

कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल के मण्डल अभियन्ता/ईस्ट के अधिकार क्षेत्र के अधीन स्टील गर्डर पुल में हुक बोल्ट के लिए सिंगल पिस स्प्रिंग इन्सर्टेड पुन:उपयोगी (Reusable) लॉक नट (28mm) M-27 का प्रावधान एवं लगाने का कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,21,72,015.44, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,10,900/-।

(3)ई-निविदा सं.20-eT-DENC-SBP-25

कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.Way)/बलांगीर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सोनपुर (Ex)-पुरुणा कटक (In) सेक्शन में (कि.मी.-242.800-कि.मी.-168.400)में मरम्मत एवं रख-रखाव कार्य हेतु विविध P.Way कार्य का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में): 1,92,69,509.60, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,46,400/-।

कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने (क्रम सं.1 एवं 3 हेतु) एवं 06 महीने (क्रम सं.2 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 25.06.2025 को 1500 बजे (सभी निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), सम्बलपुर

PR-194/Q/25-26

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202506104000005/अ-74/2024-25
मौजा :- खपरी प.ह.न. 010

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका ऋषिपाल पिता अमरसिंह, साकिन गिरहोला तहसील अहिवारा व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि मौजा खपरी, प.ह.न. 010 रा.नि.मं. अहिवारा तहसील अहिवारा स्थित भूमि खसरा नंबर 593/4 रकबा 4.16 हे. राजस्व अभिलेख में ऋषिपाल पिता अमरसिंह, के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। जिसका मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से डुप्लिकेट ऋण पुस्तिका जारी करने हेतु निर्धारित शुल्क खजाना दाखिल किये गये चालान की प्रति, पुलिस हस्तक्षेप अयोग्य अपराध की सूचना की कॉपी, नो-ड्यूज सर्टिफिकेट आदि दस्तावेज इस न्यायालय में पेश किया है।

अतएव उक्त आवेदन के संबंध में विधिसम्मत आपत्तियों रखने वाला कोई भी व्यक्ति सुनवाई हेतु नियत तिथि 18.06.2025 को स्थान तहसील अहिवारा में स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा लिखित आपत्तियों निवेदित कर सकते हैं। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त की गई आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक 18.06.2024
जारी दिनांक 02.06.2025

तहसीलदार अहिवारा

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202506104000004/अ-74/2024-25
मौजा :- गिरहोला, प.ह.न. 010

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका ऋषिपाल सहारण पिता अमरसिंह, साकिन दीपका तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि मौजा गिरहोला, प.ह.न. 010 रा.नि.मं. अहिवारा तहसील अहिवारा स्थित भूमि खसरा नंबर 1891 रकबा 0.32 हे. राजस्व अभिलेख में ऋषिपाल पिता अमरसिंह एवं अन्य, के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। जिसका मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से डुप्लिकेट ऋण पुस्तिका जारी करने हेतु निर्धारित शुल्क खजाना दाखिल किये गये चालान की प्रति, पुलिस हस्तक्षेप अयोग्य अपराध की सूचना की कॉपी, नोड्यूज सर्टिफिकेट आदि दस्तावेज इस न्यायालय में पेश किया है।

अतएव उक्त आवेदन के संबंध में विधिसम्मत आपत्तियों रखने वाला कोई भी व्यक्ति सुनवाई हेतु नियत तिथि 18.06.2025 को स्थान तहसील अहिवारा में स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा लिखित आपत्तियों निवेदित कर सकते हैं। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त की गई आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक 18.06.2024
जारी दिनांक 02.06.2025

तहसीलदार अहिवारा

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला- बलरामपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक 2352/व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां.ख./2024 बलरामपुर, दिनांक 03/06/2025

:: निविदा निरस्तीकरण सूचना ::

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते है।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र. / दिनांक	जी क्रमांक
1	165235	40/27.02.2025	242505662
2	166883	01/21.04.2025	252600396
3	166890	01/21.04.2025	252600396

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड- बलरामपुर (छ.ग.)

G- 252601350/3

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT ROAD DIVISION, DUMKA

Very-Very Short Time

2nd Call PR. NO 352760 Road(25-26):D

e-Procurement Notice

Tender Reference No. RCD/DUMKA/938Date 04.06.2025

1	Name of Work	Surface Renewal of different Roads under Basukinath Dham area including Paver Block Laying, Road Marking, Installation of Sign Boards, Painting of various culverts, Bridges, trees, Flank Repair and cleaning work under Non Plan (Shrawani Mela 2025) for the year 2025-26.
2	Estimated cost(In Rs)	Rs 1,73,97,239.00
3	Time of completion	Three Months
4	Date of Publication of Tender on Website	06.06.2025 at 10.30 AM
5	Last date/Time for receipt of bids	12.06.2025 Up to 12.00 Noon
6	Date of opening of Tender	13.06.2025 at 12.30 PM
7	Name & address of office Inviting tender	Office of The Executive Engineer Road Construction Department Road Division, Dumka.
8	Contact no. of Procurement Officer	8252424164
9	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Road Construction Department,
Road Division, Dumka

PR 354211 Road(25-26).D

कार्यालय नगर पालिक निगम जगदलपुर जिला बस्तर छ.ग.

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

क्रमांक 571/ नपानि / भंडार / 2025 — जगदलपुर दिनांक 03/06/2025

नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 (दर स्वीकृति दिनांक से 31 मार्च 2026 अवधि तक) हेतु दर अनुबंध निविदा प्रपत्र "सी" में प्रचार-प्रसार एवं प्रिंटिंग (फ्लैक्स- बैनर) कार्य हेतु निविदा आमंत्रित हैः-

क्रमांक	कार्य विवरण	निविदा प्रपत्र शुल्क	अमानत राशि	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
1	प्रचार-प्रसार एवं प्रिंटिंग (फ्लैक्स बैनर) कार्य हेतु।	750.00	30000.00	9.90 लाख

उपरोक्त कार्यो की निविदा प्रपत्र "सी" में न्युनतम दर दिनांक 24.06.2025 को सांय 5.30 बजे तक स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त समस्त निविदाये दिनांक 25. 06.2025 को सांय 4.00 बजे खोले जावेंगे। इस हेतु कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 19.06.2025 को कार्यालयीन समय तक कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर आवेदन प्राप्त की जा सकती है। नियम एवं शर्ते कार्यालीयन अवधि में निगम कार्यालय या विभागिय बेबसाईट www.nagarnigamjagdalpur.in एवं htt://uad.cg.gov.in से एवं भंडार शाखा में देखी / प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, जगदलपुर

S-44083/1

आतंक फैलाने वाले पाक को यूएनएससी में बड़ी जिम्मेदारी

यूएन। पाकिस्तान को मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तालिबान प्रतिबंध समिति को 1988 समिति के तौर पर भी जाना जाता है। गुयाना और रूस इस समिति के उपाध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे। यह समिति उन व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं की आर्थिक संपत्ति फ्रीज करने, यात्रा और हथियारों पर प्रतिबंध लगाने जैसे फैसले लेती है, जो अफगानिस्तान की शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा माने जाते हैं।

पाकिस्तान को एडीबी से सहायता मिलने का भारत ने किया कड़ा विरोध

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को एशियाई विकास बैंक की ओर से दिए जाने वाले किसी भी वित्तीय सहयोग का सख्त विरोध किया है। भारत ने पाकिस्तान की ओर से फंड का दुरुपयोग सैन्य खर्चों पर करने के प्रति गंभीर चिंता जताई है। भारत ने आर्थिक सुधारों के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाया है। भारत को चिंता है कि पाक इस वित्तीय सहायता का दुरुपयोग करेगा। भारत ने एडीबी के समक्ष पाक की वित्तीय प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा

:: शुद्धि -पत्र ::

इस कार्यालय के पत्रांक 989 दिनांक 29.05.2025 द्वारा प्रकाशित अति अल्पकालीन ई- निविदा सूचना सं० RDD/SD /CHAIBASA/02/2024-25(2nd Call) में निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है। जिसका PR No. 353828 West Singhbhum25-26(D) है।

1. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 04.06.2025 से दिनांक 25.06.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
2. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय -28.06.2025 अपराह्न 02:00 बजे

ह०/-
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, प० सिंहभूम चाईबासा

PR 354228 West Singhbhum(25-26)#D

कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास

ब्लॉक 4 डी, भूतल, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
Phone- 2263708 Fax- 2262558
website - tribal.cg.gov.in Email-prayas.ctd@gmail.com

क्रमांक/ 160/प्रयास/ 2025-26/2267 नवा रायपुर, दिनांक 03/06/2025

// सूचना //

शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु छ.ग. राज्य के 33 जिलों में दिनांक 20/04/2025 को प्राक्चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। प्राक्चयन परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए जिलेवार सूची विभागीय वेबसाईट www.eklavya.cg.nic.in पर **आज दिनांक 04/06/2025** अपलोड की गई है। मेरिट सूची का प्रकाशन पृथक से किया जावेगा।

आवेदक वेबसाईट पर दर्शित परीक्षा परिणाम में अपना नाम एवं रोल नम्बर का मिलान कर लेवे। किसी प्रकार की त्रुटि होने पर आवेदक अपने गृह जिले के संबंधित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करेगें। डाक द्वारा दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा। दावा आपत्ति हेतु **अंतिम तिथि 10/06/2025** निर्धारित की गई है। **अंतिम तिथि समाप्ति पश्चात दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जावेगा।**

प्र.आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
अटल नगर, नवा रायपुर, छ.ग.

G-252601345/2

RAIPUR DISTRICT URBAN PUBLIC SERVICE SOCIET

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in

NIT NO: 04/RDUPSS/ITMS/2025 — RAIPUR, DATED : 04/06/2025

Online bids are invited for the following of works up to 25th June 17:30

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Bid Due Date (Online submission)	Hard Copy submission	Bid Document Fees	EMD
1	169756	SELECTION OF AGENCY/MSI FOR OPERATION & MAINTENANCE OF INTELLIGENT TRAFFIC MANAGEMENT SYSTEM (ITMS), CITY SURVEILLANCE SYSTEM & INTEGRATED COMMAND AND CONTROL CENTRE (ICCC) IN RAIPUR CITY	25-06-2025 Upto 5:30 pm	27/06/2025 Upto 5:30 pm	INR 11800/- non refundable	INR 90,00,000/-

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 04th June 2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal. 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 1800 419 9140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in 3. For More Details please download NIT details& RFP document (4) 4. The pre-bid clarification uploaded during 1st call will also be part of this RFP document.

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

Secretary
Raipur District Urban Public Service Society

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

संयुक्त जिला कार्यालय भवन कलेक्टोरेट जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा भू-तल कक्ष क्रमांक -23
EXCISE DEPARTMENT Email ID : excise.dantewada.cg@gmail.com

निविदा सूचना

क्रमांक/CSMCL / TENDER / 2025 / 327 दन्तेवाड़ा दिनांक 26/05/2025

दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा जिले में स्थित 01 देशी, 01 विदेशी 03 विदेशी कम्पोजिट कुल 05 मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2025-26 (01.04.2025 से 31.03.2026 तक) में संग्रहित खाली कार्टून (पुट्ठा) का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टून का प्रति नग की दर से इच्छुक निविदाकारों से सीलबंद निविदाएं (तकनीकी बिड/ प्राईज बिड पृथक-पृथक) दिनांक 09.06.2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, जिला - दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा में आमंत्रित की जाती है। सीलबंद प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 09.06.2025 को अपरान्ह 04.00 बजे निविदा समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की शर्ते / नियम, निविदा प्रपत्र तथा मदिरा दुकानों की अवस्थिति आदि की विस्तृत जानकारी अवकाश के दिवसों को छोड़कर निविदा प्रस्तुत करने के निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर खाली कार्टून निविदा फार्म 1000 / - की दर से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, संयुक्त जिला कार्यालय भवन कलेक्टोरेट परिसर (जिला आबकारी अधिकारी जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा के भू-तल कक्ष क्रमांक - 23) से प्राप्त की जा सकती है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला आबकारी अधिकारी
सह जिला प्रबंधक CSMCL
दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-252601344/3

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन्टा जिला सुकमा (छ.ग.)

e-mail ID: bpmukonta@gmail.com Fax/Phone No. 07866-261747

क्रमांक / 300/भोजन निविदा / 2025 — कोन्टा, दिनांक 03/06/2025
कुल पृष्ठ की संख्या : - 08

// द्वितीय निविदा आमंत्रित//
(केवल महिला स्व सहायता समूह हेतु)

निविदा कार्य	50 बिस्तर सामुदायकि स्वास्थ्य केन्द्र कोन्टा एवं 30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दोरनापाल, जिला-सुकमा (छ०ग०) में भर्ती अन्तः रोगी मरीजों एवं गर्भवती माताओं को जलपान-भोजन आहार प्रदाय हेतु निविदा वर्ष 2025-26 आदेश जारी होने के दिनांक से (अवधि 01 वर्ष तक)
निविदा प्रपत्र मूल्य	रू. 1000/- (रु. एक हजार मात्र) प्रत्येक निविदा का दर अलग- अलग होगा।
निविदा फार्म का विक्रय की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 23.06.2025 दोपहर 5:30 बजे तक
निविदा फार्म जमा करने हेतु निर्धारित तिथि एवं समय	दिनांक 30.06.2025 संध्या 03:00 बजे तक (केवल रजिस्टर्ड, स्पीड पोस्ट से, कार्यालय में सीधे निविदा स्वीकार नही किये जाएगें)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 30.06.2025 संध्या 04:00 बजे
अमानत राशि	रू. 81,000/- (रू. ईक्यासी हजार मात्र) 50 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन्टा एवं रू. 48,600 / - (अड़तालीस हजार छः सौ मात्र) 30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दोरनापाल का डिमांड ड्राफ्ट राष्ट्रीकृत बैंक का अध्यक्ष एवं सचिव जीवन दीप समिति कोन्टा के नाम से देय।
निविदा प्राप्त करने एवं जमा करने हेतु निर्धारित स्थान	कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन्टा, जिला-सुकमा (छ.ग.)

नोटः- निविदा की शर्ते एवं दरें हेतु प्रारूप निविदा फार्म के साथ दी जावेगी। इसके अलावा निविदा संबंधी समस्त जानकारी सुकमा जिले के वेबसाईट www.sukma.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पटल पर भी अवलोकन की जा सकती है।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन्टा
जिला - सुकमा (छ.ग.)

G-252601365/3

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार धमतरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत धमतरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार धमतरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक	-	12 जून 2025
नीलाम समय	-	प्रातः 9.00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली / खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली / खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/खूंटा नग में
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	3.496	5	196.932	4897	200.428	4902
बीजा	4.848	-	5.508	-	10.356	-
शीशम	-	-	0.116	-	0.116	-
हल्दू / मुण्डी	5.098	6	4.913	-	10.011	6
साजा	13.335	3	3.323	100	16.658	103
धावड़ा	18.842	-	-	-	18.842	-
पापड़ा	1.204	-	0.656	-	1.860	-
नीलगिरी	0.778	-	0.361	-	1.139	-
अन्य	107.944	423	7.465	1488	115.409	1911
योग-	155.545	437	219.274	6485	374.819	6922

जलाऊ

प्रजाति	काष्ठागार धमतरी		केन्द्रीय उपभोक्ता डिपो कुरूद	केन्द्रीय उपभोक्ता डिपो श्यामतराई पुराना बांस	कुरूद डिपो में पुराना बांस विभिन्न साईज के टुकड़ो में (साईज 5.50 मीटर)
	नया	पुराना	नया		
सागौन	11	26	-	-	-
अन्य	-	20	87	1923 नग	1000 नग
योगः-	11	46	87	1923 नग	1000 नग

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई- कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस.टी.सी. ई- कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट मे अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन- 07722-238371,
फैक्स -07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

G-252601361/3

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने समारू, पिता- श्री सूखूराम निवासी-वार्ड 21, कबीर नगर, कुगदा कुम्हारी तहसील भिलाई-3, जिला दुर्ग छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि, मौजा ग्राम - कुगदा, प.ह.नं. 13, रा.नि.मं. कुम्हारी, तहसील भिलाई - 3 जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर-328 / 6. (शामिल खसरा नंबर-328/7) कुल रकबा 0.3550 हेक्टेयर क्रय करने का सौदा पक्का कर अग्रिम ब्याना राशि अदा कर दिया गया है तथा मात्र पंजीयन कराना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदा एवं संव्यवहार पर किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनो के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज के आपत्ति प्रस्तुत करें। तत्पश्चात की गई कोई भी उजर, आपत्ति या दावा शून्य एवं अवैध माना जावेगा।

सो सूचना जाने तदानुसार कार्य करें।
रायपुर (छ.ग.)

मनोज सोनकर (अधिवक्ता)
मेन रोड सोनकर पारा शांति चौक पुरानी बस्ती रायपुर छ.ग.
मो.नं.- 98271-62611

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग क्र. - 1, रायपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25 / व. ले.लि. / 2024-25 दिनांक 20.12.2024 सिस्टम निविदा क्र. 162990 द्वारा "रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के कोल्हान नाला से बौली तालाब तक पाईप लाईन के माध्यम से जल भराव का कार्य" (प्रथम आमंत्रण) राशि रू. 143.03 लाख की निविदा आमंत्रित की गयी थी, संबंधित निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता हैं। अतः आमंत्रित निविदा सिस्टम क्रमांक 162990 निविदा सूचना क्रमांक 25 / व. ले.लि. / 2024-25 दिनांक 20.12.2024 (G- No 242504798 Dated 23.12.2024 S.No. 2) को एतद् द्वारा निरस्त की जाती हैं।

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 26/ व.ले.लि. / 2024-25 दिनांक 03.01.2025 सिस्टम निविदा क्र. 163758 द्वारा रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के कोल्हान नाला में कोटनी स्टापडेम से ठेला जलाशय तक पाईप लाईन का कार्य, इंटेकवेल एवं पंप हाऊस का कार्य (प्रथम आमंत्रण) राशि रू.207.01 लाख की निविदा आमंत्रित की गयी थी, संबंधित निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता हैं। अतः आमंत्रित निविदा सिस्टम क्रमांक 163758 निविदा सूचना क्रमांक 26/ व.ले.लि. / 2024-25 दिनांक 03.01.2025 (G- No 242505123 Dated 06.01.2025) को एतद् द्वारा निरस्त की जाती हैं।

सहपत्र :- शून्य।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्र. - 1, रायपुर (छ.ग.)

G-252601363/4

खबर संक्षेप

रुपया 29 पैसे टूटकर 85.90 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 29 पैसे टूटकर 85.90 पर बंद हुआ। जोखिम से बचने की धारणा और विदेशी कोषों की निकासी के कारण रुपये में गिरावट आई। रूस-यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण रुपये पर दबाव रहा।

स्कोडा ट्यूब्स का निर्गम 140 रुपए पर ही सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स का शेयर अपने निर्गम मूल्य 140 रुपये के बराबर ही बाजार में बुधवार को सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर शेयर ने 140 रुपये पर ही कारोबार की शुरुआत की। बाद में, बीएसई पर शेयर 4.96 प्रतिशत चढ़कर 146.95 रुपये पर जबकि एनएसई पर पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ 147 रुपये पर पहुंच गया।

एक दशक में नेस्ले इंडिया का कारोबार हुआ 2.5 गुना

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का कारोबार पिछले एक दशक में 2.5 गुना होकर 20,100 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। नेस्ले वर्ष 2015 में अपने उत्पाद 'मैगी' को लेकर खासे विवादों में घिरी थी। उस समय उसका सालाना कारोबार 8,100 करोड़ रुपये था।

मई में आईईएक्स के बिजली कारोबार की मात्रा 14% बढ़ी

नई दिल्ली। आईईएक्स के बिजली कारोबार की मात्रा मई में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1094.6 करोड़ यूनिट (एमयू) हो गई। आईईएक्स ने मई 2024 में 9,56.8 करोड़ यूनिट का मासिक बिजली व्यापार हासिल किया था। मई में कुल 17.43 लाख अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र का कारोबार हुआ जो सालाना आधार पर 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

जुनिपर ने महाराष्ट्र में सौर परियोजना की शुरू

नई दिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने महाराष्ट्र के चपलगांव में अपनी 145.99 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना के चालू होने की बुधवार को घोषणा की। इससे महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) को बिजली की आपूर्ति की जाएगी। संयंत्र को 22 मई 2025 को चालू किया गया।

हुंडई मोटर ने ओला इलेक्ट्रिक में अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर ने खुले बाजार के लेनदेन के जरिये ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी पूरी 2.47 प्रतिशत हिस्सेदारी 552 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई पर उपलब्ध थोक सौदे के हुंदै मोटर कंपनी ने बेंगलुरु स्थित ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में 10.88 करोड़ से अधिक शेयर यानी 2.47 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची। शेयरों का निपटान औसतन 50.70 रुपये प्रति शेयर के भाव पर किया गया, जिससे सौदे का मूल्य 551.96 करोड़ रुपये बैठता है।

एनवीडिया फिर बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी, माइक्रोसाफ्ट छूटी पीछे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट को एक बार फिर चिप कंपनी एनवीडिया ने पछाड़ दिया है और अब यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इक्विटी कारोबार में एनवीडिया के शेयर 3 प्रतिशत उछलकर 141.40 डॉलर पर पहुंच गई।

- दिग्गज कंपनी का मार्केट कैप 3 .45 लाख करोड़ पर पहुंचा

शेयरों की इस तेजी के साथ एआई चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी का मार्केट कैप 3.45 ट्रिलियन डॉलर यानी 3.45 लाख करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट भी बहुत पीछे नहीं है और इसका मार्केट कैप 3.44 ट्रिलियन डॉलर है। यह एनवीडिया की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता में एक और मील का पत्थर है, क्योंकि कंपनी एआई हार्डवेयर क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए हुए है। एक महीने में इसके शेयर करीब 24 प्रतिशत ऊपर चढ़े हैं।

दो साल से चल रही पहले स्थान की लड़ाई

एनवीडिया पहली बार दुनिया की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी नहीं बनी है। इससे पहले पिछली बार एआई चिप कंपनी ने 24 जनवरी को यह उपलब्धि हासिल की थी। आईफोन बनाने वाली एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट के साथ पहले स्थान की जंग तो वर्ष 2023 के मध्य से ही चल रही है।

इक्विटी कारोबार में कंपनी के शेयर तीन प्रतिशत उछले

कैसा है कारोबारी सेहत?

एनवीडिया को वर्ष 1993 में गेमिंग के लिए ग्राफिक चिप्स बनाने के लिए शुरू किया गया था। फिर एआई क्रांति ने इसे सिलिकॉन बैकबोन बना दिया। इसका जीपीयू कभी 3डी इमेज पेश करने के लिए डिजाइन किया गया था लेकिन अब यह पैरेलल डेटा प्रोसेसिंग के लिए अहम टूल बन गया है जो एआई के लिए काफी अहम है। अब एआई चिप कंपनी के कारोबारी सेहत की बात करें तो वित्त वर्ष 2026 (फरवरी-जनवरी) की पहली तिमाही फरवरी-अप्रैल 2025 में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 69.18 प्रतिशत उछलकर 4406.2 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान नेट इनकम भी 26.17 प्रतिशत बढ़कर 1877.5 करोड़ पर पहुंच गया।

एनवीडिया की तेजी को एआई दे रहा सपोर्ट

एनवीडिया की धमाकेदार ग्रोथ की वजह एआई चिप्स हैं जिनकी मांग बेतहाशा बढ़ रही है। इसका इस्तेमाल ओपनएआई के चैटजीपीटी से लेकर माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, गूगल, एमेजॉन, ओरेकल और एलॉन मस्क के एक्स एआई के लिए अहम एआई इंफ्रा में इसी की चिप का इस्तेमाल होता है। ये कंपनियां भारी-भरकम कंप्यूटिंग क्लस्टर्स बनाने के लिए अरबों डॉलर लगा रही हैं और सभी एनवीडिया के हार्डवेयर पर ही निर्भर हैं।

मिलने वाली राशि आतंकवाद के वित्तपोषण में उपयोग से भारत चिंतित

भारत ने एडीबी से पाकिस्तान को मिलने वाली वित्तीय सहायता पर कड़ा विरोध जताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने बहुपक्षीय संस्थानों से पाकिस्तान को मिलने वाली राशि आतंकवाद के वित्तपोषण और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने को लेकर चिंता जताते हुए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पड़ोसी देश को दी जाने वाली किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता पर कड़ा विरोध जताया है।

सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एडीबी ने हाल ही में पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के आर्थिक पैकेज को मंजूरी दी है। यह राशि पाकिस्तान की राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही है।

सलाहकार मंत्री ने भी दी गारंटी

वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने एक बयान में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कुल राशि में 30 करोड़ डॉलर का नीति-आधारित ऋण और 50 करोड़ डॉलर की कार्यक्रम-आधारित गारंटी शामिल है।

सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा

सूत्र ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान की मौजूदा शासन प्रणाली को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताई है, जो क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए लगातार गंभीर खतरा बनी हुई है। सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने की इसकी नीति ने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को खराब कर दिया है और पाकिस्तान के लिए व्यापक आर्थिक जोखिम को काफी हद तक बढ़ा दिया है, जिससे एडीबी के लिए भी उद्यम जोखिम बढ़ गया है।

एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करने में ढीला रवैया

भारत ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की सिफारिशों को लागू करने में पाकिस्तान के ढीले रुख को भी सामने रखा है। सूत्र ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण की जांच और संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी सरगनाओं के अभियोजन और आपराधिक संपत्तियों को जब्त करने के मामले में प्रगति असंतोषजनक है।

- एडीबी ने पाक के लिए 80 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज मंजूर किया
- राशि पाक को वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही
- पाकिस्तान के कर संग्रह में 13 फीसदी की गिरावट दर्ज

पाक के रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि

दूसरी तरफ, इसी अवधि में इसके रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सूत्र ने कहा, ''ये आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान को विशेष रूप से जो राशि नीति-आधारित कर्ज के रूप में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से मिलती है, उसका उपयोग विकास कार्यों की जगह रक्षा व्यय बढ़ाने में किया जाता है।''

कार्यान्वयन पर एडीबी नजर रखेंगा : भारत ने उम्मीद जताई है कि एडीबी वांछित नतीजे हासिल करने के लिए नीतियों के कार्यान्वयन पर करीबी नजर रखेगा। 2017-18 में 13 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 9.2 प्रतिशत रह गया है ।

आर्थिक मामलों का ट्रैक रिकॉर्ड दर्ज

पाकिस्तान के आर्थिक मामलों में सेना का दखल बढ़ा है। दूसरी तरफ उसके विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का 'ट्रैक रिकॉर्ड' अच्छा नहीं है। इससे नीतिगत चूक और सुधारों की स्थिति बिगड़ने का जोखिम है। पूर्व में भी ऐसा देखने को मिला है। यहां तक कि नागरिक सरकार के सत्ता में होने पर भी सेना घरेलू राजनीति में एक बड़ी भूमिका निभाती है और अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ बढ़ाती है।

पाक में नीतिगत सुधार एडीबी द्वारा संचालित

इसके अलावा, पिछले कई वर्षों में पाकिस्तान में नीतिगत सुधार मुख्य रूप से एडीबी सहित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बाहरी समर्थन द्वारा संचालित किए गए हैं। बाहरी समर्थन पर बहुत अधिक निर्भरता स्थानीय स्वामित्व को कमजोर करती है और निर्भरता का एक चक्र बनाती है।

अविनाश ग्रुपः 'क्लब उत्सव' 7 जून को होगा लांच

रायपुर। रियल एस्टेट क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अविनाश ग्रुप अपने प्रीमियम प्रोजेक्ट अविनाश चितवन में सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा रेसिडेंशियल क्लब 'क्लब उत्सव' शनिवार, 7 जून को लांच करने जा रही है। करीब 60,000 वर्ग फीट में फैला यह क्लब आधुनिक जीवनशैली की सभी ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। क्लब उत्सव में कुल 57 अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो पहली बार किसी रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट में इस स्तर पर दी जा रही हैं। इनमें इंडोर और आउटडोर गेम्स एरिया, स्वीमिंग पूल, मिनी थियेटर, रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया, गेस्ट रूम्स, पार्टी हॉल, जिम और योगा हॉल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। क्लब का डिजाइन इस प्रकार तैयार किया गया है कि यह हर आयु वर्ग के निवासियों की जरूरतों को पूरा कर सके। अविनाश ग्रुप के डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल ने बताया कि क्लब उत्सव का उद्देश्य निवासियों को एक वेलनेस और लग्जरी जीवनशैली प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह क्लब पूरे छत्तीसगढ़ और सेंट्रल इंडिया में रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगा।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट थमी

मुंबई । स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 261 अंक के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 78 अंक की तेजी आई। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका में रोजगार के उम्मीद से बेहतर आंकड़ों तथा अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति के बीच इस सप्ताह व्यापार वार्ता पर बातचीत के कारण भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 260.74 अंक की तेजी के साथ 80,998.25 अंक पर बंद हुआ।

चांदी में 1900 रुपए का उछाल, सोना मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मजबूती के संकेतों के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 260 रुपये बढ़कर 99,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 100 रुपये बढ़कर 98,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

- सोना 260 रुपए बढ़कर 99,260 रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी उछाल के साथ 1,02,200 रुपए प्रति किलोग्राम

भारत ने वैश्विक भंडार में 12 टन सोना जोड़ा

अप्रैल में, केंद्रीय बैंकों ने वैश्विक भंडार में कुल 12 टन सोना जोड़ा है। हालांकि, खरीद की गति धीमी हो गई है, जो पिछले महीने की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। गांधी ने कहा कि खरीद में गिरावट के बावजूद केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने भंडार में सोने को जोड़ने का सिलसिला कायम रहेगा।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के साथ-साथ आर्थिक चिंताओं और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण बुधवार को सोने में थोड़ा सकारात्मक रुख दिखा, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में इस बहुमूल्य धातु की अपील को समर्थन मिला।''

वेदांता ने 4,100 करोड़ रुपए जुटाने बांड निर्गम किया पेश

नई दिल्ली। खनन समूह वेदांता मौजूदा कर्ज चुकाने और पूंजीगत व्यय की जरूरतों को पूरा करने के लिए बिना गारंटी वाले गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 4,100 करोड़ रुपये जुटा रहा है। आवंटन ज्ञापन के मुताबिक, इसमें ग्रीनशू यानी अधिक अभिदान आने पर उसे रखने के विकल्प को मिलाकर कुल 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की अनुमति दी गई है। वेदांता का डिबेंचर निर्गम चार जून को बंद हो रहा है। वेदांता लिमिटेड डिबेंचर आवंटन के जरिये जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों, मौजूदा कर्ज के पुनर्भुगतान/ पूर्व-भुगतान और पूंजीगत व्यय जरूरतों के लिए करेगी। सूत्रों ने कहा कि वेदांता अपने मजबूत नकदी प्रवाह और मौजूदा विकास परियोजनाओं का जोर-शोर से प्रचार कर रही है और पहले ही बड़े निवेशकों का साथ पाने में कामयाब रही है।

भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में मोटे तौर पर स्थिर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- मांग की स्थिति बेहतर रही
- नए ग्राहक मिलने से समर्थन मिला

भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में मोटे तौर पर स्थिर रही। इसे मांग की बेहतर स्थिति, नए ग्राहक मिलने आदि जैसे कारकों से समर्थन मिला। बुधवार को जारी एक मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई में 58.8 रहा जो अप्रैल में 58.7 पर था। यह आंकड़ा विस्तार की एक और तीव्र दर का संकेत देता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी में भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत का सेवा पीएमआई मई 2025 में 58.8 रहा जो हालिया वृद्धि के अनुरूप मोटे तौर पर स्थिर है। मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग ने सेवा गतिविधि को बढ़ावा देना जारी रखा, जैसा कि अप्रैल से नए निर्यात व्यापार सूचकांक में उछाल से स्पष्ट है। सर्वेक्षण के अनुसार, नए ऑर्डर में तीव्र वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से विज्ञापन, मांग की मजबूती और मौजूदा ग्राहकों से दोबारा मिले ऑर्डर के कारण हुई।

ओवरटाइम से कंपनियों की लागत बढ़ी

कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि और 'ओवरटाइम' भुगतान के कारण कंपनियों की लागत में वृद्धि हुई। कुछ कंपनियों ने खाना पकाने के तेल, सामग्री और मांस पर अधिक व्यय का भी हवाला दिया। इस बीच, 'एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक' मई में 59.3 रहा जो अप्रैल में 59.7 था।

आदित्य बिड़ला फैशन से बाहर निकली फ्लिपकार्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने बुधवार को आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल (एबीएफआरएल) में अपनी समूची छह प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये 588 करोड़ रुपये में बेच दी। इन शेयरों की बिक्री के साथ ही फ्लिपकार्ट एबीएफआरएल से पूरी तरह अलग हो गई है।

- छह प्रतिशत हिस्सेदारी 588 करोड़ रुपए में बेची

उसके पास पैंटालून्स, वैन ह्यूसेन और लुइस फिलिप जैसे परिधान ब्रांड हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु स्थित फ्लिपकार्ट ने अपनी अनुषंगी फ्लिपकार्ट इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के जरिये एबीएफआरएल में छह प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 7,31,70,731 शेयर बेचे।

एबीएफआरएल के शेयर 10.37 फीसदी टूटे

एनएसई पर एबीएफआरएल के शेयर 10.37 प्रतिशत गिरकर 77.08 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। अक्टूबर, 2020 में आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी एबीएफआरएल ने फ्लिपकार्ट समूह से 1,500 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की घोषणा की थी।

रिलायंस इंफ्रा को मिली बढ़ी राहत

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़ी राहत देते हुए कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने उसकी अपील पर सुनवाई के बाद एनसीएलटी के आदेश पर रोक लगा दी है। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा, ''राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ द्वारा पारित 30 मई, 2025 के आदेश को निलंबित कर दिया गया है, जिसमें कंपनी को कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में भेजने का निर्देश दिया गया था।

- एनसीएलएटी ने रिलायंस इन्फ्रा के खिलाफ दिवाला कार्यवाही रोकी

स्पेन में भी बिकेगा अब अमूल का दूध

एजेंसी ▶▶| मुंबई

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (अमूल) ने बुधवार को घोषणा की कि उसने स्पेन और यूरोपीय संघ में अमूल दूध पेश करने के लिए स्पेन की पहली स्तरीय सहकारी संस्था कोऑपरेटिव गनेडेरा डेल वैले डे लॉस पेड्रोचेस (सीओवीएपी) के साथ साझेदारी की है।

इस साझेदारी के जरिये अमूल दूध को शुरुआत में मैड्रिड, बार्सिलोना और बाद में पुर्तगाल के मलागा, वालेंसिया, एलिकांटे, सेविले, कॉर्डोबा और लिस्बन में पेश किया जाएगा। अमूल के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने कहा, ''हम एक बहुत ही प्रतिष्ठित स्पेनिश डेयरी सहकारी संस्था सीओवीएपी के साथ जुड़कर बहुत सम्मानित और प्रसन्न हैं।''मेहता ने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि वर्ष 2025 में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में, हमारी टीम अमूल ब्रांड को दुनिया भर में हर भारतीय को परस्पर करीब लाएगी और सहकारी समितियों के बीच सहयोग की शक्ति का प्रदर्शन करेगी।''

- जीसीएमएमएफ की सीओवीएपी के साथ भागीदारी

स्पेन में ब्रांड बढ़ाने में मदद मिलेगी
सीओवीएपी के अध्यक्ष रिकार्डो डेलगाडो विज़कैनो ने कहा, ''अमूल के साथ यह साझेदारी हमें स्पेन में अपने ब्रांड को बढ़ाने में मदद करने के लिए एक और सहकारी के साथ काम करने की अनुमति देता है, जिससे न केवल हमारे अपने डेयरी किसान सदस्यों को बल्कि भारत के भी डेयरी किसान सदस्यों को लाभ होगा।''

मुहर का उपयोग करके सेबी अधिकारी होने का झूठा दावा

सेबी ने संचार को लेकर निवेशकों को किया आगाह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि कथित तौर पर उसके अधिकारी की तरफ से संचार भेजकर निवेशकों से सूचना और पैसे की मांग किए जाने पर निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

- सेबी निवेशकों से किसी भी प्रकार के पैसों की मांग नहीं करती

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का यह चेतावनी भरा बयान उसके संज्ञान में इस तरह का मामला आने के बाद आया है। सेबी को पता चला है कि कुछ व्यक्तियों को भेजे गए संदेश में प्रेषक ने नियामक के लेटरहेड, लोगो और मुहर का उपयोग करके सेबी का अधिकारी होने का झूठा दावा किया।

हर आदेश पर विशिष्ट संदर्भ संख्या होती है

सेबी ने कहा कि उसके द्वारा पारित हरेक आदेश में एक विशिष्ट संदर्भ संख्या होती है। यह विशिष्ट संख्या सेबी के सभी आधिकारिक संचार, जैसे पत्र, नोटिस, कारण बताओ नोटिस और इसके द्वारा जारी किए गए समन में दर्ज होती है।

संचार को सेबी के कथित वेबसाइट से सत्यापित कर लें

बाजार नियामक ने इस तरह की धोखाधड़ी का जिक्र करते हुए जनता या निवेशकों को सलाह दी है कि वे सेबी के कथित संचार को नियामक की आधिकारिक वेबसाइट से सत्यापित कर लें। इसके साथ ही निवेशकों को सेबी की ओर से सूचना या भुगतान की मांग करने वाले संचार/ प्रेषकों से निपटने के दौरान सतर्क रहने के लिए भी कहा गया है।

फर्जी बिक्री प्रमाण पत्र भी जारी किए
कुछ मामलों में, प्रेषक ने सोशल मीडिया मंचों के जरिये नोटिस जारी कर कहा कि कार्रवाई से रोकने के लिए निवेशक को जुर्माना भरना होगा। प्रेषक ने यह दिखाने के लिए फर्जी बिक्री प्रमाण पत्र भी जारी किया कि पीएसीएल की संपत्ति खरीदी गई। इसके अलावा तीसरे पक्ष के विक्रेता खाते के उपयोग का नकली प्रमाण पत्र भी जारी किया गया।

सेबी के सभी आदेश वेबसाइट पर उपलब्ध : सेबी के सभी आदेश, आधिकारिक संचार और वसूली प्रमाण पत्र इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, सेबी ने दस्तावेज सत्यापन प्रणाली भी लागू की है जो दस्तावेजों की सत्यता की जांच करने की सुविधा देती है।

रॉयल चैंपियन का ग्रैंड सेलिब्रेशन... सड़कों पर लाल रंग का जनसैलाब

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का सम्मान करने लाखों दर्शक सड़क पर उतर गए। जैसे ही टीम चमचमाती ट्रॉफी के साथ बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उतरी, फैंस अपने चहेते क्रिकेटर्स के स्वागत के लिए तैयार थे। एयरपोर्ट से लेकर टीम होटल और कर्नाटक विधानसभा के बाहर तक लाखों प्रशंसकों का भारी हुजूम लगा हुआ था। विक्ट्री परेड विधानसभा से कर्नाटक विधानसभा तक किया गया। एयरपोर्ट पर कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आरसीबी के खिलाड़ियों का स्वागत किया।

कर्नाटक सरकार ने विधानसभा में 18 साल में पहला आईपीएल खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम को सम्मानित किया। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम का विधान सभा के सामने बनी भव्य सीढ़ियों पर स्वागत किया। एक छोटे से कार्यक्रम में खिलाड़ियों को मैसुरु फेटा (पारंपरिक पगड़ी) , शॉल और पुष्पमाला पहनाई गई। इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी तादाद में प्रशंसक जमा थे।

तुमने मुझे 18 साल इंतजार कराया...

अठारह साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मैदान पर उमड़े आंसुओं और अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मनाने के बाद विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'इस टीम ने यह सपना सच कर दिया। इस सत्र को मैं कभी नहीं भुला सकूंगा। हमने पिछले ढाई महीने में इस सफर का पूरा मजा लिया। यह आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिए है जिन्होंने खराब से खराब समय में भी टीम का साथ नहीं छोड़ा। यह बरसों की निराशाओं और दिल टूटने के सिलसिले के लिए है। यह टीम के लिए खेलते समय एक ही पल के योगदान के लिए है। जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है तो .. तुमने मुझे तुम्हे थामने और जश्न मनाने के लिए 18 साल तक इंतजार कराया लेकिन यह पल इंतजार के लायक था।'

ई साला कप नामडू : रजत

जब आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने 18 साल के टीम के इंतजार के बाद कहा 'ई साला कप नामडू' (इस साल कप हमारा है) तो प्रशंसक खुशी से चीख उठे। लेकिन जब उन्होंने कहा, 'इसके सबसे ज्यादा हकदार विराट कोहली हैं ' तो शोर कई गुना बढ़ गया। पाटीदार ने कहा, 'मेरे लिए यह खास है, विराट कोहली और सभी प्रशंसकों के लिए। जिन्होंने इतने साल तक टीम का साथ दिया, वे सभी इसके हकदार हैं। मेरे लिए यह बड़ा मौका है और मैने बहुत कुछ सीखा है। इसके हकदार सबसे ज्यादा विराट कोहली हैं।'

18 सत्र का इंतजार खत्म

फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी। आरसीबी आईपीएल चैंपियन बनने वाली आठवीं टीम है।

खबर संक्षेप

चाइनामैन कुलदीप ने वंशिका से की सगाई...

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में चाइनामैन के नाम से प्रसिद्ध कुलदीप यादव ने अपनी बचपन की दोस्त से सगाई कर ली। लखनऊ में बुधवार को आयोजित एक समारोह में कुलदीप की सगाई की रस्म हुई। समारोह में यूपी के कई स्टार क्रिकेटर और परिवार के लोग शामिल हुए। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले स्टार स्पिनर ने चुपके से सगाई कर ली। सगाई कार्यक्रम प्राइवेट रखा गया। लखनऊ में हुए समारोह में भारतीय टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और वंशिका की सगाई की रस्म हुई। बता दें कि वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं और वह एलआईसी में कार्यरत हैं। वंशिका और कुलदीप यादव बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई और अब दोनों ने सगाई कर ली।

जब तक खेलूंगा, आरसीबी के लिए ही खेलूंगा : कोहली

बेंगलुरु। कमेंटेटर मैथ्यू हेडन ने जब कोहली से पूछा कि वनडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद इस खिताब को वह कहां रखते हैं, कोहली ने कहा, 'यह भी ऊपर है। मैने पिछले 18 साल में इस टीम को सब कुछ दिया। इस टीम के साथ ही रहा। मैं टीम के साथ रहा और टीम मेरे साथ। मैने हमेशा इस टीम के साथ जीतने का सपना देखा था। मेरा दिल बेंगलुरु में है और आत्मा भी। मैं जब तक आईपीएल खेलूंगा, बेंगलुरु के लिए ही खेलूंगा।'

टेस्ट क्रिकेट अभी भी टी20 से पांच पायदान ऊपर

अहमदाबाद। खिताब जीतने के बाद विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर किया। उन्होंने आरसीबी के खिताब जीतने के बाद मैथ्यू हेडन से कहा, 'मेरे कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ पलों में से यह एक है। लेकिन फिर भी यह टेस्ट क्रिकेट से पांच पायदान नीचे है। मेरी नजर में टेस्ट क्रिकेट की इतनी इज्जत है। मैं युवाओं से इतना ही आग्रह करुंगा कि टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करें। अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा खेलोगे तो दुनिया में कहीं भी जाओगे तो लोग तुम्हारा सम्मान करेंगे। अगर दुनिया में क्रिकेट में सम्मान पाना है तो टेस्ट क्रिकेट खेलो और अपना सब कुछ उसे दे दो।'

मुसेटी का सेमीफाइनल में अल्काराज से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| पेरिस

लोरेंजो मुसेटी ने अपने बैकहैंड का शानदार इस्तेमाल करते हुए फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह पक्की की।

इटली के 23 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले साल इसी स्टेडियम में ओलंपिक का कांस्य पदक जीता था। फाइनल में जगह पक्की करने के लिए मुसेटी सामने अब गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज की चुनौती होगी। अल्काराज को 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल को 6-0 6-1 6-4 से हराने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। महिलाओं के मुकाबलों में तीन बार की गत

विजेता इगा स्वियातेक और आर्यना सबालेंका दोनों ने सीधे सेटों में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। इन दोनों के बीच होने वाले अंतिम चार का मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट के नए 'कैप्टन कूल' के तौर पर उभरे अय्यर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स के 10 साल के खिताबी सूखे को पिछले बरस खत्म करने वाले श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन बनाने से बेहद मामूली अंतर से चूक गए। लेकिन उन्होंने खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो

सकती है। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद अय्यर आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ऐसा किया है। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए काफी बड़ी बात है, जिसे इस महीने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है।

धोनी जैसा संयम रवैया

तीन जून 2025 के बाद श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक माना जाना चाहिए। अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया के साथ मुंबई के उनके सीनियर रोहित शर्मा की तरह एक 'बिंदास मुंबईकर' के मिश्रण का पुट दिखा।

अंडर 14 : एशियाई रैंकिंग जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में जीते नमन, दैविक और इशिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के इंटरनेशनल टेनिस अकादमी में 30 मई से 7 जून 2025 तक आयोजित एशियाई रैंकिंग जूनियर अंडर14 टेनिस टूर्नामेंट में भारत, चीन और जापान के कुल 68 प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

इस टूर्नामेंट का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य टेनिस संघ और छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने मिलकर किया है। बुधवार को खेले गए मैच में बालक एकल क्वार्टर फाइनल में नमन बोरा ने आदित्य वाडकर को 6-4, 6-2 से, दैविक कल्वाकुंटा ने हरिहरन महामुनि को 6-0, 6-1, सुयश पटनायक ने प्रणव गायकवाड़ को 6-4, 6-3, सत्य पार्थिव चिंतागुंटा ने मानव पटेल को 6-4, 6-2, कृषिका गौतम ने रितिका देशपांडे को 6-1, 6-0, परिनिता वट्टाप्रम्बिल ने नायशा छिल्लर को 6-0, 6-4, एस सूर्यवंशी ने सुरमयी साठे को 6-1, 6-1, इशिता श्रीयाला ने राजू सानवी 3-6 रिटायर, रिद्धिमा मलिक ने जाह्नवी शॉ को 6-1, 3-6, 6-4, सातवी मर्दानिया ने सुमित शुभी को 6-4, 6-4 से हराया। संचयन दास ने राघवी जाजू को 6-1, 6-1 और एसके शाज़फ़ा शरण्या सावंत को 6-2, 6-2 से मात दी।

इंग्लैंड ने वनडे में वेस्टइंडीज का 3-0 से किया सूपड़ा साफ

एजेंसी ▶▶| लंदन

इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के बारिश से प्रभावित आखिरी एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को सात विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड ने इसके साथ ही इस श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया। दोनों टीमें अब शुक्रवार से तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भिड़ेंगी। स्मिथ ने 28 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में 10 चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन बनाने के साथ पहले विकेट के लिए बेन डकेट (58) के साथ 93 रन की साझेदारी की जिससे इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 ओवर में जीत के लिए मिले 246 रन के लक्ष्य को 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। मैच में दो बार देरी हुई। वेस्टइंडीज की टीम बस ट्रैफिक लाइट की खराबी के कारण काफी देर तक फंसी रही।

गुकेश नॉर्वे चेस में नाकामुरा से हारे

स्टवांगेर। अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारु नाकामुरा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश की क्लासिकल प्रारूप में लगातार जीत के सिलसिले को तोड़ते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए, जबकि अर्जुन एरिगैसी ने नॉर्वे शतरंज में फैबियानो कारुआना को हराकर फिर से खिताबी दौड़ में वापसी की। शुरुआती मुकाबलों में पिछड़ने के बाद गुकेश ने इस प्रतियोगिता में लय हासिल कर शानदार वापसी की थी। भारतीय खिलाड़ी एरिगैसी ने आठवें दौर के अहम मुकाबले में सफेद मोहरों से खेल रहे नॉर्वे शतरंज के पूर्व चैंपियन कारुआना को 'टाइम' प्रारूप में हराकर शानदार जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में अब दो और दो बचे हुए हैं और गुकेश 11.5 अंकों के साथ नाकामुरा के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, बिशनखेड़ी, भोपाल-462044
प्रवेश सूचना 2025-26
विश्वविद्यालय के भोपाल एवं रीवा परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संचालित होने वाले पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रसारण पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, नवीन मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शोध, मीडिया व्यवसाय प्रबंधन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स एवं एनिमेशन, वाणिज्य, ई-कॉमर्स, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, हिन्दी भाषा एवं अनुवाद तथा इंग्लिश जर्नलिज्म के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन **16 जून 2025 की मध्यरात्रि तक** किए जा सकते हैं।
अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.mcu.ac.in
ऑनलाइन आवेदन के लिए विजिट करें https://mcrpv.mponline.gov.in/portal/
म.प्र. माध्यम/120402/2025
कुलसचिव

आरसीबी की जीत देखने के लिए दूल्हे ने रोकी शादी, सबके साथ मनाया जश्न

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने आखिरकार वो कर दिखाया, जिसका उनके फैंस को 18 साल से इंतजार था। टीम ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया और ये पल फैंस के लिए बेहद खास बन गया। जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर आरसीबी का ही बोलबाला हो गया। इसी बीच एक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक शादी समारोह के दौरान मेहमानों ने आरसीबी की जीत का आखिरी लम्हा देखने के लिए विवाह की सभी रस्में कुछ समय के लिए रोक दीं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दूल्हा-दुल्हन से लेकर घराती-बाराती तक, सबकी नजरें टीवी स्क्रीन पर थीं, जहां आरसीबी जीत की ओर बढ़ रही थी। इस वीडियो ने सभी आरसीबी समर्थकों का दिल जीत लिया है।

रात 3 बजे शनिचरी बाजार में लगी भीषण आग, दो दर्जन दुकान जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

मंगलवार की रात 3 बजे शनिचरी बाजार की दुकानों में आग लग गई। देखते ही देखते 20 से 22 दुकानों के आग की चपेट में आने से हंगामा मच गया। चौकीदार की सूचना पर पुलिस दमकल कर्मी व व्यापारी बाजार पहुंच गए। 23 दमकल पानी से 5 घण्टे बाद आग पर काबू पाया गया है। आग की चपेट में आकर सभी दुकानों के सामान जलकर नष्ट हो गए। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

■ 23 दमकल पानी से 5 घंटे बाद बुझाई गई आग

कोतवाली पुलिस के अनुसार, मंगलवार की रात शनिचरी बाजार बिलासा चौक के आगे चौकीदार दुकानों की सुरक्षा में तैनात था। रात 3 बजे उसे एक दुकान से आग की लपटें निकलती दिखी, उसने तत्काल आसपास की दुकानों के व्यापारियों व कोतवाली पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते आग ने भंयकर रूप ले लिया और कास्मेटिक, मनिहारी, फैंसी, जूता दुकान, होटल, किराना दुकान सहित 20 से 22 दुकानें आग की चपेट में आ गईं। मौके पर व्यापारी पहुंचे और लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। व्यापारी पानी डालकर आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। इसी दौरान एसडीआरएफ की टीम दो दमकल लेकर बाजार पहुंच गई। उस दौरान आग ने भयंकर रूप ले लिया था। भीषण आग को देखते हुए एसईसीएल सहित अन्य स्थानों से दमकल मंगाए गए। 23 दमकल पानी से सुबह 8 बजे आग पर काबू पाया गया है। भीषण आग की चपेट में सभी दुकानों का सामान जलकर राख हो गया है। व्यापारियों का कहना है आग से उनकी दुकानों में रखा लगभग सवा करोड़ का सामान जलकर नष्ट हो गया है। शार्टसर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

गली में नहीं घुस पाई दमकल : शनिचरी बाजार के अंदर लाइन से दुकानें बनी हुई हैं, लोगों के आने जाने के लिए संकरी गली है, जिससे खरीददारी करने जाने वालों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दूकानों में भीषण आग लगने से दमकल अंदर नहीं घुस पाई। सड़क पर दमकल खड़े कर पाइप जोड़कर आग बुझाने का प्रयास किया गया है।

समुचित व्यवस्था नहीं

चौकीदार ने दुकान में आग देखकर व्यापारियों व पुलिस को सूचना दी। पुलिस व सभी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। आग की चपेट में आकर 20 से 22 दुकानें जल गई हैं। शनिचरी बाजार संभाग का सबसे बड़ा बाजार है। बाजार की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जो नहीं है।

महेश दुबे शनिचरी व्यापारी संघ संरक्षक

नुकसान की जानकारी जुटा रहे

रात 3 बजे शनिचरी बाजार के दुकानों में आग लगी थी। कास्मेटिक, मनिहारी, जूता चप्पल, होटल सहित 17 से 18 दुकानें जल गई हैं। व्यापारी आगजनी में नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं। देर रात तक आगजनी की रिपोर्ट नहीं लिखाई गई थी।

विवेक पाण्डेय कोतवाली टीआई

खतरे की घंटी! अंटार्कटिक में बर्फ की चादर पिघलने की कगार पर

ओस्लो। हाल ही में हुए एक नए अध्ययन के अनुसार अंटार्टिक में मौजूद बर्फ की चादर, जिससे समुद्र का स्तर बढ़ने का सबसे अधिक खतरा है, अब लगभग पिघलने के बिंदु तक पहुंच चुकी है। अब इसके आगे बर्फ की चादर पिघलना बंद नहीं हो सकती चाहे ग्लोबल वॉर्मिंग को रोक दिया जाए या पूरी तरह से उलट दिया जाए। विज्ञान की भाषा में कहें को इसे हिस्टैरिसिस कहते हैं। इसका मतलब है कि यह प्रक्रिया अब एक ऐसे लूप में प्रवेश कर चुकी है जो घटित होती रह सकती है। नॉर्वे के अनुसंधान संगठन नोरसे रिसर्च, यूनाइटेड किंगडम के नॉर्थम्ब्रिया विश्वविद्यालय और जर्मनी के पॉट्सडैम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिक बर्फ की चादर में हिस्टैरिसीस व्यवहार की पुष्टि की है।

ओम हॉस्पिटल
NABH Entry Level
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक विभाग
• हर्निया • चर्बी की गांठ • फिस्टुला
• अपेंडिक्स गठान स्तन में बनने वाली गांठ
• दूरबीन से होने वाली समस्त सर्जरी
• पेट से संबंधित समस्त सर्जरी • पाइल्स
• लेजर द्वारा बवासीर का ईलाज
• दूरबीन से हर्निया व गॉल ब्लैडर सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
ओम डेन्टल हॉस्पिटल, समता कॉलोनी,रायपुर (छ.ग.) मो. 8305948040
#Rajesh

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

शांति मिलन

श्री रामजीलाल जी अग्रवाल
अत्यंत दुख के साथ सुचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य श्री रामजीलाल जी अग्रवाल अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर दिनांक 24 मई 2025, शनिवार को गौ-लोक सिधार गए हैं। जिनकी आत्मा की शांति निमित्त...
-श्रद्धांजलि सभा-
शांति मिलन - सायं 4:00 से 7:00 बजे
गरुड़ पुराण एवं पगड़ी रस्म - सायं 4:00 बजे
दिनांक - 5 जून 2025, गुरुवार
स्थान - रॉयल कोर्ट हॉल, बेबीलोन इंटरनेशनल वी.आई.पी. रोड, रायपुर
शोक संतप्त
बृजमोहन अग्रवाल (पुत्र)
सांसद एवं पूर्व मंत्री, छत्तीसगढ़
शोकाकुल
बिशन लाल अग्रवाल (भाई)
शोकाकुल
पुत्र - गोपालकृष्ण अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल
भतीजे - पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल
संतोष अग्रवाल (भांजा), मनोज अग्रवाल (बबलू) (नाती)
पोते - मनोज, प्रकाश, सुमीत, मुकेश, गौरव, आशीष, समीर, कुमार मंगलम्, अभिषेक, अक्षत, अमित, विवेक, मयंक, पीयूष, करण, दिव्यम, आदित्य, आयुष, तन्मय, सत्यम एवं समस्त अग्रवाल परिवार
फर्म - पूरण दाल मिल, रामसागर पारा रायपुर, छत्तीसगढ़
#Rajesh
संपर्कः
विजय अग्रवाल- 9425202901, दिव्यम अग्रवाल- 9009864000, आदित्य अग्रवाल- 8377860162

LOVED IN 100 COUNTRIES
BAJAJ
THE WORLD'S FAVOURITE INDIAN
2 CRORE pulsar CELEBRATION
SAVE UP TO ₹8 980/-*

N160
सिंगल सीट ड्युअल चैनल ABS के साथ
₹1.27* L
NS125
सबसे पावरफुल 125 अब ABS के साथ
₹1.12* L
2 करोड़ पल्सरमेनियाक्स के पल्सर ट्राइब में हो जाइए शामिल डाउन-पेमेंट शुरू ₹5 178/-*

	125 NEON	NS125 BASE	NS160 BASE	N160 USD	N250
बचत	-	-	₹9 075/-	₹5 658/-	₹8 986/-
स्पेशल क़ीमत	₹85 478/-	₹99 994/-	₹1 31 507/-	₹1 37 952/-	₹1 44 461/-

*एक्स-शोरूम क़ीमत *NS160 में भी उपलब्ध
pulsar DEFINITELY DARING
Ogilvy HN
72198 21111 | BAJAJ SECURE | BAJAJ CREDIT
*नियम और शर्तें लागू. *एक्स-शोरूम क़ीमत दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स के लिए है. क़ीमत संशोधन बनाम दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स की एक्स-शोरूम क़ीमत 31 मार्च 2025 के अनुसार. *पल्सर 125 नियॉन के लिए डाउन-पेमेंट मार्जिन मनी है। मार्जिन मनी में DCC शुल्क, प्रोसेसिंग फीस, अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं और यह क्रेडिट मापदंडों की पूर्ति पर आधारित है. बजाज ऑटो के पास बिना पूर्व सूचना के किसी भी या सभी ऑफ़र्स को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नक़ल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. एएमसी विशेष मॉडल्स और विशेष राज्यों में ही उपलब्ध है. अधिक जानकारी के लिए बजाज डीलर से संपर्क करें. रोड साइड सहायता अन्य पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और वह उनके नियम और शर्तों के अधीन होती है.
Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: **Raipur:** Ashram Chowk (GE Road) VANDANA BAJAJ 7714083955,9713540079, Telibandha 7714083955•Devpuri Raipur ARUN BAJAJ 9770420235 • **Baloda Bazar** ARUN BAJAJ 90009399506 • **Bhatapara** ARUN BAJAJ 7828353259 • **Bhilai** AVN BAJAJ 7884252700, 9644066266 • **Durg** VENKATESH BAJAJ 4060122,8982005707 • **Dhamtari** TIRUPATI BAJAJ 9516872343, 7987872343 • **Kanker** TIRUPATI BAJAJ 7587841176 • **Bhanupratappur** TIRUPATI BAJAJ 9977911298 • **Jagdalpur** T M BAJAJ 9986433880, 9425592466 • **Mahasamund** BHAWANI BAJAJ 9424205048, 224789 •**Saraipali** BHAWANI BAJAJ 9424211576 • **Rajnandgaon** KAKKAD BAJAJ 9301111111 **Dongargarh** KAKKAD BAJAJ 9028597766 • **Kawardha** CHANDRAYAN BAJAJ 8435158906 **Pandatarai** CHANDRAYAN BAJAJ 8435158906. **Authorised Service Centre:** Abhanpur 9425510725, Ahiwara 8719067333, Ambagarh Chowki 9111155511, Arang 8224026403,8770906243, Bagbahara 9926161553, Balod 9770186691, Bakhara 7000627684, Basna 9753408127, Bemetra 8319906176, Berla 9644045882, Chandrakhuri 9826764123, Charama 9406445493, Charoda 990744880, Chhuriya 7999113621, Dallirajhara 9589956199, , Dantewada 9425594844, Dongargaon 8770405245, Farasgaon 9986433880 ,Gariyaband 7777888487, Gidhori 9425202238, Gunderdehi 9752027700, Jhalap 9753559579, Kasdol 9826142260, Keshkal 9986433880, Khairagarh 7470888488, Komakhan 8319131967, Kondagaon 9986433880, Kurud 7470499500, Nagri 9109099900, Nawagarh 9981235777, Nayapara 9826433867,8602057777, Pakhanjur 9425593572, Pandaria 7470991444, Patan 9752756264, Pirda 9977377533, Pithora 9713118410, Rajim- 8602057777, Risali 9098847683, Sankra 8120008091, Sargaon 700079773, Singhanpur 9713848382, Tilda 9329068989, Tendukona 9425512175 , Utai 7879043998.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com